आर.एन.आई. नं. 013178/68, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

नं. 1 क्षेत्रीय अख़बार

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 59 अंक 21 | उज्जैन, गुरुवार 05 फरवरी, 2026 | फाल्गुन कृष्ण 4 संवत् 2082 | पृष्ठ-12 मूल्य-5.00 | www.awantika.com

प्रदेश से संसदीय बोर्ड में वरिष्ठ नेता डॉ. सत्यनारायण जटिया सदस्य, धुर्वे राष्ट्रीय सचिव, आर्य अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष हैं

भाजपा सुप्रीमो नवीन की टीम में बढ़ सकता है मप्र का कद

प्रदेश से महिला एवं युवा को भी नई टीम में अच्छे पद मिलने की आस जगी

दैनिक अवन्तिका ›› उज्जैन

लोकसभा में प्रदेश से भाजपा को सभी 29 सीटों पर विजय मिली थी। मध्यप्रदेश एक मात्र ऐसा प्रदेश है जहां से लोकसभा में एक भी विपक्षी नहीं हैं। ऐसे में भाजपा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम में मध्य प्रदेश का प्रभाव बढ़ने की प्रबल संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है। बिहार में हाल ही में हुए चुनाव में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का भी जादू चला था। अभी तक भाजपा सुप्रीमो टीम में मध्य प्रदेश से संसदीय बोर्ड में अनुसूचित जाति के वरिष्ठ नेता डॉ. सत्यनारायण जटिया सदस्य हैं। इसके अलावा ओम प्रकाश धुर्वे राष्ट्रीय सचिव और लाल सिंह आर्य अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष हैं।

नए भाजपा सुप्रीमो नितिन नवीन से पार्टी की सियासत में मध्यप्रदेश को अपने प्रभाव के अनुसार वजूद मिलने की प्रबल संभावना है। एक समय थावरचंद गहलोत और नरेंद्र सिंह तोमर दोनों ही राष्ट्रीय महासचिव थे। ऐसे में माना जा रहा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम में मध्य प्रदेश का भी प्रभाव बढ़ सकता है।

मध्य प्रदेश हमेशा से ही भाजपा के लिए एक प्रयोगशाला की तरह रहा है। हिंदू महासभा हो या जनसंघ, दोनों की जड़ें मध्य प्रदेश में मजबूत रही हैं। यही कारण है कि भाजपा यहां लंबे समय से सत्ता में काबिज है। संगठन की मजबूती की दूसरी वजह यहां के कुशल संगठनकर्ता भी माने जा सकते हैं। कुशाभाऊ ठाकरे, प्यारेलाल खंडेलवाल और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे दिग्गज मध्य प्रदेश की राजनीति से ही देशभर में लोकप्रिय हुए। भाजपा के लिए सुरक्षित सीटों में शुमार विदिशा लोकसभा सीट तो ऐसी रही कि वहां से अटल बिहारी वाजपेयी और सुषमा स्वराज जैसे नेताओं को भाजपा ने चुनाव लड़वाया। ये ऐसे कारण हैं, जिसकी वजह से राष्ट्रीय स्तर पर भी संगठन में भाजपा कार्यकर्ताओं का दबदबा रहा है।

प्रदेश से लोकसभा में सभी 29 सीट

मध्य प्रदेश एक ऐसा राज्य है जहां से लोकसभा की सभी 29 सीटें 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने जीती हैं। अब बड़ी चुनौती इन्हें बरकरार रखने की है। नई सदी में केवल वर्ष 2018 का विधानसभा चुनाव ही ऐसा था, जिसमें भाजपा बहुमत से थोड़ी दूर रह गई थी। अब आने वाले 2028 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के सामने चुनौतियां और बढ़ने वाली हैं। ऐसी स्थिति में भाजपा को संगठन को और अधिक मजबूत करना होगा।

विजयवर्गीय सहित 4 शामिल थे

एक समय पूर्व अध्यक्ष जेपी नड्डा की टीम में मध्य प्रदेश से कैलाश विजयवर्गीय सहित चार नेताओं को स्थान मिला था। इस बार भी चार से पांच नेताओं को नितिन नवीन की टीम में स्थान मिलने की संभावना है। इसमें एक या दो महिलाएं भी शामिल हो सकती हैं। इसके साथ ही युवा नेताओं को भी अवसर मिल सकता है। इसके पूर्व जेपी नड्डा की टीम में कैलाश विजयवर्गीय भी राष्ट्रीय महासचिव हुआ करते थे, लेकिन दो वर्ष पूर्व वह राज्य में मंत्री बना दिए गए। पार्टी नेताओं का मानना है कि चूंकि पूर्व में राष्ट्रीय कमेटी में प्रदेश से दो-दो महासचिव एक साथ रहे हैं। ऐसे में क्षेत्रीय स्तर पर संतुलन बनाने एवं भाजपा के वर्तमान वजूद को बनाए रखने के लिए नवीन की टीम में भी मध्यप्रदेश को पूरा वजूद मिलना तय माना जा रहा है।

केंद्र सरकार ने कहा

वांगचुक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

सुप्रीम कोर्ट में कहा, लद्दाख को बनाना चाहते थे नेपाल-बांग्लादेश

एजेंसी ›› नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सोनम वांगचुक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। वह लद्दाख को नेपाल या बांग्लादेश जैसा बनाना चाहते हैं। ऐसे व्यक्ति को और जहर उगलने की इजाजत नहीं दी जा सकती। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बैंच लद्दाख हिंसा मामले में एक्टिविस्ट वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वांगचुक के भाषण में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा सीधा खतरा दिखता है। जिला मजिस्ट्रेट ने हालात को देखते हुए गिरफ्तारी का सही फैसला लिया। मेहता ने कहा कि नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे उदाहरण देना, युवाओं को भड़काने और देश की एकता के खिलाफ माहौल बनाने के बराबर है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरे के लिए पर्याप्त आधार है।

देश विदेश

एसआईआर पर ममता ने कहा ईसी बंगाल को निशाना बना रहा

नई दिल्ली/कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन मामले पर सुनवाई की। जहां राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी वकीलों के साथ मौजूद रहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल चुनाव आयोग के निशाने पर है। जो काम 2 साल में होना था, उसे 3 महीने में करवाया जा रहा है। सुनवाई के बाद सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि असली लोग चुनावी सूची में बने रहने चाहिए। ममता की याचिका पर बेंच ने चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी से 9 फरवरी तक जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में यह पहला मौका था जब किसी राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री ने कोर्ट में पेश होकर अपनी दलीलें रखीं।

जम्मू-कश्मीर में जैश के 2 आतंकियों का एनकाउंटर

उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बुधवार को सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों आतंकवादी गुफा में छिपे हुए थे। सेना ने गुफा को ग्रेनेड से विस्फोट कर उड़ा दिया। एनकाउंटर का वीडियो भी सामने आया है। इसके बाद एक आतंकवादी का शव गुफा के बाहर था, जबकि दूसरे आतंकी का शव गुफा के अंदर काफी गहराई में मिला। इस ऑपरेशन में जैस का टॉप कमांडर रुबानी उर्फ अबू माविया भी मारा गया। वो इलाके में कई साल से सक्रिय था। मुठभेड़ मंगलवार को शाम 4 बजे शुरू हुई थी। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के पास से एम4 कार्बाइन, एके-47 असॉल्ट राइफल और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है।

उपासना सिंह का

सीनियर एक्टर से जमकर हुआ झगड़ा

एक्ट्रेस बोलीं- साथी कलाकार को पीटा, बदतमीजी की, इवेंट में हुई छीना-झपटी, वीडियो वायरल

मुंबई। कपिल शर्मा शो में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस उपासना सिंह ने किस देश में है मेरा दिल और कसौटी जिंदगी की जैसे शोज में नजर आ चुके सीनियर एक्टर दीपक काजिर पर बदतमीजी और मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। ये मामला एक इवेंट से जुड़ा है, जहां एक्टर दीपक काजिर और एक्ट्रेस उपासना की जमकर बहस हुई। बहस इतनी बढ़ गई की इवेंट में एक्टर्स के बीच तेज झड़प हो गई। हाल ही में इस झगड़े का एक वीडियो सामने आया है। ये विवाद 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के एक इवेंट के दौरान हुआ। एक्ट्रेस उपासना सिंह माइक पर भाषण दे रही थीं। उनके साथ सीनियर एक्ट्रेस पूनम ढिल्लन भी मौजूद थीं। वो बात कर ही रही थीं कि तभी सीनियर एक्टर दीपक काजिर ने तेज आवाज में चिल्लाते हुए कहा- मैडम, मैडम एक मिनट। इस पर एक्ट्रेस ने गुस्से में कहा- मैं अभी बोल रही हूं। इस पर एक्टर ने गुस्से में कहा- नहीं आप नहीं बोलेंगी। इसके बाद दीपक काजिर ने वहां मौजूद शख्स को उंगली दिखाते हुए कहा- अभी-अभी दीपक जी ने बहुत गलत बात की है। इसके ठीक बाद दोनों में तीखी बहस हो गई। जब दीपक काजिर ने साथ खड़े शख्स से माइक लिया, तो वहां मौजूद दूसरे शख्स ने उनके हाथ से माइक छीन लिया। इस झड़प के बाद वहां मौजूद लोग दीपक काजिर को शांत करवाते नजर आए।

जहां सस्ता तेल मिलेगा, वहां से लेंगे, हम अपना हित देखेंगे

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते सुधरने लगे हैं। अमेरिका ने भारत पर टैरिफ अब 18 फीसदी कर दिया है। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील हो गई है। डोनाल्ड ट्रंप ने इसका ऐलान किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि भारत रूस से अब तेल नहीं खरीदेगा। हालांकि, भारत सरकार की ओर से ऐसा दावा नहीं किया गया है। इसके बाद अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या सच में भारत अपने सबसे पुराने पार्टनर रूस से तेल नहीं खरीदेगा? यह भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या डेयरी और कृषि प्रोडक्ट्स अब भारत में इंपोर्ट होंगे? इन सवालों से पर्दा उठ गया है। जी हां, सूत्रों का कहना है कि सरकार ने साफ कर दिया है कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील में भारत अपने हितों से समझौता नहीं करेगा।

टला बड़ा हादसा, आपस में टकराए इंडिगो और एयर इंडिया के विंग्स

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट पर मंगलवार को एक बड़ा हादसा टल गया। इस हादसे में एयर इंडिया और इंडिगो के विंग्स (पंख) आपस में टकरा गए। घटना उस वक्त हुई जिस समय इंडिगो का विमान लैंड कर-के पार्क हो रहा था। इसी दौरान उसका विंग एयर इंडिया के विमान से टकरा गया। बताया जा रहा है कि एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2732 (मुंबई-कोयंबटूर) टेकऑफ से पहले टैक्सीवे पर पुशबैक की प्रक्रिया में थी, जबकि इंडिगो की फ्लाइट 6ए 791 (हैदराबाद-मुंबई) लैंडिंग के बाद टैक्सी कर रही थी। इसी दौरान दोनों विमानों के विंगटिप (पंखों के सिरे) आपस में टकरा गए। घटना के समय दोनों विमानों में यात्री सवार थे। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई भी यात्री या क्रू मेंबर घायल नहीं हुआ।

राहुल ने नरवणे की किताब दिखाई, बोले- पीएम को दूंगा

केंद्रीय मंत्री को गद्दार बताया, बिट्टू ने कहा- देश के दुश्मनों से लेना-देना नहीं

एजेंसी ›› नई दिल्ली

आर्मी चीफ एमएम नरवणे की जिस किताब को लेकर संसद में दो दिन से हंगामा हुआ। राहुल गांधी बुधवार को वही किताब लेकर संसद पहुंचे। उन्होंने कहा कि अगर आज पीएम आए तो उन्हें यह किताब दूंगा।

राहुल ने किताब का वह पेज खोलकर दिखाया, जिसमें लिखा है कि प्रधानमंत्री ने आर्मी चीफ से कहा था- जो उचित समझो वह करो!। राहुल ने कहा कि सरकार और रक्षा मंत्री कह रहे हैं कि किताब का अस्तित्व नहीं है। देखिए यह रही किताब।

राहुल ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि प्रधानमंत्री आज लोकसभा में आने की हिम्मत करेंगे। अगर प्रधानमंत्री आते हैं तो मैं खुद जाकर उन्हें यह किताब सौंपूंगा, ताकि वे इसे पढ़ सकें और देश को इसके बारे में पता चल सके।

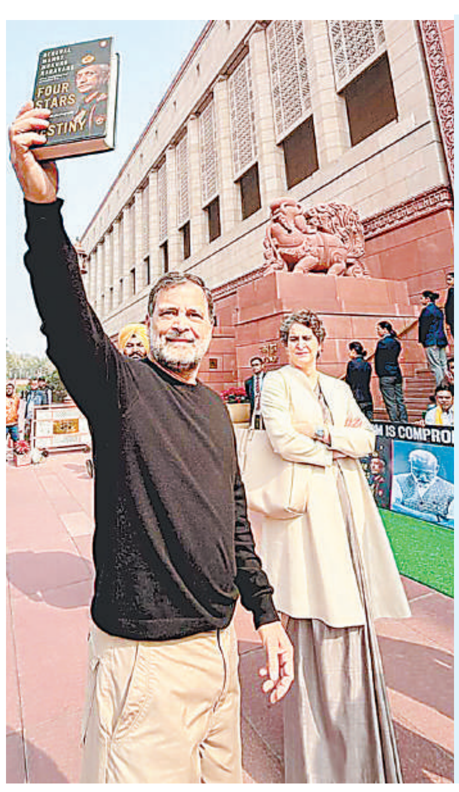

लोकसभा में नरवणे की किताब के अंश पढ़ना चाहते हैं राहुल

लोकसभा में दो दिन से पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड बुक पर हंगामा हुआ। इसके चलते कई बार सदन स्थगित हो चुका है। राहुल इस किताब के अंश लोकसभा में पढ़ना चाहते हैं। स्पीकर ओम बिरला ने इसकी इजाजत नहीं दी है। इधर, कांग्रेस के कुछ सांसदों ने बजट सत्र के छठे दिन संसद के मकर द्वार के पास प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान राहुल गांधी ने रवनीत सिंह बिट्टू को पास से गुजरते देखकर कहा कि देखो एक गद्दार आ रहा है, देखिए इसका चेहरा। राहुल गांधी ने हाथ मिलाने की पेशकश करते हुए कहा कि हैलो भाई, मेरे गद्दार दोस्त। चिंता मत करो, आप वापस (कांग्रेस में) आ जाओगे। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने हाथ नहीं मिलाया। उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि देश के दुश्मनों से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।

युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें सीएम बने

एजेंसी ›› नई दिल्ली

भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री बने हैं। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने लोकभवन में उन्हें गोपनीयता की शपथ दिलाई। मैतेई समुदाय से आने वाले खेमचंद पूर्व सीएम बीरेन सिंह के करीबी माने जाते हैं। दो डिप्टी सीएम को भी शपथ दिलाई जाएगी। लोधी दिखो नागा समुदाय से आते हैं। कुकी समुदाय से आने वालीं नेमचा किपगेन राज्य की पहली डिप्टी सीएम होंगी। राज्य में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनी है। आज ही राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने राज्य में 356 दिन से लगा राष्ट्रपति शासन हटाया। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा के कारण 9 फरवरी 2025 को तत्कालीन सीएम एन. बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था।

इंदौर में 2 करोड़ की एमडी ड्रग

जांच में निकली यूरिया

पुलिसकर्मी समेत सभी आरोपियों को राहत कोर्ट में इंदौर पुलिस का केस खारिज

दैनिक अवन्तिका ›› इंदौर

इंदौर पुलिस ने एक साल पहले जिस 2 करोड़ की एमडी ड्रग को पकड़कर खूब वाहवाही लूटी थी, जांच में वह अब यूरिया यानी पोटेशियम नाइट्रेट पाई गई है। मामले में जिला कोर्ट ने तेजाजी नगर पुलिस की ओर से पेश की गई खारिजी को स्वीकार करते हुए सभी आरोपियों को राहत दे दी है।

यह मामला 26 फरवरी 2025 का है। कंट्रोल रूम से मिली सूचना के आधार पर तेजाजी नगर थाने के सब इंस्पेक्टर मनोज दुबे, प्रधान आरक्षक देवेंद्र परिहार, अभिनव शर्मा, आरक्षक गोविंदा, आरक्षक दीपेंद्र राणा एबी रोड बायपास पर कस्तूरबा ग्राम पहुंचे। यहां रोड किनारे दो व्यक्ति बाइक पर संदिग्ध अवस्था में बैठे दिखे।

पुलिस वाहन को देखकर दोनों भागने लगे। कुछ ही दूर पर उन्हें पकड़ लिया गया। एक ने अपना नाम विजय पाटीदार

(मंदसौर) और दूसरे ने मोहम्मद शाहनवाज (आजाद नगर) बताया। तलाशी लेने पर शाहनवाज की जेब से पाउडरनुमा पदार्थ मिला। पुलिस ने उसे 198 ग्राम एमडी ड्रग बताकर पंचनामा बनाया। कीमत 2 करोड़ रुपए दर्शाई गई। आरोपियों को धारा 8/22 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी शाहनवाज के मेमोरेंडम के आधार पर आजाद नगर थाने के कोर्ट मुंशी पुलिसकर्मी लखन गुप्ता को भी आरोपी बनाया गया था।

म्यांमार में आया 5.9 तीव्रता का भूकंप

कोलकाता और ढाका तक महसूस हुए झटके

एजेंसी ›› नई दिल्ली

म्यांमार में अब से कुछ देर पहले भूकंप के तेज झटके महसूस हुए। वहां धरती इस कदर डोली की उसका असर सैकड़ों किलोमीटर दूर कोलकाता से लेकर ढाका तक महसूस किया गया। मंगलवार को आए 5.9 मैग्नीट्यूड तीव्रता के भूकंप के बाद उसके आफ्टर शॉक कोलकाता और बांग्लादेश के अलग-अलग हिस्सों में भी महसूस किए गए। ईएमएससी के डेटा के मुताबिक, भूकंप म्यांमार में अकयाब से 70 मील पूरब में आया। भूकंप इतना तेज था कि न सिर्फ कोलकाता बल्कि पश्चिम बंगाल के अलग-अलग शहरों में तेज झटके महसूस होने की खबरें आईं। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज की रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप 10 किलोमीटर (6.21 मील) की गहराई पर था।

नहीं मानेंगे इंटरनेशनल कोर्ट का आदेश

सिंधु जल संधि पर भारत ने पाकिस्तान को दिखाया आईना

एजेंसी ›› नई दिल्ली

पाकिस्तान सिंधु जल संधि पर कोर्ट-कोर्ट खेल रहा है। दूसरी ओर भारत का रुख पहले से ही स्पष्ट है। अब भारत ने सिंधु जल संधि से जुड़े अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के आदेश को स्पष्ट रूप से मानने से इनकार कर दिया है। भारत का कहना है कि यह कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन अवैध रूप से गठित है और इसके आदेशों को भारत मान्यता नहीं देता। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय अदालत ने भारत को निर्देश दिया था कि वह अपने जलविद्युत संयंत्रों के परिचालन रिकार्ड (विशेष रूप से बगलिहार और किशनगंगा परियोजनाओं के पोंडेज लॉगबुक) प्रस्तुत करे, ताकि आगे की सुनवाई में इनका उपयोग किया जा सके। अदालत ने नौ फरवरी, 2026 तक इन दस्तावेजों को सौंपने या अनुपालन न करने पर औपचारिक स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया है। दरअसल, हेग स्थित मध्यस्थता न्यायालय सिंधु जल संधि के ढांचे के तहत नई सुनवाई और दस्तावेज आदेशों के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इन कार्यवाहियों की वैधता को मान्यता नहीं देता और इनमें भाग नहीं लेगा।

मोबाइल गेम की लत में 3 बहनें 9वीं मंजिल से कूदीं

उम्र 12-14-16 साल, सुसाइड नोट में लिखा- सॉरी मम्मी-पापा, गेम नहीं छोड़ पाएंगे

एजेंसी ›› गाजियाबाद

गाजियाबाद में तीन सगी बहनों ने नौवीं मंजिल की बालकनी से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार रात 2 बजे तीनों ने कमरे को अंदर से बंद किया, फिर स्टूल रखकर एक-एक करके बालकनी से छलांग लगा दी।

उनकी उम्र करीब 12, 14 और 16 साल है। पिता के मुताबिक, तीनों बेटियों को टास्क-बेस्ड कोरियन लव गेम की लत थी। वे हर वक्त एक साथ रहती थीं। एक साथ नहाती थीं और टॉयलेट जाती थीं। इस कदर गेम की लत थी कि स्कूल भी

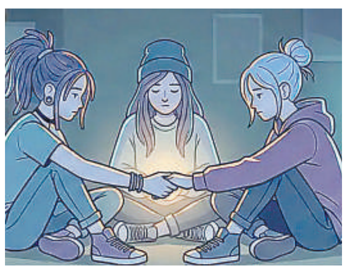

छोड़ दिया था।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा है कि पिता ने उन्हें गेम खेलने से मना किया और फटकार लगाई। इसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया। तीनों बहनें जिस कमरे में सोती थीं, वहां पुलिस को एक डायरी मिली है। इसके 18 पन्नों में सुसाइड नोट लिखा मिला। पुलिस का दावा है कि नोट में लिखा है- मम्मी-पापा सॉरी गेम नहीं छोड़ पा रही हूं। अब आपको एहसास होगा कि हम गेम से कितना प्यार करते थे, जिसको आप छुड़वाना चाहते थे। घटना भारत सिटी बी-1 टॉवर के फ्लैट नंबर 907 की है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर आलोक प्रियदर्शी ने बताया- अभी तक की जांच में सामने आया है कि तीनों ने आत्महत्या की है। तीनों मोबाइल से गेम खेलती थीं। किन परिस्थितियों में आत्महत्या की गई, इसकी जांच की जा रही है।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का बुधवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

कंचन बाई का 'दाधिची' कर्म अंधेरे में

अजीब भूमि हो गई है ये जहां अंगुली कटाकर लोग शहीद का दर्जा पा रहे हैं और जो समाज के लिए सर कलम करवा रहे हैं उनका जिक्र तक नहीं हो रहा है। हाल ही में पडोसी प्रदेश से जुडे संभाग के नीमच जिले के मडावदा पंचायत क्षेत्र के आंगनवाडी केंद्र में स्व सहायता समूह की अध्यक्ष बहन ने अपनी जान देकर केंद्र में आए 20 बच्चों को जीवनदान दिया है। मामला तीन दिन पुराना है। न मिडिया ने इसे विशेष स्थान दिया और न ही शासन प्रशासन ने ही इसे उचित सम्मान दिया। सामने आ रहे घटनाक्रम अनुसार आंगनबाड़ी केंद्र पर मधुमक्खियों ने हमला किया तो स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष कंचन बाई ने अपनी जान देकर केंद्र आए और वहां बाहर खेल रहे मासूम बच्चों को बचा लिया। इस तरह नीमच जिले की कंचन बाई मेघवाल इंसानियत के प्रति कर्तव्य और इसके लिए समर्पण व साहस का उदाहरण बन गई । देर से सामने आये घटनाक्रम अनुसार नीमच के पास सोमवार को सुबह आंगनबाड़ी केंद्र पर कई बच्चे मौजूद थे। केंद्र की सहायिका बाकी बच्चों को लेने गई हुई थी। इसी बीच बच्चों पर बाहर से झुंड के रूप में आईं मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। पास में ही स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष 45 वर्षीय कंचन बाई मेघवाल का घर है। वह आंगनबाड़ी केंद्र के पास स्थित हैंडपंप पर कपड़े धो रही थीं। उन्होंने जब बच्चों पर मधुमक्खियों का हमला होते देखा तो वह दरी और कंबल लेकर दौड़ीं और आनन-फानन में सारे बच्चों पर दरी और कंबल से घेरा बनाकर उन्हें सुरक्षित वहां से निकालकर दूर पहुंचाया। लेकिन इस दौरान उन्हें मधुमक्खियों ने जमकर काटा। बच्चों को बचाकर वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस बीच आसपास के ग्रामीण भी एकत्र हो गए। डायल 112 को बुलाकर घायल कंचन बाई को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। अंदाजा लगाईये कि अगर बच्चे मधुमक्खियों की चपेट में आ जाते तो कैसी अनहोनी हो जाती। कंचनबाई ने एन वक्त पर जिस तरह से बच्चों को बचाया है उसे मां की ममता और विकट स्थिति में संयम और साहस का परिचय ही कहा जाएगा। कंचनबाई ने कलयुग में 'दाधिची' की तरह समाज की सुरक्षा में अपने प्राण न्यौछावर किए हैं। खुसूर-फुसूर है कि इतना बडा त्याग करने वाली महिला को लेकर अब तक शासन एवं प्रशासन स्तर पर कोई बयान सामने नहीं आया है,जबकि अंगुली कटाने वालों को वजूद दिया जाता है यहां तो सच्चे मायने में बच्चों के लिए शहादत देने वाले को भी नजरअंदाज किया जा रहा है। देर से ही सही इस धाय मां को प्रदेश में वर्तमान दौर के मान से पूरा शहीदी सम्मान दिया जाना चाहिए।इससे दुसरों की जान बचाने की प्रेरणा को आधार मिलेगा।

खुसूर फुसूर

ट्रैंडिंग

स्वच्छता साथियों के लिए संवाद सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन। 'वॉश ऑन व्हील' सेवा स्वच्छता की ओर एक प्रभावी कदम है। जनपद पंचायत बड़नगर की आत्मनिर्भर ग्राम पंचायत खेड़ावदा में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए वॉश ऑन व्हील (wow) सेवा प्रारंभ की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, सुलभ एवं टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से 'स्वच्छता साथी 'वॉश ऑन व्हील' पहल की शुरूआत की गई है। यह नवाचार ग्रामीण अंचलों में घरेलू, संस्थागत एवं सामुदायिक शौचालयों की साफ-सफाई के लिए एक स्मार्ट, आधुनिक एवं मांग-आधारित समाधान उपलब्ध कराएगा।यह सेवा मांग एवं पूर्ति के सिद्धांत पर आधारित एक ऑनलाइन प्रणाली है, जिसके अंतर्गत मोबाइल एप के माध्यम से आम नागरिक, परिवार के मुखिया अथवा संस्था प्रमुख शौचालय की साफ-सफाई के लिए स्वच्छता साथी को अनुरोध भेज सकेंगे। अनुरोध प्राप्त होते ही निर्धारित समय पर स्वच्छता सेवा उपलब्ध कराई जाएगी।

15 फरवरी महाशिवरात्रि से 19 मार्च गुड़ी पड़वा तक व्यापार मेला, चौपहिया वाहन बेचने वालों का आकर्षण इस वर्ष भी बरकरार, दो पहिया में कमजोर स्थिति

मेले की प्रथम निविदा में 35 फीसदी दुकानों की नीलामी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

विक्रम व्यापार मेले को लेकर चौपहिया वाहन बेचने वालों का आकर्षण लगातार तीसरे वर्ष भी बरकरार है । तीसरे वर्ष के मेले के लिए प्रथम निविदा में ही चौपहिया के लिए आरक्षित 123 शाप में से 72 निलामी में चली गई हैं । इसकी अपेक्षा दो पहिया वाहन बेचने वालों की कमजोर स्थिति सामने आ रही है। कुल निर्धारित 40 में से 15 दुकानें ही निलामी में जा सकी हैं । इस बार कुल 261 दुकानों में से प्रथम निविदा में 91 दुकानें निलाम हो चुकी हैं। शेष 170 के लिए दुसरी निविदा खुलने वाली है एवं तीसरी आमंत्रित की जाने वाली है।

उज्जैन में 15 फरवरी महाशिवरात्रि से 19 मार्च गुड़ी पड़वा तक व्यापार मेला लगाया जाएगा। मेले की सुरक्षा को देखते हुए सम्पूर्ण मेला क्षेत्र का 20 करोड़ का सुरक्षा बीमा नगर निगम द्वारा करवाया जाएगा। प्रशासनिक ट्रेनिंग से लौटकर निगमायुक्त अभिलाष मिश्रा ने सोमवार को ज्वाईन करने के उपरांत मेला आयोजन की तैयारी को लेकर बैठक ली है। श्री मिश्रा ने प्रस्तावित व्यापार मेले में नगर निगम द्वारा व्यवस्थाएं और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखने के निर्देश दिए है। इसके लिए मेले का लेआउट डालने का कार्य, शौचालय की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, सिविल वर्क, कंट्रोल रूम, इत्यादि जो भी व्यवस्थाएं समय पूर्व करने को कहा है।

प्रथम नीलामी से 1.91 करोड मिले

नगर निगम को शासकीय इंजीनियरिंग कालेज परिसर में पिछले वर्ष के आयोजन से 4.97 करोड रूपए दुकान निलामी से मिले थे। इस बार प्रथम निविदा निलामी से ही 1.91 करोड मिले हैं। ऐसे में अभी दो निविदा और आमंत्रित की जाने वाली हैं जिनसे अच्छी निलामी आय होने की आस बरकरार हैं।

261 में से 91 दुकानें नीलाम

नगर निगम द्वारा शासकीय इंजीनियरिंग कालेज परिसर में व्यापार मेले का यह दुसरा आयोजन किया जा रहा है। विक्रम व्यापार मेले का आयोजन पहली बार दशहरा मैदान,कालिदास अकादमी के पीछे एवं पीजीबीटी मैदान परिसर में आयोजित किया गया था। इस वर्ष के प्रस्तावित मेला के लिए नगर निगम ने कुल 261 दुकानों के लिए प्रथम आनलाईन निविदा जारी की थी। इनमें से 91 दुकानें निलामी में दी गई हैं। 170 दुकानों की निलामी के लिए द्वितीय निविदा जारी की गई थी जिन्हें खोलने का क्रम जारी है। इस बीच शेष बचने वाली दुकानों के लिए तीसरी निविदा जारी की जाएगी।

चौपहिया की आधी से अधिक दुकानें नीलाम

मेले में तीसरी बार भी चौपहिया विक्रेताओं का रूझान बरकरार है। इस वर्ष नगर निगम ने चौपहिया वाहन विक्रेताओं के लिए कुल 123 दुकानें रखी हैं जिसमें से प्रथम निविदा में 72 दुकानें निलाम हो गई हैं। दो पहिया के लिए 40 दुकानें रखी गई थी जिसमें से मात्र 15 ही प्रथम निविदा में निलाम हुई। बैंकों के लिए 10 में से 3 दुकानें निलाम हुई हैं। कार डेकोरेशन की 5 में से 1,इलेक्ट्रानिक की 10 में से एक भी दुकान निलाम नहीं हुई हैं। खाद्य सामग्री की 8,आरटीओ कार्य की 5 एवं जनरल शाप की 60 दुकानों में से प्रथम निविदा में एक भी दुकान निलाम नहीं हुई।

मेडिसिटी परियोजना के अंतर्गत

मेडिकल कॉलेज और हॉस्टल का 27 प्रतिशत से ज्यादा काम पूरा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ 2028 को लेकर विभिन्न प्रोजेक्ट पर तेजी से काम किया जा रहा है ताकि इन्हें तय समय सीमा पर पूरा किया जा सके। इसी कड़ी में मेडिसिटी परियोजना अंतर्गत मेडिकल कॉलेज और हॉस्टल का 27 प्रतिशत से ज्यादा काम पूरा हो चुका है। बिल्डिंग डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा छात्रावास के 4 बहुमंजिला भवनों का काम छत तक पूरा किया जा चुका है। फिलहाल तेजी से इसका काम किया जा रहा है।

21 नवंबर 2024 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने करीब 592.33 करोड़ रुपए की लागत से 14.97 एकड़ जमीन पर बनने वाली मप्र की पहली हाईटेक मेडिसिटी और शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय का भूमिपूजन किया था। इस योजना के तहत नए अस्पताल, कॉलेज और हॉस्टल का निर्माण किया जा रहा है। यह मेडिसिटी शहर और आसपास के इलाकों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगी। इससे हजारों लोगों को रोजगार भी मिलेगा। यह परियोजना राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगी। बिल्डिंग डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के डीजीएम निशांत पचौरी,, प्रबंधक फैजान हुसैन और तरुण मित्रा की टीम द्वारा इस प्रोजेक्ट को लीड किया जा रहा है। साथ ही जे पी स्ट्रक्चर गुजरात इसकी कॉन्ट्रैक्ट फर्म है।

पिछले साल 23 दिसंबर को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा और सीएम डॉ. मोहन यादव मेडिसिटी पहुंचे थे। यहां उन्होंने काम की प्रगति देखी और अब तक क्या-क्या काम हुआ, इसकी

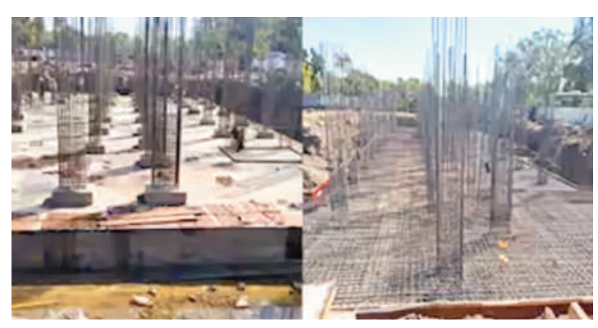

जानकारी संबंधित इंजीनियर से ली थी। मेडिसिटी परियोजना में शहर में 150 सीट का गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, 550 बेड का सुपर और मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल, 11 ऑपरेशन थिएटर, आधुनिक लाइब्रेरी, 276 वाहन क्षमता की मल्टीलेवल कार पार्किंग और 1211 बेड के चार हॉस्टल बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा डायग्नोस्टिक सेंटर, फामेर्सी, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र, वेलनेस केंद्र, आयुष अस्पताल, पैरामेडिकल कॉलेज, एकीकृत स्वास्थ्य सेवाएं, ईको-फ्रेंडली इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ावा देने वाली सुविधाएं भी होंगी। यह योजना सिंहस्थ 2028 के पहले पूरी कर शहर में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं सुनिश्चित करेगी। इससे गंभीर रोगों के इलाज के लिए अन्य शहरों पर निर्भरता कम होगी। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा रोगियों का इलाज किया जाएगा। मेडिकल शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

सिंहस्थ में रण उत्सव की तर्ज पर बनेंगी टेंट सिटी

तंबू के भीतर मिलेंगी आधुनिक सुख-सुविधाएं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन सिंहस्थ के दौरान टेंट सिटी बनाई जाएगी, जो गुजरात के कच्छ के रण उत्सव की तर्ज पर विकसित होगी। सीएम डॉ. यादव गुजरात के कच्छ प्रवास पर थे, जहां कच्छ के प्रसिद्ध रण उत्सव में भाग लिया।

सीएम ने रण उत्सव को लेकर सोशल मीडिया में अनुभवों को साझा भी किया। सीएम ने कहा, रण उत्सव की तर्ज पर उज्जैन सिंहस्थ में टेंट सिटी विकसित की जाएगी। मप्र में जहां पर्यटकों की संख्या अधिक है, वहां भी टेंट सिटी पर कार्य किया जाएगा।

डॉ. यादव ने कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ रण ऑफ कच्छ का रण उत्सव भारत की सांस्कृतिक पहचान, पर्यटन क्षमता का वैश्विक प्रतीक बन चुका है, जहां कभी बंजर भूमि थी, वहां आज पर्यटन, आजीविका व विकास का मॉडल खड़ा हुआ है, जिसे दुनिया देख रही है।

लोक कलाकारों की जीवंत प्रस्तुतियां, गुजरात की समृद्ध संस्कृति, इस उत्सव को विशिष्ट पहचान देती हैं। यह प्रेरक उदाहरण है। उज्जैन में वर्ष-2028 में होने वाले सिंहस्थ में भी ऐसी व्यवस्था की जाएंगी। इससे जहां स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिलेगा और किसान भी लाभान्वित होंगे। सीएम ने लिखा, भुज में स्थित स्मृति वन जो भूकंप पीड़ितों की स्मृतियों को सहेजता है, वह संवेदना और संकल्प का प्रतीक है। भोपाल में भी यूका त्रासदी के पीड़ितों की स्मृति में समर्पित संग्रहालय बनेगा।

क्या होती है टेंट सिटी

टेंट सिटी टेंटों (तंबुओं) से बसाया गया एक अस्थायी शहर या रिहायशी इलाका होता है, जो बड़े आयोजनों, तीर्थयात्राओं, या आपातकालीन स्थितियों के लिए बनाया जाता है। यह एक सुनियोजित क्षेत्र होता है जहाँ तंबू के भीतर आधुनिक सुख-सुविधाएं जैसे अउ, बिस्तर, और वाई-फाई उपलब्ध होते हैं। यह प्रकृति के पास लग्जरी कैंपिंग का एक अनुभव प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा 10 फरवरी से, अयोध्या जाएगी

7 फरवरी तक नगर निगम में जमा कर सकते हैं आवेदन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत उज्जैन जिले से माह फरवरी 2026 में अयोध्या तीर्थ यात्रा जाना प्रस्तावित है जिले से यात्रा का लक्ष्य 779 है, इच्छुक आवेदक अपना आवेदन कार्यालय नगर शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ नगर निगम उज्जैन आगर रोड के कक्ष क्रमांक 214 से प्राप्त कर 7 फरवरी 2026 तक दोपहर 12:00 बजे तक जमा करवा सकते हैं, यात्रा 10 फरवरी को प्रारंभ होगी।

वरिष्ठ नागरिक जिनकी उम्र 60 वर्ष से अधिक है दंपति के साथ यात्रा कर सकते हैं तथा 65 वर्ष से अधिक उम्र के आवेदक दंपत्ति अपने साथ एक सहायक (जिसकी आयु 18 से 49 वर्ष) को ले जाने की पात्रता रखते हैं, 60 प्रतिशत दिव्यांग के लिए आयु का बंधन नहीं है दिव्यांग आवेदक अपने साथ एक सहायक ले जा सकते हैं, सहायक शारीरिक रूप से सक्षम हो, आवेदक आयकर दाता नहीं होना चाहिए आवेदक उज्जैन निकाय क्षेत्र का मूल निवासी होना चाहिए।

इन दस्तावेजों के साथ जमा होगा आवेदन

आवेदनकर्ता को जरूरी दस्तावेज जिसमें आवेदक का आधार कार्ड, समग्र आईडी, पासपोर्ट साइज फोटो, स्वास्थ्य प्रमाण पत्र, आवेदक के सभी दस्तावेज समग्र आईडी में ईकेवाईसी सहित आवेदन के साथ संलग्न होना चाहिए आवेदन 02 सेट में जमा होंगे तथा आवेदन केवल हिंदी भाषा में ही मान्य होंगे।

नगर पालिका-निगम महासंघ के प्रदेश पदाधिकारी बनने पर किया स्वागत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

भोपाल में भदभदा रोड पर भारत माता चौराहा स्थित भारतीय मजदूर संघ के ठेंगड़ी भवन पर भारतीय मजदूर संघ के कुलदीप जी, सिंह साहब, कार्यकारी अध्यक्ष अरविंद मिश्रा आदि पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में रविवार को म.प्र. नगर पालिका-नगर निगम महासंघ का गठन किया गया, जिसमें उज्जैन नगर निगम के स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नितिन मुसले को प्रदेश उपाध्यक्ष एवं स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ अध्यक्ष श्री रमेशचंद्र रघुवंशी को प्रदेश कार्यालय मंत्री पद पर पदस्थ किया गया है। इस नियुक्ति से नगर निगम उज्जैन के कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है।

सोमवार को नगर निगम उज्जैन के यूनियन कार्यालय में सफाई कामगार संघ, स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के संरक्षक श्री रामचंद्र कोरट के मार्गदर्शन में म.प्र. नगर पालिका-नगर निगम महासंघ के नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष नितिन मुसले एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री रमेशचंद्र रघुवंशी का फूलमालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्री कोरट ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध नगर पालिका-नगर निगम महासंघ बनने एवं महासंघ में उज्जैन नगर निगम को नेतृत्व मिलने से कर्मचारियों को प्रदेश स्तर की मांगों को सरकार तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ अध्यक्ष डॉ. पवन व्यास ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सर्वश्री रमेशचंद्र निगम, अजयप्रकाश मेहता, मनसुख मेहरवाल, संदीप कलोसिया, श्यामसुंदर शर्मा, रविन्द्र त्रिवेदी, शैलेन्द्र तेजी, धीरज कलोसिया आदि उपस्थित थे।

वेरे मजदूर संघ द्वारा उज्जैन में 6 से 8 फरवरी तक ध्यान शिविर का होगा आयोजन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

वेस्टर्न रेल्वे मजदूर संघ जो की रेल्वे कर्मचारियों का न. 1 संघठन है के द्वारा आध्यात्मिक एवं सामाजिक संगठन ₹आनंदम₹ के सहयोग से रेल कर्मचारियों तथा अन्य साधकों हेतु ह्लएक मुलाकात स्वयं से ह्व नामक शीर्षक से तीन दिवसीय विशेष ध्यान कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 6 से 8 फरवरी के दौरान रेलवे कम्युनिटी हॉल, पार्सल ऑफिस के पास, प्लेटफॉर्म नंबर 1, रेलवे स्टेशन, उज्जैन पर किया जा रहा है। जिसके दौरान प्रातः 9:15 बजे से सायं 6:15 बजे तक विभिन्न प्रकार की ध्यान विधि द्वारा प्रतिभागी आत्म-साक्षात्कार कर तनावमुक्त कार्यशैली, मधुर पारिवारिक एवं सामाजिक संबंध, स्वास्थ्य और खुशियों में वृद्धि, व्यवसाय एवं आय में प्रगति, ध्यान एवं शांति का अनुभव तथा सकारात्मक ऊर्जा को प्राप्त करने के आध्यात्मिक साधनों से साक्षात्कार कर सकता है

यह कार्यक्रम आत्म-विकास, मानसिक शांति और जीवन में संतुलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। आयोजकों का विश्वास है कि प्रतिभागी इस तीन दिवसीय यात्रा से अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में नई ऊर्जा और सफलता का अनुभव करेंगे। वेरे मजदुर संघ उज्जैन शाखा सचिव एवं शिविर संयोजक चैतन्य चौधरी ने अधिक से अधिक लोगों से शिविर का लाभ लेने की अपील की है जिसके लिए पूर्व पंजीयन आवश्यक रखा गया है '

सिंहस्थ के मद्देनजर निर्मित किया जा रहा 50 किलोमीटर लम्बा फोरलेन एक्सप्रेस-वे

इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर पर विकसित होंगी टीपीएस योजनाएं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शासन ने तय किया है कि जितने भी महत्वपूर्ण फोरलेन कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं उन पर आवासीय, व्यवसायिक, औद्योगिक सहित आईटी से जुड़ी गतिविधियों को लाया जाए, जिसमें इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर भी शामिल है।

50 किलोमीटर लम्बा यह फोरलेन एक्सप्रेस-वे सिंहस्थ के मद्देनजर निर्मित किया जा रहा है, जिसमें भू-अर्जन की प्रक्रिया भी इन दिनों चल रही है।

इस कॉरिडोर सहित अन्य का निर्माण मध्यप्रदेश सडक विकास निगम यानी एमपीआरडीसी द्वारा कराया जा रहा है और अब उसमें कंसल्टेंट की नियुक्ति करने का भी निर्णय लिया है, जिसके लिए टेंडर के जरिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं।

इसमें भोपाल के पश्चिमी ग्रीन फील्ड बायपास सहित अन्य प्रोजेक्ट शामिल किए गए हैं। शासन का मकसद है कि इन फोरलेन कॉरिडोर के दोनों तरफ विभिन्न तरह की गतिविधियां विकसित कराई जाए, ताकि इन पर यातायात का दबाव तो बना ही रहे, साथ ही शहर विस्तार से जुड़ी योजनाओं का भी लाभ मिल सके।

अभी इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर के निर्माण की भी प्रक्रिया चल रही है, जिस पर लगभग 2 हजार करोड़ रुपए की राशि खर्च होगी और इंदौर के पितृ पर्वत के पास से यह कॉरिडोर शुरू होगा, जो उज्जैन के चिंतामण गणेश तक बनेगा।

इस फोरलेन एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे के दोनों तरफ सर्विस लेन, 34 अंडरपास, दो फ्लायओवर और एक रेलवे ओवरब्रिज भी निर्मित होना है।

कुछ समय पूर्व ही लुधियाना की कम्पनी को इसके निर्माण का ठेका दिया गया है और अभी सांवेर के 20 सभी प्रमुख कॉरिडोर पर आएंगी आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक गतिविधियां, एमपीआरडीसी करेगा कंसल्टेंट की नियुक्ति, टेंडर के जरिए बुलवाए प्रस्ताव और हातोद के 28 गांवों की जमीनों के अधिग्रहण की प्रक्रिया भी चल रही है।

इसी तरह पिछले दिनों ही कैबिनेट ने भोपाल पश्चिमी ग्रीन फील्ड बायपास को भी मंजूरी दी और उसके साथ पूर्वी बायपास भी निर्मित होगा।

इसी तरह उज्जैन-जावरा ग्रीन फील्ड राजमार्ग और सिंहस्थ बायपास के अलावा जबलपुर रिंग रोड और उससे जुडने वाली सडकों पर भी इस तरह की गतिविधियां शुरू की जाएगी।

नं.1 क्षेत्रीय अखबार

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

दैनिक अवन्तिका

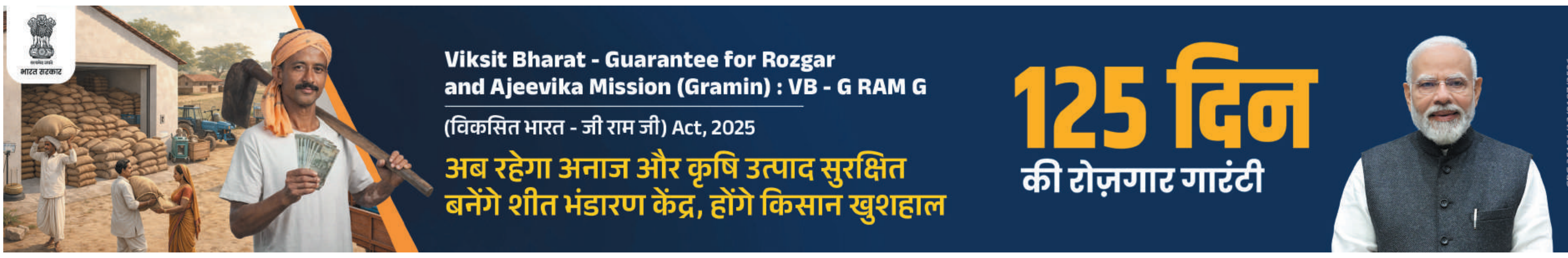

प्रदेश की खबरें

समिति ने भेजा परिवहन आयुक्त को प्रस्ताव

इंदौर। सड़क हादसा देखकर अक्सर लोग डर जाते हैं, कोई कानूनी झंझट के डर से रुकता नहीं। लेकिन इंदौर में दो ऐसे नागरिक सामने आए हैं, जिन्होंने इंसानियत को प्राथमिकता दी और घायलों को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचा ली। अब केंद्र सरकार की राह-वीर योजनाझ2025 के तहत इंदौर में पहली बार दो राह-वीरों को पात्र घोषित किया गया है, जिन्हें 25-25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि और सम्मान-पत्र दिया जाएगा।

प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों की बेड क्षमता में की जाएगी वृद्धि

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में जहां-जहां भी ओला-पाला से फसलें प्रभावित हुई हैं, उन जिलों के कलेक्टर्स, सर्वे कराकर तत्काल सहायता राशि किसानों को उपलब्ध कराएं। किसानों के सभी प्रकार के हित सुनिश्चित करने और उनकी आय दोगुना करने के उद्देश्य से ही वर्ष-2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषक कल्याण कृषि वर्ष में मालवा, निमाड़, चंबल और विंध्य अंचलों में कृषि कैबिनेट आयोजित की जाएगी। कृषि के साथ उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन जैसी गतिविधियां अपनाने के लिए कृषकों को प्रेरित किया जा रहा है। हाल ही में प्रदेश में पहली बार राज्य स्तरीय पुष्प महोत्सव आयोजित किया गया। पुष्प उत्पादन और देश-विदेश में फूलों की बेहतर मार्केटिंग व्यवस्था को प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रदेश में नरवाई प्रबंधन और पराली जलाने पर नियंत्रण के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। भावांतर योजना में सरसों और अन्य तिलहन फसलों को भी शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। मूंग के स्थान पर उड़द को प्रोत्साहित करने के लिए नीति बनाई जा रही है। इसके लिए किसानों को प्रेरित करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को भोपाल में कैबिनेट की बैठक से पहले मंत्रि-परिषद सदस्यों को संबोधित कर रहे थे।

कार्यालय की लांघी दीवार हार्न बजा तो चला पता

ईओडब्ल्यू पुलिस अधीक्षक की गाड़ी में बेसुध मिली युवती

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

उदयन मार्ग ईओडब्ल्यू कार्यालय परिसर में बुधवार तड़के पुलिस अधीक्षक की गाड़ी का हॉर्न बजाने लगा। परिसर में बने आवास से पुलिस अधीक्षक बाहर निकाल कर आए तो गाड़ी में बेसुध युवती को देखा। डायल 112 पर कॉल किया गया। माधवनगर पुलिस ईओडब्ल्यू कार्यालय पहुंची। युवती नशे की हालत में थी उसे थाने लाया गया।

माधवनगर थाना प्रभारी राकेश भारती ने बताया कि तड़के 5 बजे के लगभग ईओडब्ल्यू कार्यालय परिसर के शासकीय आवास से पुलिस अधीक्षक समर वर्मा द्वारा दी गई सूचना पर पुलिस पहुंची थी। जहां उनकी गाड़ी में एक युवती बेसुध हालत में मिली। पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि उनकी गाड़ी का और लगातार बज रहा था जिसके चलते वहां बाहर आए थे उक्त युवती स्टेरिंग पर सर रख के पड़ी हुई थी। युवती को थाने लाया गया है जिससे पूछताछ करने का प्रयास किया जा रहा है वह मानसिक रूप से विक्षिप्त भी दिखाई नहीं दे रही है, लेकिन कुछ बताने को तैयार भी नहीं है। जानकारी सामने आई है कि युवती नशे की हालत में कार्यालय की दीवार लांघी कर अंदर घुसी थी, उसने परिसर में ही गाड़ी की रखी चाबी से गेट का लॉक खोल लिया था। उसके परिजनों की जानकारी जुटाने पर सामने आया कि पंवासा क्षेत्र के रहने वाली है। नशा करने की आदी है और कभी भी घर से निकल जाती है पति भी उसकी हरकतों से काफी परेशान है। थाना प्रभारी के अनुसार युवती को समझाईश दी गई है, उसके खिलाफ जांच के बाद वैधानिक कार्रवाई भी की जा सकती है।

महाकालेश्वर मंदिर का चमत्कारी शिवलिंग

कुंड के जल से प्रतिदिन होता है बाबा का अभिषेक

हनुमान जी की प्रतिमा से श्रद्धालुओं को जानकारी

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

कालो के काल बाबा महाकाल के दरबार में आने वाले श्रद्धालु गर्भगृह में बाबा महाकाल के दर्शन करते हैं, लेकिन महाकालेश्वर मंदिर के कोटि तीर्थ में एक अनोखा शिवलिंग है जो सदैव जलमग्न रहता है। यहां आने वाली प्राकृतिक आव से इसका अभिषेक भी प्रतिदिन होता रहता है। महाकाल मंदिर के पुजारी ने बताया कि यह शिवलिंग कुंड के तल में स्थित है और इसके दर्शन प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि से पहले कुंड की सफाई के दौरान किए जाते हैं। पंडित राम शर्मा ने कहा कि कोटि तीर्थ दुर्लभ शैली से बना है और यहां भगवान हनुमान जी ने राम राज्याभिषेक के समय जल प्रवाहित किया था। बाबा महाकाल की प्रतिदिन होने वाली आरती के समय इसी जल से भगवान का अभिषेक किया जाता है। मंदिर आने वाले अधिकांश श्रद्धालुओं को इस शिवलिंग के बारे में जानकारी नहीं होती। इसलिए पुजारी परिवार और श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति ने कोटि तीर्थ पर हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित की है, ताकि सभी श्रद्धालु जान सकें कि यह जल हनुमान जी द्वारा प्रवाहित किया गया था।

24 घंटे चलता है प्राकृतिक जल का अभिषेक

बताया जाता है कि यह शिवलिंग कोटि तीर्थ के तल में सदैव जलमग्न रहता है और प्राकृतिक आव के कारण इसका अभिषेक निरंतर होता रहता है। मंदिर में कुंड की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है। कुंड में मछलियां भी छोड़ी जाती हैं ताकि पानी स्वच्छ रहे और किसी प्रकार की गंदगी न हो।

बाबा महाकाल के दरबार पहुंचे भोजपुरी फिल्म अभिनेता विनय आनंद, बोले- हर प्रार्थना सुनते हैं महाकाल

हिंदी और भोजपुरी फिल्मों के जाने-माने अभिनेता विनय आनंद आज धार्मिक नगरी उज्जैन पहुंचे। यहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल के चांदी द्वार से दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित संजय गुरु और पंडित दिनेश शर्मा ने बताया कि विनय आनंद बाबा महाकाल के दर्शन करने के लिए उज्जैन आए थे। उन्होंने चांदी द्वार से बाबा महाकाल का पूजन-अर्चन किया और उनका आशीर्वाद लिया। अभिनेता पहले भी बाबा महाकाल के दर्शन कर चुके हैं। आज वे दर्शन के दौरान शिव भक्ति में लीन दिखाई दिए और नंदी हॉल में पहुंचकर ध्यान भी किया।

उज्जैन देवों की नगरी

दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में विनय आनंद ने कहा कि बाबा महाकाल के दरबार में की गई हर प्रार्थना बाबा सुनते हैं। उन्होंने बताया कि 70 फिल्मों के बाद उनकी एक प्रार्थना यह थी कि वह हिंदी फिल्मों में भी काम करें। उनकी यह प्रार्थना बाबा महाकाल ने स्वीकार की और अब उनकी नई हिंदी फिल्म ३एस ई पी विक्रांत के रूप में मकान३ जल्द ही रिलीज होने वाली है। अभिनेता ने कहा, ह्लउज्जैन नगरी देवों की नगरी है। यहां के सभी मंदिरों की अपनी अलग विशेषता है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे इस देवनगरी में आने का अवसर मिला और मैंने बाबा महाकाल के दर्शन किए। उज्जैन और मध्य प्रदेश सनातनी संस्कृति का गढ़ हैं। इसके साथ ही उन्होंने जय श्री महाकाल का उद्घोष भी किया।

कालिदास के आंगन में अभिनव का राष्ट्रीय नाट्य समारोह

भाव-विभोर कर देने वाली सकु बाई का एकल नाट्य मंचन

दैनिक अवन्तिका ▶▶ डॉ. जफर महमूद

उज्जैन की कालिदास अकादमी के अभिरंग नाट्यगृह में अभिनव रंग मंडल का 40 वां राष्ट्रीय नाट्य समारोह स्तरीय नाटकों की श्रृंखला के साथ कामयाबी का सफर तय कर रहा है। दूसरी शाम अपनी प्रतिभा कौशल से फिल्म नगरी मुंबई में झंडे गाड़ने वाले कला कर्मियों ने एकल प्रस्तुति से सुधी दर्शकों को भावविभोर किया।एक रंग मुम्बई के बेनर तले समाज की स्त्री मनो दशाओं को व्यक्त करता नाटक सकु बाई का प्रभावी मंचन हुआ।

प्रख्यात नाट्य कर्मी नादिरा बब्बर द्वारा लिखित सकु बाई की कहानी घरों में काम करने नौकरानी पर केन्द्रित है। उच्च वर्ग के घरों में काम करते हुए उसे अनेकों परिवारों की हकीकत से रूबरू होना होता है। पूरा नाटक स्त्री मीमांसा पर आधारित है। नाटक में स्त्री की इच्छा शक्ति को अभिनय कौशल के साथ प्रस्तुत किया गया। देश के प्रमुख रंग कर्मियों में शुमार जयंत देशमुख के नाट्य निर्देशन में इस एकल नाट्य प्रस्तुति ने एक घंटा दस मिनट तक दर्शकों को बांधे रखा। जयंत देशमुख ने अपनी रचनात्मक दृष्टि और कलात्मक समझ से भारतीय रंगमंच और सिनेमा में अपना स्थान बनाया है। मंच परिकल्पना में उनका कोई सानी नहीं है। सौ से अधिक नाटकों एवं सौ से ज्यादा फिल्मों में उन्होंने अपनी सर्जनात्मकता को व्यक्त किया है। भोपाल में रंग मंडल की स्थापना से जुड़े जयंत देशमुख ने बा.व. कारंत से लेकर हबीब तनवीर तक के साथ अपने को तराशा। उसके बाद मुम्बई का रुख किया।

प्रस्तुत नाटक में स्त्री के अनेक पात्रों को अभिनेत्री आशी मालवीय ने जीवंत कर दिखाया। आशी ने अपने केरियर की शुरूआत नौ साल भोपाल में नाटकों में काम करते हुए की। अब मुम्बई में रह कर अनेक फिल्मों और टीवी सीरियल में काम कर रही हैं।सोनी सब चैनल पर तारक मेहता का उल्टा चश्मा सीरियल के साथ दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले डॉ चंद्र प्रकाश द्विवेदी के निर्देशन में प्रसारित जन-जन के राम में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सकू बाई में आलोकन अंकित देसाई का था।

जन समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निराकरण

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुसार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रति सप्ताह मंगलवार आयोजित की जा रही जनसुनवाई का सिलसिला निरंतर जारी है। इसी क्रम में आज कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने आमजन की समस्याएं सुनकर कई प्रकरणों का मौके पर ही समाधान किया। जनसुनवाई में कुल 301 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें स्वास्थ्य, राजस्व तथा पारिवारिक विवाद, स्थापना, आर्थिक सहायता आदि से संबंधित प्रकरण शामिल थे।

26 मामलों के आरोपी पूर्व पार्षद कादरी को जमानत

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

लव जिहाद के लिए फंडिंग करने और एक दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामलों के आरोपी वार्ड-58 से कांग्रेस पार्षद रहे अनवर कादरी को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। जिला कोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद कादरी ने हाईकोर्ट में अपील की थी, जिसे बुधवार 4 फरवरी को मंजूर कर लिया गया। जस्टिस सुबोध अभ्यंकर की बेंच ने सुनवाई के बाद याचिका स्वीकार की है। हालांकि जमानत का औपचारिक आदेश आना अभी बाकी है।

यह मामला बाणगंगा थाना क्षेत्र का है। जून 2025 में एक युवती ने साहिल शेख और अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। युवती का आरोप था कि साहिल ने प्रेम जाल में फंसाकर उसका शारीरिक शोषण किया और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। बुर्का पहनने के लिए भी मजबूर किया गया। जांच के दौरान साहिल शेख ने बयान दिया कि इस तरह के मामलों के लिए अनवर कादरी के जरिए दो लाख रुपए की फंडिंग की जाती थी। इसके बाद पुलिस ने कादरी को मुख्य आरोपी बनाते हुए विभिन्न गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया। केस दर्ज होने के बाद अनवर कादरी फरार हो गया था। लंबे समय बाद उसने कोर्ट में सरेंडर किया, जिसके बाद से वह जेल में बंद था।

कोविड और कानूनी अनभिज्ञता पर मजदूरों को राहत

हाईकोर्ट ने कहा लिमिटेशन पर तकनीकी सख़्ती से बचें, मेडिकैप्स लिमिटेड की याचिका खारिज

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने श्रमिक हितों को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि श्रम कानून फायदेमंद कानून होते हैं और मजदूरों के दावों को लिमिटेशन के अत्यधिक तकनीकी आधार पर खारिज नहीं किया जाना चाहिए, खासकर तब जब देरी कोविड-19 महामारी और कानूनी जागरूकता की कमी के कारण हुई हो।

जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और आलोक अवस्थी की डिवीजन बेंच ने मेडिकैप्स लिमिटेड द्वारा दायर रिट याचिका को खारिज कर दिया। कंपनी ने इंदौर की इंडस्ट्रियल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें मजदूरों की देरी माफ कर मामला दोबारा लेबर कोर्ट को भेजा गया था। मामला 22 नवंबर 2019 को मेडिकैप्स लिमिटेड के औद्योगिक प्रतिष्ठान के बंद होने से जुड़ा है। नियोक्ता का कहना था कि बंद इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट्स एक्ट, 1947 और मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल रिलेशन्स एक्ट, 1960 (एमपीआईआर एक्ट) के तहत तय प्रक्रिया का पालन कर किया गया और सभी कर्मचारियों को उनके वैधानिक बकाए का भुगतान कर दिया गया। हालांकि कुछ मजदूरों ने टढकफ अ३ के तहत इस बंद को चुनौती दी थी। पहले लेबर कोर्ट और फिर इंडस्ट्रियल कोर्ट ने बंद को वैध ठहराया। इसके बाद मजदूरों ने लेबर कोर्ट में नया आवेदन दायर कर दावा किया कि 22 नवंबर 2019 को उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। मजदूरों का कहना था कि इसके तुरंत बाद देशव्यापी लॉकडाउन लग गया और अशिक्षा व कानूनी जानकारी के अभाव में वे तय समय-सीमा में कानूनी उपाय नहीं कर पाए।

कोविड के बाद नया दावा, लिमिटेशन बनी बाधा

इसके बाद मजदूरों ने लेबर कोर्ट में नया आवेदन दायर कर दावा किया कि 22 नवंबर 2019 को उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। मजदूरों का कहना था कि इसके तुरंत बाद देशव्यापी लॉकडाउन लग गया और अशिक्षा व कानूनी जानकारी के अभाव में वे तय समय-सीमा में कानूनी उपाय नहीं कर पाए। लेबर कोर्ट ने यह कहते हुए दावा खारिज कर दिया कि यह MPIR Act की धारा 62 के तहत एक साल की लिमिटेशन से बाधित है।

इंडस्ट्रियल कोर्ट ने देरी माफ की

मजदूरों ने इसके खिलाफ इंडस्ट्रियल कोर्ट का रुख किया। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के उडश्कऊकाल के दौरान लिमिटेशन बढ़ाने वाले निर्देशों (फरवरी 2022 तक) का हवाला देते हुए देरी को माफ कर दिया और मामले को योग्यता के आधार पर फैसले के लिए लेबर कोर्ट को वापस भेज दिया। इंडस्ट्रियल कोर्ट के रिमांड आदेश को चुनौती देते हुए नियोक्ता ने हाईकोर्ट में तर्क दिया कि उडश्कऊअवधि हटाने के बाद भी करीब 15 महीने की बिना स्पष्टीकरण की देरी बनी रहती है और बंद का मुद्दा पहले ही अंतिम रूप ले चुका है। इन दलीलों को खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि इंडस्ट्रियल कोर्ट ने सही उदार रुख अपनाया है। मजदूरों ने स्पष्ट रूप से अशिक्षा और कानूनी प्रावधानों की जानकारी न होने की बात कही थी और देरी का बड़ा हिस्सा महामारी काल से जुड़ा था। कोर्ट ने दोहराया कि श्रम कानून फायदेमंद होते हैं और ऐसे मामलों में अत्यधिक तकनीकी रवैया अपनाने से बचना चाहिए।

करियर बनाने का सुनहरा अवसर

इंदौर। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अंतर्गत संचालित एवं एन.सी.एच.एम.सी.टी., नोएडा से मान्यता प्राप्त स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट इंदौर होटल उद्योग में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभर रहा है। राऊ स्थित यह संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम प्रदान करता है। साथ ही इंदौर भारत का सबसे स्वच्छ शहर होने के साथ यहाँ सौम्य जलवायु, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी, आईआईटीझआईआईएम जैसे शीर्ष स्तरीय शैक्षणिक केंद्र, कम जीवन-व्यय तथा विकसित होटल उद्योग के कारण विद्यार्थियों की पहली पसंद बना हुआ है। उज्जैन-ओंकारेश्वर की निकटता और व्यावसायिक गतिशीलता भी इंदौर शहर की प्रमुख विशेषता है।

न्यूज-कॉलम

शकर कारखाने में घोटालों और दबाव की राजनीति का आरोप

बुरहानपुर। नवलसिंह सहकारी शकर कारखाने में घोटालों और दबाव की राजनीति का आरोप लगाया गया है। कारखाने के डेलीगेट उज्जवल पाटील ने पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह शेरा भैया के खिलाफ मुख्यमंत्री, सहकारिता मंत्री, आयुक्त सहकारिता, कलेक्टर और कारखाने के प्रशासक को सीधी शिकायत भेजी है। पाटिल ने आरोप लगाया है कि पूर्व विधायक कारखाना अधिकारियों और कॉलेज प्राचार्यों को अपने घर बुलाकर धमका रहे हैं, ताकि फर्जी कर्मचारियों की जांच दबाई जा सके। उन्होंने बताया कि 2019 से 2024 तक चार ऐसे कर्मचारी कारखाने और कॉलेज में दिखाए गए, जिन्हें किसी ने काम करते नहीं देखा, लेकिन पूर्व विधायक के दबाव से उन्हें लगातार वेतन दिलवाया गया। इस फजीवाड़े में 25 से 30 लाख रुपए की हेराफेरी बताई जा रही है। पाटील ने यह भी आरोप लगाया है कि पूर्व विधायक खुद कारखाने के डिफाल्टर रह चुके हैं, उनके कार्यकाल में कई अनियमितताएं हुईं और आज वे डेलीगेट भी नहीं हैं, फिर भी पीछे से पूरी व्यवस्था को कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं।

जनसुनवाई में सबसे अधिक शिकायतें कृषि, कानून व पेयजल संकट से जुड़ी

बुरहानपुर। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में जिलेभर से लोग अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। जनसुनवाई में सबसे अधिक शिकायतें कृषि, कानून व्यवस्था और पेयजल संकट से जुड़ी रहीं। जिला किसान कांग्रेस की ओर से मुकेश महाजन, कैलाश असेरकर सहित अन्य किसान पहुंचे। किसानों ने शिकायत करते हुए कहा कि जिले की सहकारी समितियों में फर्टिलाइजर उपलब्ध नहीं हो रही है। फर्टिलाइजर के खाते पलटने के दौरान किसानों को ई-पोर्टल के नाम पर परेशान किया जा रहा है। किसानों का आरोप है कि खाता जमा करने के बाद भी पुनरावृत्ति नहीं हो रही, जिससे किसानों को खाद नहीं मिल पा रही। किसान कांग्रेस के मुकेश बुनगाल ने शिकायत करते हुए कहा कि पिछले दो साल से जिले में, खासकर शाहपुर क्षेत्र में सट्टा खुलेआम चल रहा है। इसके कारण चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने प्रशासन से अवैध गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की।

एसआईआर की प्रगति की समीक्षा कर दिया आवश्यक दिशा-निर्देश

बड़वानी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती जयति सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागृह बड़वानी में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण २०२६ की कार्य प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। एसआईआर कार्य प्रगति की समीक्षा के दौरान उन्होंने ईआरओ एवं एईआरओ को मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने नो-मैपिंग वोटर्स की सुनवाई, लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी के निराकरण तथा दावे-आपत्तियों के निपटारे की स्थिति की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्य की गंभीरता अनुरूप कार्य पूर्ण किया जाए प्रत्येक मतदाता का सत्यापन पूरी गंभीरता से किया जाए, किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से वंचित न रहे और अपात्र प्रविष्टियों का नियमानुसार निराकरण किया जाए।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण से मिलेगा किशोर न्याय व्यवस्था को नया दृष्टिकोण

खंडवा। बाल अधिकारों की रक्षा और संरक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के संकल्प के साथ बाल कल्याण समिति जिला खंडवा के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा आज अपरान्ह सावित्री बाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, इंदौर पहुंचे। वे कल से प्रारंभ हो रहे किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत छत्तीसगढ़, गुजरात एवं मध्यप्रदेश राज्यों की बाल कल्याण समितियों के नवनियुक्त अध्यक्षों एवं सदस्यों के लिए आयोजित 13 दिवसीय आवासीय इंडक्शन प्रशिक्षण में सहभागिता करेंगे। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि यह प्रतिष्ठित प्रशिक्षण मिशन वात्सल्य के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बाल संरक्षण के क्षेत्र में नेतृत्व, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व को नई ऊर्जा देने का सशक्त मंच है। इसमें प्रतिभागियों को कानून, नीति, व्यवहारिक चुनौतियों और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों की गहन समझ प्रदान की जाएगी, ताकि समाज के सबसे कमजोर वर्ग–बच्चों–के जीवन में वास्तविक और सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सके। सावित्री बाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अधीन कार्यरत एक स्वायत्त एवं प्रतिष्ठित संस्थान है।

संयुक्त परीक्षा 2026–27 का आयोजन 8 फरवरी को होगा

बड़वानी। जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय एवं माडल स्कूल संयुक्त चयन प्रवेश परीक्षा सत्र 2026-27 का आयोजन दिनांक 8 फरवरी को किया जावेगा। उक्त परीक्षार्थी म.प्र. राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड की वेबसाईट के पोर्टल से स्वयं व ऑनलाईन कियोस्क पर जाकर अपना प्रवेश पत्र निकालकर निर्धारित समय पर परीक्षा केन्द्र पर सम्मिलित हो।

एसएस सी जीडी में चयनित युवाओं के परिजनों का सम्मान किया

खंडवा। विगत दिनों हुई एसएससी जीडी के फिजिकल के बाद अंतिम चयन में खंडवा जिले में निशुल्क फिजिकल तैयारी करवाने वाले जय हिंद डिफेंस ट्रेनिंग ग्रुप के 10 सोल्जर का चयन बीएसएफ, सीआरपीएफ, ष्ट्वह्यद्ब में हुआ। जिनके माता-पिता और चयनित युवाओं का सम्मान समारोह स्थानीय श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में रखा गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग संतोष शुक्ला द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

एस डी एम की मौजूदगी में सर्व समाज की बैठक सम्पन्न

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ मंडलेश्वर

सुलगांव में सोमवार को शवदाह को लेकर हुए विवाद और पथराव में शांति के प्रयास प्रशासन द्वारा किए जा रहे हैं। जिसके लिए मंगलवार शाम पुलिस थाना पर सर्व समाज की बैठक ली गई। एसडीएम पूर्वा मंडलोई, एसडीओपी श्वेता शुक्ला, तहसीलदार कैलाश ससत्या और थाना प्रभारी पंकज तिवारी की मौजूदगी में सुलगांव सरपंच प्रतिनिधि सुखलाल वर्मा, पाटीदार, दरबार, ब्राह्मण, मानकर, आदिवासी सहित अन्य समाज के लोगों के साथ बैठक हुई। जबकि दूसरे पक्ष के लोग बैठक से दूर रहे। एसडीएम मंडलोई ने बताया गांव में शांति है। लेकिन बैठक में सभी समाज के लोगों को बैठा कर विवाद की वजह को सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है। एसडीएम ने कहा कब्रिस्तान और शमशान घाट के स्थानों को लेकर विवाद है। फिलहाल शमशान घाट के लिए एक पक्ष ने भूमि की मांग की है। विवाद को क्रमबद्ध तरीके से दोनों पक्षों की सहमति से सुलझाया जाएगा। जबकि सुलगांव निवासी और बैठक में रहे मनोज पाटीदार ने बताया एसडीएम ने आश्वासन दिया है कि श्मशान घाट और कब्रिस्तान के लिए दूसरी जगह चिन्हित की जाएगी। तब तक के लिए विवादित जगह पर अंतिम संस्कार नहीं करने की अपील की है। वहीं दूसरे पक्ष के मुस्लिम समाज और कहार समाज ने बैठक से पूरी तरह दूरी बना कर रखी है। सोमवार शाम को भी प्रशासन ने सुलगांव में सर्व समाज की बैठक करने का प्रयास किया था। लेकिन बैठक से दूसरे पक्ष की अनुपस्थिति और अन्य कारणों से विफल रही।

थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुलगांव मामले में दोनों पक्षों के 19 लोगों को शांति भंग की धाराओं में मंगलवार को एसडीएम न्यायालय में पेश किया गया था। जहां से सभी आरोपियों को उपजैल मंडलेश्वर भेज दिया। मनोज पाटीदार ने बताया यह विवाद दो साल पुराना है। 2 साल पहले भी विवाद हो चुका था। जिसमें कब्रिस्तान की तार फेंसिंग को लेकर विवाद की स्थिति बनी थी। लेकिन तब प्रशासन ने इस मामले में कुछ नहीं किया और सिर्फ तार फेंसिंग नहीं करने पर मामला रफादफा कर दिया था। जबकि एसडीएम मंडलोई ने बताया कि दो साल पहले विवाद हुआ था लेकिन फिलहाल जिस बात को लेकर विवाद हुआ है, दो साल पहले विवाद का विषय यह नहीं होकर कुछ और था।

कृष्णपाल सिंह तोमर को स्कूल स्टाफ द्वारा भावभीनी विदाई दी

मंडलेश्वर। महात्मा गांधी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अर्द्धवार्षिकी आयु पूर्ण करने पर वरिष्ठ कृषि संकाय के व्याख्याता कृष्ण पाल सिंह तोमर को स्कूल स्टाफ द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। कृष्णपाल सिंह तोमर ने 31 वर्षों की सेवा काल में अपने शिक्षकीय दायित्वों का पूर्ण ईमानदारी एवं अनुशासन से निर्वहन किया। अपने सेवा काल में उनके द्वारा शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों को पूर्ण लगन से संपन्न कराया गया, जिसमें उनके द्वारा बच्चों को राष्ट्रीय स्तर तक के पुरस्कार प्राप्त करने में विशेष योगदान रहा। श्री तोमर ने कृषि संकाय में प्रतिवर्ष अपने विषय का शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम दिया। संस्था के प्राचार्य जे के सोनी ने श्री तोमर की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्री तोमर का अध्यापन कार्य काफी प्रभावी रहा एवं उनके द्वारा पढाये गये बच्चे आज उच्च पदों पर नियुक्त होकर अपनी सेवायें दे रहे है। कार्यक्रम का संचालन अजीत सिंह पवारएवं आभार अरविंद कुमार तिवारी ने माना। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक मनीष कुमार डोंगरे श्यामसुंदर डोंगरे नीतू रावल प्रियंका रंसोरे गोविंद वर्मा उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में कृषि विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ बड़वानी

शासन द्वारा किसानों को समय पर एवं पारदर्शितापूर्वक उर्वरक उपलब्ध हो इस हेतु नवीन उर्वरक वितरण प्रणाली अंतर्गत ई-विकास प्रणाली (ई-टोकन) लागू की गयी है। आगामी खरीफ सीजन में कृषकों को ई-विकास पोर्टल के माध्यम से ई-टोकन द्वारा उर्वरक वितरण किया जाना, जिसके अनुरूप कृषकों की फॉर्मर आईडी अनिवार्य रूप से बनाई जाए। ताकि किसी भी कृषक को खाद प्राप्त करने में असुविधा न हो।

उक्त निर्देश कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह बुधवार कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कृषि विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यो की विस्तृत समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक में जिले के शत-प्रतिशत किसानों की फार्मर आईडी बनाने के कार्य में गति लाने के निर्देश दिए, साथ ही स्पष्ट किया कि आगामी बैठक में लक्ष्य अनुरूप कार्य न करने पर संबंधित अधिकारी/कर्मचारी की जवाबदेहिता तय कर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

प्राकृतिक कृषि को जन-आंदोलन बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे किसानों को रसायनों का उपयोग कम करने और जैविक खाद अपनाने हेतु प्रेरित करें। आत्मा योजना के अंतर्गत ब्लॉक लेवल पर पदस्थ बीटीएम साथ समन्वय कर नियमित रूप से फील्ड पर जाय एवं कार्य योजना को धरातल पर उतारने के निर्देश दिए।पीएम कृषक सूर्य मित्र योजना के अंतर्गत किसानों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस योजना के तहत व्यापक प्रचार-प्रसार एव नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए। सोलर पंप के माध्यम से किसान न केवल सिंचाई की लागत कम कर सकेंगे, बल्कि ऊर्जा संरक्षण में भी योगदान देंगे। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री रवि वर्मा उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विभाग श्री केसी वास्कले, एसएलआर श्रीमती शीतल सोलंकी सहित कृषि विभाग का समस्त मैदानी अमला उपस्थित रहा।

जिलाबदर के आदेश का पालन न करने वाले को न्यायालय ने एक वर्ष का सश्रम कारावास

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ बुरहानपुर

बुरहानपुर। जिलाबदर के आदेश का पालन न करने वाले को न्यायालय ने एक वर्ष सश्रम कारावास एवं एक हजार का अर्थदण्ड दिया है। सहायक जिला अभियोजन अधिकारी रूपेश मुजाल्दे, सुश्री ज्योति मुजाल्दे और प्रिया सोनी द्वारा अभियोजित महत्वपूर्ण प्रकरण में माननीय न्यायालय ने आरोपी रमजान पिता मियां खान (आयु 40 वर्ष), निवासी देवीदास की खिड़की, बुरहानपुर को जिलाबदर आदेश का उल्लंघन करने पर दंडित किया।

सहायक जिला अभियोजन अधिकारी सुश्री ज्योति मुजाल्दे ने बताया कि आरक्षी केन्द्र गणपतिनाका बुरहानपुर में पदस्थ उपनिरीक्षक चेतराम निकुम को 20 दिसम्बर 24 को मुखबिर से सूचना मिली कि जिलाबदर अभियुक्त रमजान खां लोहारमंडी गेट के पास खड़ा है। मुखबिर की सूचना पर फोर्स के प्रधान आरक्षक जितेन्द्र राठौर, आरक्षक लक्की पटेल और पाँचों चूड़ामन व मोहम्मद शब्बीर को तलब कर मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंचे, जहां अभियुक्त रमजान खां दिखा। उसे घेराबंदी कर पकड़ा गया और पूछताछ में उसने अपना नाम रमजान खान बताया। अभियुक्त से उसके आने का कारण पूछने पर वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका और कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए। कलेक्टर, जिला बुरहानपुर ने धारा 14 म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अभियुक्त को जिला बुरहानपुर से लगे सीमावर्ती जिलों खण्डवा, खरगौन, हरदा, बड़वानी की सीमा से बाहर जाने का निष्कासन आदेश पारित किया था, जिसका अभियुक्त ने उल्लंघन किया। अभियुक्त के विरुद्ध अपराध धारा 14 म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम का पंजीबद्ध कर अनुसंधान पश्चात अभियोगपत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

पिस्टल के साथ लूट के आरोपी थाना नागलवाड़ी पुलिस की गिरफ्त में होगी

बडवानी। थाना नागलवाड़ी पुलिस द्वारा लूट प्रकरण में बड़ी सफलता, आरोपियों से नकदी व अवैध हथियार जप्त, चार आरोपी पुलिस रिमांड पर प्रभारी पुलिस अधीक्षक श्री धीरज बब्बर के निर्देशन में एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सेंधवा श्री अजय वाघमारे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नागलवाड़ी निरीक्षक माधव सिंह ठाकुर के नेतृत्व में थाना नागलवाड़ी पुलिस द्वारा दिनांक 20 जनवरी को थाना नागलवाड़ी क्षेत्र में घटित लूट की घटना का सफल खुलासा किया गया।

घटना के संबंध में थाना नागलवाड़ी पर अपराध भारतीय न्याय संहिता एवं बढ़ाई गई धारा 25-ए आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी असलम पिता फैजु सैयद उम्र 22 वर्ष निवासी ईदगाह मोहल्ला बड़वानी, मुकेश उर्फ गारदा पिता लालू डावर उम्र 19 वर्ष निवासी बंधान बड़वानी, अनिल पिता रूमसिंह डावर उम्र 28 वर्ष निवासी बंधान बड़वानी एवं निवोद पिता सरदार बड़ोले उम्र 26 वर्ष निवासी इन्द्रपुर राजपुर को पुलिस रिमांड पर लेकर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पूछताछ की गई।

पूछताछ के दौरान आरोपियों के कब्जे से घटना में लूटी गई राशि में से 71 हजार रुपये नकद एवं एक काले रंग का बैग बरामद किया गया तथा घटना में प्रयुक्त एक अवैध देशी पिस्टल जप्त की गई। घटना में प्रयुक्त दो-पहिया वाहन पूर्व से थाना राजपुर में जप्त है। प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों को आज दिनांक 4.2.2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री मोहन भागवत आज संस्था निमाड़ अभ्युदय के प्रवास पर पधारे

मंडलेश्वर। परम पूजनीय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री मोहन भागवत जी आज संस्था निमाड़ अभ्युदय के प्रवास पर पधारे। संस्था परिसर में आगमन पर सर्वप्रथम उन्होंने मंदिर में दर्शन किया। इसके उपरांत उन्होंने संस्था द्वारा संचालित विविध सामाजिक, शैक्षणिक एवं सेवा गतिविधियों का विस्तारपूर्वक अवलोकन किया। इस क्रम में परम पूजनीय मोहन भागवत जी ने संस्था द्वारा संचालित व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल टेक्नोलॉजी का भ्रमण किया। यहाँ उन्होंने ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु संचालित विभिन्न तकनीकी एवं कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी ली तथा इन प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के संस्थान ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अवलोकन पश्चात परम पूजनीय मोहन भागवत जी संस्था द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में सम्मिलित हुए, जिसका विषय च्च्मनुष्य निर्माण से राष्ट्र निर्माणज्ज रहा। अपने उद्बोधन में उन्होंने व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध पर प्रेरक विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि सशक्त राष्ट्र का निर्माण सुसंस्कृत, आत्मनिर्भर एवं मूल्यनिष्ठ नागरिकों से ही संभव है।इस गरिमामय अवसर पर माननीय सुमित्रा ताई महाजन, परम पूजनीय प्रतापे महाराज, भारती दीदी, मेवालाल जी पाटीदार, नितिन कर्मलकर, महेश दाबक, महेश जी शर्मा, प्रांत प्रचारक राजमोहन जी तथा सह प्रांत प्रचारक स्वप्निल कुलकर्णी जी विशेष रूप से उपस्थित रहे।संस्था मुख्य प्रकल्प समन्वयक श्री दिग्विजय सिंह चौहान ने जानकारी दी।

नेपानगर विधानसभा में केंद्रीय बजट को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन

नेपानगर। नेपानगर विधानसभा में केंद्रीय बजट को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विधायक सु श्री मंजू राजेंद्र दादू ने कार्यकताओं के साथ बजट के मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की। इस बजट में सरकार ने मैन्युफैक्चरिंग, एक्सपोर्ट और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए कई राहतें दी हैं, जबकि शेयर बाजार से जुड़े निवेश और कुछ गतिविधियों को महंगा किया है। सरकार का दावा है कि यह बजट विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

बजट के कुछ प्रमुख आकर्षण:

- इलेक्ट्रिक व्हीकल और ग्रीन एनर्जीः इलेक्ट्रिक व्हीकल, सोलर पैनल और ग्रीन एनर्जी उत्पादन से जुड़े उपकरणों पर ड्यूटी कम की गई है।

कैंसर के इलाजः कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 17 दवाओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी हटा दी गई है, जिससे ये दवाएं सस्ती हो जाएंगी। दुर्लभ बीमारियों के इलाजः 7 दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए विदेश से मंगवाई जाने वाली दवाओं पर भी ड्यूटी हटा दी गई है

ग्रीन जॉब्स एवं ई-वेस्ट प्रबंधन से जुड़े तीन नवीन जॉब रोल्स में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रारंभ

उज्जैन। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत युवाओं को उद्योग-उन्मुख एवं भविष्योन्मुखी कौशल प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पर्यावरण संरक्षण, ई-वेस्ट प्रबंधन तथा उभरती तकनीकों से संबंधित तीन नए जॉब रोल्स में प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। ये पाठ्यक्रम विशेष रूप से ग्रीन जॉब सेक्टर, ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग उद्योग तथा द्धशञ्ज आधारित सेवाओं में रोजगार के बढ़ते अवसरों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।नवीन जॉब रोल्स निम्नलिखित है:(स्क्रैप और ई-कचरे का अपसाइक्लिंग करने वाले कारीगर) स्क्रैप एवं ई-वेस्ट सामग्री को अपसाइक्लिंग कर उपयोगी उत्पाद बनाने का कौशल, जो पर्यावरण अनुकूल एवं सृजनात्मक रोजगार प्रदान करता है। (टेलिकोम ई-वेस्ट हेंडलर) दूरसंचार से संबंधित ई-वेस्ट (जैसे पुराने मोबाइल, टावर उपकरण आदि) के सुरक्षित संग्रहण, हैंडलिंग एवं प्रबंधन का प्रशिक्षण। (टेक्निकल सर्विस ऑपरेटर) इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित उपकरणों की तकनीकी सेवा, ऑपरेशन एवं रखरखाव से जुड़ा जॉब रोल, जो डिजिटल एवं स्मार्ट टेक्नोलॉजी क्षेत्र में मांग बढ़ा रहा है।प्रशिक्षण के प्रमुख लाभप्रशिक्षण के प्रमुख लाभ में पूर्णतः उद्योग-उन्मुख एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण,नवीनतम तकनीकी प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अनुभव एवं हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग,सरकारी मान्यता प्राप्त प्रमाण-पत्र (हस्क्तस्न स्तर अनुसार) ,रोजगार (प्लेसमेंट) एवं स्वरोजगार दोनों के उत्कृष्ट अवसर ,ग्रीन जॉब्स एवं टेक्निकल सेक्टर में उज्ज्वल करियर संभावनाएं ,प्रशिक्षण पूर्ण होने पर उद्योग भागीदारों से प्लेसमेंट सहायता शामिल है।

जिले में 21 मार्च तक लगाये जाएंगे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपलब्धियों के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर उज्जैन जिले में संकल्प से समाधान अभियान के अन्तर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 21 मार्च तक आयोजित किये जा रहे है। उक्त शिविर आयुष्मान भारत योजना अतर्गत अनुबंधित अशासकीय अस्पतालों के सहयोग से 'पूर्णिमा श्री सेवा संगठन द्वारा आयोजित किये जा रहे है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि उपरोक्त स्वास्थ्य शिविरों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सक / पैरामेडिकल स्टॉफ द्वारा निरन्तर सेवाए दी जा रही है व शिविर में आने वाले हितग्राहियों की हृदय जांच, आंखों की जांच, स्तन कैंसर जांच प्रदान की जाये।

बजट से आधारभूत सुविधाएं बढ़ेंगी, तो कार्यक्षमता में होगा इजाफा : सीए कामिनी मेहरवाल

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ उज्जैन।

बजट से आधारभूत सुविधाएं बढ़ेंगी, तो कार्यक्षमता में होगा इजाफा : सीए कामिनी मेहरवाल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में प्रयासरत है बजट : प्रो. निखिल जोशी वाणिज्य अध्ययनशाला में बजट परिचर्चा आयोजित उज्जैन। आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होने से कार्यक्षमता में वृद्धि होती है और इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यह बजट तैयार किया गया है। यह विचार सीए श्रीमती कामिनी मेहरवाल ने वाणिज्य अध्ययनशाला, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन में आयोजित बजट परिचर्चा के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि एमएसएमई और छोटे उद्योगों को मजबूत करने की दिशा में यह बजट एक बड़ा और सकारात्मक कदम है। शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अर्थशास्त्री विभागाध्यक्ष प्रोफेसर निखिल जोशी ने कहा कि आज का बजट विषम परिस्थितियों के कोहरे में टेकऑफ करने का प्रयास करता हुआ जहाज है। प्रस्तुत बजट भारत को आत्मनिर्भर बनाने और विकसित देशों की श्रेणी में लाने के लिए निरंतर प्रयासरत दिखाई देता है। इस अवसर पर सीए तरुण खंडेलवाल ने बजट को युवा शक्ति ड्रिवन बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं प्रस्तावना सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय की वाणिज्य अध्ययन शाला के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शैलेंद्र कुमार भारल ने रखी। डॉ भारल ने कहा कि, यह बजट दूरगामी सोच के साथ विकसित भारत की ओर अग्रसर है। उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों को विद्यार्थियों में बजट को पढ़ने और समझने के प्रति उत्साहवर्धन करने वाली गतिविधि बताया। इस अवसर पर विभाग की समस्त फैकल्टी सदस्य डॉ. नेहा माथुर, डॉ. कायनात तंवर, डॉ. अनुभा गुप्ता सहित बीबीए एवं बीकॉम के विद्यार्थियों ने परिचर्चा में सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन छात्र लोकेश कोठारी एवं पलक लोटे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन डॉ. आशीष मेहता ने किया।

9 फरवरी तक बगैर विलंब शुल्क जमा हो सकेंगे पीजीडीसीए के परीक्षा फॉर्म

उज्जैन। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय ने पीजीडीसीए सहित कुछ पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा फॉर्म जमा करने की तारीखें घोषित की हैं। विवि ने पीजीडीसीएसए प्रथम सेमेस्टर के नियमित विद्यार्थियों के अलावा महाविद्यालयों में संचालित पीजीडीसीए एवं पीजी डिप्लोमा इन कॅरियर गाइडियंस एंड काउंसलिंग के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए एमपी ऑनलाइन से परीक्षा फॉर्म जमा करने की तारीखें घोषित की हैं। विद्यार्थी 9 फरवरी तक बगैर विलंब शुल्क के परीक्षा फॉर्म जमा कर सकेंगे। 100 रुपए के विलंब शुल्क के साथ 10 से 12 फरवरी तक और 750 रुपए के विलंब शुल्क के साथ 13 से 16 फरवरी तक परीक्षा फॉर्म जमा हो सकेंगे। दो हजार रुपए के विशेष विलंब शुल्क के साथ विद्यार्थी 17 फरवरी से परीक्षा के एक दिन पहले तक परीक्षा फॉर्म जमा कर सकेंगे।

सुख की खोज और धर्म

सुख की कामना मिटती नहीं। कोई व्यक्ति सुख-दुख की सीमाओं से परे कैसे जा सकता है? सुख की इच्छा प्रत्येक प्राणी की स्वाभाविक प्रवृत्ति है। संसार में ऐसा कोई जीव नहीं है, जो सुख चाहता न हो और दुख से बचना न चाहता हो। कीट-पतंगों से लेकर मनुष्य तक, सभी शांति और सुख की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहते हैं। इन सभी प्राणियों में मनुष्य सबसे अधिक विकसित और बुद्धिमान है।

मनुष्य और पशु के बीच मूलभूत अंतर उनके सुख की अवधारणा में निहित है। पशुओं का सुख मुख्यतः शरीर-केंद्रित होता है। यदि उन्हें पर्याप्त भोजन मिल जाए और सोने के लिए सुरक्षित स्थान हो, तो वे संतुष्ट रहते हैं। बहुत कम पशु मानसिक शांति या जीवन के गहरे अर्थ को लेकर चिंतित होते हैं। इसके विपरीत मनुष्य एक विवेकशील प्राणी है। वह जानता है कि भौतिक सुख सीमित हैं और वे स्थायी आनंद नहीं दे सकते। जब से मानव जीवन अस्तित्व में आया है, मनुष्य शाश्वत सुख की खोज में लगा हुआ है। अनुभव ने उसे सिखाया है कि अच्छा भोजन, सुंदर वस्त्र, आरामदायक घर या भौतिक संपत्ति- इनमें से कोई भी स्थायी सुख नहीं दे सकता। जैसे, रसगुल्ला खाने पर क्षणिक आनंद मिलता है, पर निगलते ही उसका स्वाद समाप्त हो जाता है। उसी तरह सुख क्षणिक है, वस्तु सीमित है, इसलिए उससे मिलने वाला आनंद भी सीमित ही होगा। यहां स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि स्थायी सुख का स्रोत क्या है? उत्तर सरल है- जो स्वयं असीम है, वही असीम और शाश्वत आनंद दे सकता है। सीमित वस्तु अनंत सुख कैसे दे सकती है? सांसारिक ज्ञान सीमित है। चाहे संसार में कितनी ही पुस्तकें क्यों न हों, उनमें संचित ज्ञान की सीमा तय है। इसके विपरीत ब्रह्म विद्या या सहज ज्ञान असीम है। शास्त्रों में इसको ही आध्यात्मिक विज्ञान कहा गया है। जब तक मनुष्य उस अनंत सत्ता की ओर नहीं बढ़ता, तब तक वह स्थायी सुख प्राप्त नहीं कर सकता।

सम्पादकीय

कितना लाभ ले पाएगा

भारत और अमेरिका के बीच 2 फरवरी, 2026 को हुए प्रारंभिक व्यापार समझौते की घोषणा दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों में एक अहम बदलाव दिखाती है। भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किए जाने से यह समझौता हमारे निर्यातकों पर तात्कालिक दबाव कम करता है, साथ ही लेन-देन के उस तर्क को भी रेखांकित करता है, जो दूसरे देशों के साथ अमेरिका की आर्थिक नीतियों को नियंत्रित कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद घोषित व्यवस्था, टैरिफ में मिली राहत को रूस से तेल आयात को धीरे-धीरे कम करने और ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि व कोयला आदि क्षेत्रों में अमेरिका से अधिक खरीद के वादे से जोड़ती है। भारतीय अधिकारियों ने हालांकि इस समझौते को ऐतिहासिक व मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देने वाला बताया है, लेकिन यह करार एक साल की कठिन बातचीत के बाद सामने आया है। इसमें लगे वक्त से अलग-अलग प्राथमिकताओं वाली दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की गहरी चुनौतियां भी स्पष्ट होती हैं। वैश्विक व्यापार की अनिश्चितताओं के बीच यह एक तरफ व्यावहारिक भू-राजनीतिक पैंतरेबाजी को उजागर करता है, तो दूसरी ओर ऊर्जा सुरक्षा के मामले में हमारी कमजोरियों और अमेरिका की टैरिफ कूटनीति की सीमाओं को भी रेखांकित करता है।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार-वार्ता भारतीय टैरिफ सिस्टम, खासकर खेती व बौद्धिक संपदा से जुड़ी इसकी बड़ी बाधाओं को लेकर अमेरिकी शिकायतों की पृष्ठभूमि में हुई।

राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत को टैरिफ किंग बताया, जिसका नतीजा यह हुआ कि धीरे-धीरे दोनों तरफ टैरिफ बढ़े। अगस्त 2025 में यह 50 फीसदी शुल्क के रूप में सामने आया। रूस से रियायती दर पर तेल आयात के विरुद्ध जो अतिरिक्त शुल्क अमेरिका ने लगाया, वह भारत की ऊर्जा चिंताओं के प्रति अमेरिकी रुख में एक बड़ा बदलाव था। भारतीय निर्यातकों, खासकर वस्त्र, रसायन व दवा क्षेत्र के कारोबारियों पर काफी ज्यादा असर पड़ा। नतीजतन, अमेरिका के साथ नई दिल्ली का ट्रेड सरप्लस तेजी से कम हो गया। अप्रैल 2025 में जो ट्रेड सरप्लस 3.17 बिलियन डॉलर था, वह घटकर नवंबर तक 1.73 बिलियन डॉलर रह गया। भारत के लिए, चुनौती कई तरह की थी : सस्ती ऊर्जा आपूर्ति को बनाए रखना और मॉस्को से अलग होने के अमेरिकी दबाव से निपटना। गौर कीजिए, 2025 में भारत के कुल तेल आयात में रूस का हिस्सा 40 प्रतिशत से ज्यादा था।

आम बजटः- 2026

ग्रामीण समृद्धि की रीढ़ बनेगा पशुधन

ग्राम और ग्रामीण की समृद्धि की रीढ़ अब केवल खेती-किसानी तक सीमित नहीं रह गई है, इस आम बजट में सरकार ने पशुधन से पशुपालकों और दुग्धउत्पादकों की आय बढ़ाने के ठोस उपाय किए दिए हैं।इससे रोजगार बढने के साथ दैनिक और मासिक आमदनी में स्थिरता आएगी।खेती पर बढ़ते संकट कम होंगे।पशुधन, मुर्गी व मत्स्य पालन ग्रामीणों की आजीविका के भरोसे के सहारा बनेंगे।यह पशुधन स्वस्थ्य बना रहे, इस लक्ष्यपूर्ति के लिए 20 हजार से अधिक पशु चिकित्सकों की उपलब्धता भी तय की गई है।ताकि गांव में ही त्वरित इलाज की सुविधा मिले।फिलहाल देश में पशु-चिकित्सकों की बहुत कमी है,इस कारण उत्पादन प्रभावित हो रहा है।इस कमी को दूर करने के लिए डेढ़ लाख पशु देखभाल प्रशिक्षित सेवकों की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी।इस उपाय से दुधारू पशुओं की असमय मृत्यु में कमी आएगी।यदि पालतू पशुओं को आरक्षित वनों में चरने की छूट दे दी जाती है तो सड़क दुर्घटनाओं में पशुओं के मरने में तो कमी आएगी ही,पौष्टिक चारा मिलने से दूध भी पौष्टिक होगा।

प्रमोद भार्गव (दैनिक अवन्तिका)

पशुधन की महिमा इस तथ्य से जानी जा सकती है कि खेती से होने वाली कुल आय में करीब 16 प्रतिशत की भागीदारी पशुपालन और उनसे उत्पादित आहार से है।इस आय में लगातार पिछले ग्यारह साल से 12.77 प्रतिशत की वार्षिक दर से वृद्धि हो रही है।यानी खेती जहां लघु व मध्यम किसानों के लिए घाटे का सौदा बनी हुई है, वहीं पशुपालन ग्रामीणों को भरोसे की आय का साधन बन गया है।भारत दूध उत्पादन में दुनिया में पहले सोपान पर है। विश्व के कुल दूध उत्पादन में भारत 25 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। बीते 10 साल में देश में दूध का उत्पादन लगभग 57 प्रतिशत बढ़ा है। नतीजतन प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 2024-25 में 485 ग्राम प्रतिदिन हो गई है। 9 वर्ष पहले यह उपलब्ता महज 300 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिदिन थी। कुछ साल पहले दुग्ध उत्पादों के आयात की संभावना जताई जाने लगी थी। किंतु अब पशु संवर्धन के लिए किए गए प्रयास रंग दिखाने लगे हैं। बीते एक दशक में दूध के उत्पादन एवं उत्पादकता में आजादी के बाद से सर्वाधिक वृद्धि हुई है। दूध की उपलब्धता बढ़ी तो भारतीयों के खान-पान की आदत में दूध और उसके उत्पादों का सेवन व खपत भी बढ़ गई। अब प्रत्येक भारतीय दुनिया में औसत खपत में से 65 ग्राम अधिक दूध पीने लगा है। दूध की वैश्विक औसत खपत फिलहाल लगभ 328 ग्राम प्रति व्यक्ति है।मुर्गी एवं मत्स्य पालन के साथ जलीय कृषि को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।इसीलिए अमेरिका जैसे देश भारत के दूध बाजार को हड़पना चाहते हैं।भारत ने अमेरिका के लिए निर्मित वस्तुओं को बाजार नहीं खोले तो अनर्गल टैरिफ लगा दिए।

पशुधन का संरक्षण इसलिए जरुरी है, क्योंकि ग्रामों में दूध नियमित नकद आय का पुख्ता आधार बना हुआ है।ग्रामीण रोजगार और अर्थव्यवस्था में इसकी बड़ी भागीदारी है। देश में 2019 में हुई 20 वीं पशुधन गणना के अनुसार करीब 14 करोड़ गाएं और 11 करोड़ भैंसें हैं।याक,ऊंट,भेड़ और बकरी भी दुधारू पशुओं में गिने जाते हैं।हालांकि अभी तक हमारा राष्ट्रीय आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो महज 20 फीसदी पशुओं का ही आनुवंशिक वर्गीकरण कर पाया है। इससे पता चलता है कि हम अपने पशुधन के प्रति कितने लापरवाह हैं। जबकि घरेलू नस्ल के दुधारू जानवरों को स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों में पलने-बढ़ने व वंश वृद्धि में ज्यादा मजबूत और जुझारु पाया जाता है। ये पशु जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बर्दाश्त करने में भी ज्यादा समर्थ होते हैं।भारत दूध उत्पादन में दुनिया का अग्रणी देश है।फिर भी दूध की आपूर्ति सिंथेटिक दूध बनाकर और पानी मिलाकर की जा रही है। यूरिया से भी दूध बनाया जा रहा है। दूध की बढ़ती मांग के कारण दूध का कारोबार गांव-गांव फैल गया है।

जैविक तकनीक के क्षेत्र में भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार इस क्षेत्र में देश में पहली बार ई-3 (इकोनोमी एनवायरमेंट, एमप्लायमेंट) नीति कुछ समय पहले जारी की हुई है। इसके तहत दूध, खाद्यान्न, पर्यावरण सहित आम जनजीवन के सामने खड़ी होने वाली प्रत्येक चुनौती से निपटने की तैयारी है। इस क्षेत्र में फिलहाल जनता को सबसे बड़ा लाभ जैविक दूध के रूप में मिलने वाला है। पशुधन के बिना मिलने वाला यह जैविक दूध, दूध की कमी पूरा करने के साथ पौष्टिक भी होगा। यह नई औद्योगिक क्रांति, जैव तकनीक और बायो मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में होगी। आईटी क्रांति की तरह जैविक दूध और खाद्य सामग्री अभी भले ही लोगों को एक चौंकाने वाली बात लग रही हो, लेकिन भविष्य की जरूरतें इसी से पूरी होंगी। यह दूध केवल जैविक उत्पादों से तैयार होगा। इसमें रसायन का प्रयोग कतई नहीं होगा।

अब तक बिना किसी सरकारी मदद के दूध का कारोबार फलता-फूलता रहा है। दूध का 70 फीसद कारोबार असंगठित ढांचा संभाल रहा है। इस व्यापार में लगे ज्यादातर लोग अशिक्षित हैं। लेकिन पारंपरिक ज्ञान से न केवल वे दुग्ध उत्पादन में दक्ष हैं, बल्कि दूध के सह-उत्पाद बनाने में भी कुशल हैं। दूध का 30 फीसदी कारोबार संगठित क्षेत्र, मसलन दूध डेयरियों के माध्यम से होता है। देश में दूध के उत्पादन से 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की भी अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। देश में कुल कृषि खाद्य व दूध से जुड़ी प्रसंस्करण संस्थाएं केवल दो प्रतिशत हैं। बावजूद वे अशिक्षित किंतु पारंपरिक ज्ञान से कुशल ग्रामीण स्त्री-पुरुष ही हैं, जो दूध का देशी उपायों से प्रसंस्करण करके दही, घी, मक्खन, पनीर आदि बना रहे हैं। इस कारोबार की विलक्षण खूबी यह भी है कि इससे सात करोड़ से ज्यादा लोगों की आजीविका चलती है। एक अनुमान क अनुसार भविष्य में जलवायु परिवर्तन और उच्च तापमान के चलते, सालाना दूध उत्पादन में 32 लाख टन की कमी आ सकती है। इस दूध का मूल्य 5,000 करोड़ रुपए के बराबर होगा। इसलिए जरुरी है कि दुधारू पशुओं की सभी प्रजातियों की नस्लों का संरक्षण व संवर्धन किया जाए।इस दृष्टि से 20 हजार पशु चिकित्सक, डेढ़ लाख दक्ष पशु सेवा प्रदाताओं के प्रबंध के साथ, 84 पशु चिकित्सा महाविद्यालय खोलने का प्रावधान इस बजट में किया गया है।

दो-एक्कम-दो, दो-दूनी-चार

कहानी उस रहस्यमयी वस्तु से शुरू होती है, जिसका आकार किसी आतंकी संगठन के गुप्त दस्तावेज से छोटा, मगर प्रभाव हिरोशिमा के धमाके से ज्यादा था। वह कोई बम नहीं था, मगर उसे देखते ही सत्तर प्रतिशत बच्चों का हाजमा खराब हो जाता था। वह एक ऐसी 'पहाड़े' की किताब थी जिसके लिए कभी 'गाइड' नहीं बनी, क्योंकि मौत के लिए कोई मैनुअल नहीं आता। जैसे ही एक अबोध बालक अंकों की दुनिया का वीजा लेकर पहली से दूसरी कक्षा के इमिग्रेशन काउंटर पर पहुँचता, उसके झोले में वह अदृश्य डायन चुपके से डाल दी जाती। वह वजन में महज दस पन्नों की थी, पर उसकी हस्ती सामाजिक विज्ञान और भारी-भरकम विज्ञान की किताबों को वैसे ही बौना कर देती थी जैसे किसी बाहुबली के सामने एक छोटा सा 'डेथ वारंट'। सवाल यह था कि इसे बनाया किसने? किसने उस स्याही में बच्चों के आँसू मिलाए थे? घर में नई किताबों का शोर मचता, तो माँ-बाप सब खरीद लाते, पर उस 'महाग्रंथ' के नाम पर वही पुरानी, कोनों से मुड़ी हुई, बड़े भाई की थूक से सनी और शल्यावस्था में पहुँची लाश थमा दी जाती। तर्क यह दिया जाता कि गणित के नियम तो शाश्वत हैं, वे किसी फैशन की तरह नहीं बदलते। कहते– ₹काई रे छोरा, ई पुरानी पोथी ने देखर रोवै क्यूं है? अक्कल चराबा गई है काई? बापू की है, फेर थारे भाई की हुई, अब थारी है! ज्ञान कदे ई जुणो कोनी होवै, और गणित तो वै ई रैवैली जो म्हारै टेम ही!₹ यह कहकर वह दस पैसे वाली तबाही आपके सुपुर्द कर दी जाती और यहीं से उस सस्पेंस की नींव पड़ती कि क्या आप तीसरी कक्षा का सूरज देख पाएंगे या इस 'दो-दूनी-चार' के चक्कर में ही शहीद हो जाएंगे? उस फटी हुई किताब की गंध आज भी नाकों में वैसी ही है जैसे किसी पुराने गुनाह की याद।

उस किताब का असली आतंक तब शुरू होता जब 'एक का पहाड़ा' (जो सबको मुफ़्त के ज्ञान की तरह आता था) खत्म होकर 'दो के पहाड़े' की दहलीज पर दम तोड़ता। मास्टर साहब एक ऐसी विशेष रागिनी में शुरू करते जो न तो हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में थी, न ही कर्नाटक संगीत में। वह 'टेबल्स' का नहीं, 'टैबल्स' का मातम था। दो-एकम-दो, दो-दूनी-चार... की वो लय ऐसी थी कि अगर आप उसे किसी संगीत सभा में गा दें तो गायक आत्मदाह कर ले।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 05 फरवरी 2027 गुरूवार
सूर्योदय - 07:10 सूर्यास्त 18:12
फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 13:30 से 15:00 तक
तिथि - चतुर्थी 24:22 उपरांत पंचमी
नक्षत्र - उत्तराफाल्गुनी 22:57 उपरांत हस्त
योग - सुकर्मा 24:04 उपरांत धृति
करण - बव
चन्द्रमा - दिन पूर्ण कन्या में रहेगा
मुस्लिम मास - सावान मास 16 तारिख

मेष- रोजगार में वृद्धि होगी। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। बड़ा लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। नम्रता बनाए रखें।

वृषभ- प्रमाद से बचें। दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। खर्चों में कमी करना होगी।

मिथुन- पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क- दिन प्रतिकूल रह सकता है। सामाजिक स्तर में परिवर्तन एवं प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहेंगे। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

सिंह- रुके कार्य पूर्ण होंगे। मेहनत सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

कन्या- नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा। बड़े लोगों से भेंट होगी, जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा। लाभ होगा। रिश्वत न लें।

तुला- नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी।

वृश्चिक- अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए। श्रम अधिक करना होगा। व्यापार सामान्य चलेगा।

धनु- आपके कार्यों की समाज एवं परिवार में आलोचना हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मकर- योजना फलीभूत होगी। घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी। कार्यसिद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

कुंभ- आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं। यात्रा में सावधानी रखें।

मीन- जल्दबाजी एवं लापरवाही से कार्य करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएँ।

-पं. पुरुषोत्तम शिवनारायण शर्मा (भरदीवाले) 9926034545

समसामयिक

दूरगामी सोच वाला बजट

भारत सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने लगातार नौवीं बार और भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में पहली बार रविवार, एक फरवरी को देश का बजट प्रस्तुत कर यह स्पष्ट कर दिया है कि केंद्र सरकार की प्राथमिकता तात्कालिक लोकलुभावन घोषणाओं से अधिक दीर्घकालीन राष्ट्र निर्माण है। आजादी की 80वीं वर्षगांठ से पहले भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में यह बजट एक ठोस संकेत देता है। इस बजट की सबसे महत्वपूर्ण और मानवीय घोषणा कैंसर व दुर्लभ बीमारियों में प्रयुक्त जीवनरक्षक दवाओं पर आयात शुल्क समाप्त करना रही, जिससे लाखों मरीजों को सीधी राहत मिलेगी। जबकि विपक्ष हमेशा सरकार पर आम आदमी की उपेक्षा का आरोप लगाता रहा है, यह निर्णय उस आरोप को कमजोर करता है। सरकार ने यह भी साफ किया है कि भारत को केवल इलाज का केंद्र ही नहीं, बल्कि विश्वसनीय मेडिकल टूरिज्म हब बनाने की रणनीति पर काम किया जा रहा है।

अरविन्द रावल (दैनिक अवन्तिका)

भारत की चिकित्सा सेवाएं पहले से ही दुनिया के कई विकसित देशों की तुलना में सस्ती और प्रभावी हैं। इसी क्षमता को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से बजट में तीन नए एम्स और पाँच मेडिकल हब स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। इससे न केवल स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ेंगी, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार भी सृजित होंगे जिस पर विपक्ष अक्सर सरकार को घेरता रहा है । महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत की बात करते हुए सरकार ने देशभर के जिलों में बालिकाओं के लिए गर्ल्स हॉस्टल निर्माण का निर्णय लिया है। यह फैसला उन आलोचकों के लिए जवाब है जो सरकार को केवल चुनावी राजनीति तक सीमित बताते हैं। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उठाए गए कदम इस बजट की एक और मजबूत कड़ी हैं। यह सही है कि इस बजट में बड़े उद्योगपतियों या वेतनभोगी वर्ग के लिए कोई आकर्षक घोषणा नहीं की गई, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि सरकार ने चिकित्सा, शिक्षा, सुरक्षा और कृषि को तकनीक से जोड़कर देश की नींव मजबूत करने का प्रयास किया है। ऐसे बजट का प्रभाव तुरंत नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों में दिखाई देगा । स्वाभाविक है कि विपक्ष और कुछ वर्गों को यह बजट पहली नजर में निराशाजनक लग सकता है, क्योंकि यह ह्यतुरंत लाभह्न देने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी टीम अप्रत्यक्ष, लेकिन दूरदर्शी निर्णयों के लिए जानी जाती है। यही कारण है कि यह बजट समझने वालों को विकसित भारत की दिशा में मजबूत कदम लगेगा, जबकि समझ से परे रहने वालों के लिए यह महज आंकड़ों का पुलिंदा बनकर रह जाएगा।

शीर्षक - बजट 2026

संसद भवन में कर बजट 2026 की गरिमामय प्रस्तुति,
आ. सीतारमण जी ने बताई आगामी विकास की युक्ति,
विकसित हो भारत सक्षम हो भारत पर दिया गया जोर,
पर 2026 का बजट जनता की नजरों में रहा कमजोर ।
सभी राज्यों की अपेक्षाएं और उम्मीदें थी थोड़ी ज्यादा,
किंतु बजट आया विकास को वेग देता हुआ कुछ सादा,
वित्त मंत्री की बजट घोषणा से विपक्ष भी हुआ मायूस,
सरकार ने एक-एक कर खून पसीना सब लिया है चूस ।
बजट ने समग्र भारत के विकास की ओर दौड़ाई नजरें,
आई कुछ मन को भी संतोष देने वाली आनंद खबरें,
सैन्य शक्ति को किया गया और भी अधिक बलशाली,
देश होगा और भी अधिक आत्मनिर्भर बढ़ेंगी खुशहाली ।

मोनिका डागा (दैनिक अवन्तिका)

मासिक धर्म और सैनिटरी पैडः स्कूलों में गरिमा की परीक्षा

सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्कूलों में छात्राओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने और मासिक धर्म स्वच्छता को अनिवार्य करने संबंधी निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय समाज की उस सामूहिक सोच को आईना दिखाते हैं, जिसमें आज भी मासिक धर्म को संकोच, चुप्पी और उपेक्षा के साथ देखा जाता है। यह फैसला स्पष्ट करता है कि मासिक धर्म महज स्वास्थ्य या स्वच्छता का मुद्दा नहीं, बल्कि गरिमा, समानता और शिक्षा के अधिकार से जुड़ा एक गंभीर संवैधानिक प्रश्न है।

प्रियंका सौरभ (दैनिक अवन्तिका)

भारत जैसे देश में, जहाँ संविधान समानता और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार सुनिश्चित करता है, वहाँ लाखों छात्राओं का मासिक धर्म के दौरान असुरक्षित और अपमानजनक परिस्थितियों में पढ़ाई करने को मजबूर होना व्यवस्था की गहरी विफलता को उजागर करता है। अदालत का यह हस्तक्षेप इसी विफलता को दूर करने की दिशा में एक आवश्यक कदम है। यह याद दिलाता है कि अधिकार केवल कागजों में दर्ज घोषणाएँ नहीं होते, बल्कि उनका वास्तविक अर्थ तभी है, जब वे जमीनी हकीकत में दिखाई दें।

मासिक धर्म को लंबे समय तक केवल एक जैविक प्रक्रिया मानकर नजरअंदाज किया जाता रहा है। परिणामस्वरूप यह विषय स्वास्थ्य मंत्रालय या स्कूल प्रबंधन की सीमित जिम्मेदारी बनकर रह गया। सच्चाई यह है कि मासिक धर्म सामाजिक, शैक्षिक और मानसिक स्तर पर गहरे प्रभाव डालता है। स्वच्छता सुविधाओं और सही जानकारी के अभाव में छात्राओं को न केवल संक्रमण और बीमारियों का खतरा रहता है, बल्कि शर्म और भय के कारण वे नियमित रूप से स्कूल आने से भी कतराने लगती हैं। कई मामलों में यह स्थिति स्थायी स्कूल ड्रॉपआउट का कारण बन जाती है।

अनेक अध्ययन यह दर्शाते हैं कि मासिक धर्म के दौरान उचित प्रबंधन की कमी के कारण बड़ी संख्या में किशोरियाँ हर महीने कई दिनों तक स्कूल नहीं जातीं। यह अनुपस्थिति धीरे-धीरे सीखने की प्रक्रिया को कमजोर करती है और अंततः शिक्षा से पूरी तरह कट जाने का जोखिम बढ़ा देती है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में ह्लसबके लिए शिक्षाह्व के लक्ष्य के प्रति ईमानदार हैं, या यह केवल नीतिगत दस्तावेजों तक सीमित नारा बनकर रह गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में इस तथ्य को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है कि मासिक धर्म स्वच्छता की अनदेखी सीधे तौर पर शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। जब स्कूलों में अलग और स्वच्छ शौचालय, साफ पानी, साबुन और सैनिटरी पैड जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध नहीं होतीं, तो छात्राओं के लिए नियमित रूप से विद्यालय जाना व्यावहारिक रूप से कठिन हो जाता है। यह स्थिति लैंगिक असमानता को और गहरा करती है, क्योंकि जहाँ लड़कों की शिक्षा बिना किसी जैविक बाधा के चलती रहती है, वहीं लड़कियों को एक प्राकृतिक प्रक्रिया के कारण पीछे धकेल दिया जाता है।

यह असमानता संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 की भावना के विरुद्ध है, जो समानता और भेदभाव-रहित समाज की अवधारणा को आधार प्रदान करते हैं। केवल अवसर की समानता पर्याप्त नहीं होती, जब तक उस अवसर तक पहुँचने के साधन भी समान न हों। मासिक धर्म स्वच्छता की अनदेखी करके हम अनजाने में ही लड़कियों को उस बराबरी से वंचित कर देते हैं, जिसका वादा संविधान करता है।

धर्म-आस्था

सुंदरकांड का एक दोहा और सनातन विज्ञान की अद्भुत उड़ान

सुंदरकांड का पाठ करते समय कई बार भाव प्रवाह में शब्द बह जाते हैं, लेकिन कभी-कभी कोई दोहा मन को वहीं रोक लेता है। ऐसा ही एक क्षण तब आया जब लंका दहन के प्रसंग में तुलसीदास जी का यह दोहा सामने आया– हरि प्रेरित तेहि अवसर चले मरुत उनचास। अट्टहास करि गर्जा कपि बढ़ि लाग अकास। पहली दृष्टि में यह केवल हनुमान जी की विराटता और प्रभु की प्रेरणा का चित्रण लगता है, पर मरुत उनचास शब्द मन में प्रश्न छोड़ जाता है। ये उनचास पवन कौन से हैं? तुलसीदास जी ने इनका विस्तार से उल्लेख नहीं किया, मानो वे पाठक की जिज्ञासा को स्वयं जागृत करना चाहते हों।

अजयकुमार बियाणी (दैनिक अवन्तिका)

सुंदरकांड पूर्ण होने के बाद जब इस एक शब्द पर मन टिक गया और खोज शुरू हुई, तब जो तथ्य सामने आए, वे केवल धार्मिक नहीं बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी विस्मयकारी लगे। सनातन परंपरा में वायु को केवल हवा नहीं माना गया, बल्कि उसे एक सजीव, संरचित और बहुस्तरीय शक्ति के रूप में समझा गया है। आम धारणा यही है कि वायु एक ही होती है–कभी ठंडी, कभी गर्म, कभी मंद, कभी प्रचंड। लेकिन वेद-पुराण इससे कहीं आगे की बात कहते हैं।

वेदों में वायु की सात प्रमुख शाखाओं का विस्तृत वर्णन मिलता है, जिनका कार्यक्षेत्र पृथ्वी से लेकर ब्रह्मांडीय मंडलों तक फैला हुआ है। पृथ्वी और मेघमंडल के बीच प्रवह वायु कार्य करती है, जो बादलों को संचालित करती है और वर्षा की प्रक्रिया को संभव बनाती है। सूर्यमंडल में आवह वायु, चंद्रलोक में उद्वह, नक्षत्र मंडल में संवह, ग्रह मंडल में विवह, सप्तर्षि मंडल में परिवह और ध्रुव से संबद्ध परावह–ये सभी वायु केवल कल्पना नहीं, बल्कि एक सुव्यवस्थित ब्रह्मांडीय व्यवस्था का संकेत देती हैं।

यहीं से मरुत उनचास का रहस्य खुलता है। इन सात प्रमुख वायु शाखाओं के सात-सात गण बताए गए हैं, जो ब्रह्मलोक, इंद्रलोक, अंतरिक्ष और भूलोक की चारों दिशाओं में विचरण करते हैं। इस प्रकार सात गुणा सात–कुल उनचास मरुत। यही वे उनचास पवन हैं, जिनका उल्लेख तुलसीदास जी ने केवल दो शब्दों में कर दिया, लेकिन जिनके पीछे विशाल वैदिक ज्ञान छिपा है।

यह जानकर आश्चर्य होता है कि जिस ज्ञान को आज आधुनिक विज्ञान धीरे-धीरे समझने का प्रयास कर रहा है, उसकी झलक हमारे धर्मग्रंथों में सदियों पहले मौजूद है। तुलसीदास जी जैसे संत कवि केवल भक्ति के रचनाकार नहीं थे, वे उस परंपरा के वाहक थे, जहाँ अध्यात्म और विज्ञान एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक थे। रामायण, गीता या वेदों को हम अक्सर श्रद्धा से पढ़ते हैं, लेकिन यदि थोड़ा रुककर, प्रश्न पूछकर और मनन करके पढ़ा जाए, तो हर श्लोक और हर दोहा नए अर्थ खोल देता है। सुंदरकांड का यह एक दोहा हमें यही सिखाता है कि सनातन धर्म केवल आस्था नहीं, गहन अध्ययन और विवेक की परंपरा भी है। शायद यही कारण है कि जितना गहराई में उतरिए, उतना ही गर्व और विस्मय दोनों बढ़ते जाते हैं।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 5950 से 6000 डंकी चना 5200 से 5500 विशाल 5775 से 5800 मसूर 5700 से 5750 महाराष्ट्र सफेद 7900 से 8100 महाराष्ट्र लाल 8200 से $400 कर्नाटक नई 8700 से 9100 निमाड़ी नई तुअर 7000 से 8200 मूंग बेस्ट गर्मी 7500 से 7800 मूंग बेस्ट बोल्ड 8100 से 8200 एवरेज 6500 से 6700 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 8000 से 8500 एवरेज 6500 से 7200 हल्का उड़द 3000 से 5000 काबुली डॉलर 8000 से 8500 काबुली रशियन 5500 से 5700 बिटकी 5000 से 5200 सरसों (मीडियम) 7800 से 8100 निमाड़ी 8200 से 8300 रायडा 5800 से 6100 सोयाबीन 4600 से 4800 अलसी 7800 से 8000 तिल्ली 7000 से 8500 टोली गेहूं मिल क्वालिटि 2650 से 2700 लोकवन 2850 से 2900 पूर्णा 2800 से 2850 मालवराज 2725 से 2750 मक्का 1700 से 1730 चना दाल 7100 से 7200 मीडियम 7300 से 7400 बेस्ट 7600 से 7800 तुअर दाल 9200 से 9400 मीडियम 10400 से 10600 बेस्ट 11700 से 11800 एक्स्ट्रा बेस्ट 12600 से 12700 ब्रांडेड 13800 मूंग दाल 9350 से 9450 बेस्ट 9850 से 10150 मूंग मोगर 9850 से 10050 बेस्ट 10150 से 10250 उड़द दाल 10100 से 10300 बेस्ट 10600 से 10800 उड़द मोगर 11100 से 11300 बेस्ट 11400 से 11700 मसूर दाल 7500 से 7600 बेस्ट 7700 से 7800 रुपए प्रति क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1180-2900 चना काबली- 4751-6880, चना बड़ा- 5244-6880, बटला- 4640, उड़द- 6690, धनिया- 8551, सोयाबीन- 1403-6150, मैथीदाना- 4720, असली- 6100, मावा- 280 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्डर्ड- 1,62,500, रवा- 1,62,000 चांदी- टंच- 2,84,000 पाट- 2,83,000।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130,तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

होटल एवं अन्य संस्थानों में बाल श्रम पर प्रभावी नियंत्रण हेतु कार्यवाही करें- कलेक्टर

आगर मालवा। जिले में होटल एवं अन्य संस्थानों में बाल श्रम पर प्रभावी नियंत्रण हेतु निरंतर कार्रवाई की जाए तथा बाल श्रमिक पाए जाने पर संबंधित नियोजकों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव ने सोमवार को जिले की बाल श्रम टास्क फोर्स की बैठक में दिए। कलेक्टर सभाकक्ष में आयेजित बैठक में अपर कलेक्टर आरपी वर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश देहलवार, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास राजीव गुप्ता, जिला रोजगार अधिकारी संजीव पाटील सहित टास्क फोर्स के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सहायक श्रम पदाधिकारी बी.एल. राठौर द्वारा बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बाल श्रम उन्मूलन हेतु किए जा रहे प्रयासों, कानूनी प्रावधानों एवं सतत जागरूकता अभियानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बाल श्रम रोकथाम के लिए गठित जिला स्तरीय दल द्वारा निरंतर भ्रमण किए जाने से बाल श्रम के नियोजन पर प्रभावी अंकुश लगा है। बैठक में बाल श्रम उन्मूलन में पेंसिल पोर्टल की महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए इसके अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया गया।

गऊ, गंगा और नारी के संरक्षण का संकल्प

एनएसयूआई ने स्कूलों में शुरू किया विशेष जागरूकता अभियान

शाजापुर। नई पीढ़ी को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति की जड़ों से जोड़ने के उद्देश्य से शाजापुर जिले में एक सार्थक पहल की शुरूआत हुई। राष्ट्र निर्माण में छात्रों की भूमिका को अहम मानते हुए, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने गाय बचेगी, संस्कृति बचेगी, जीवन बचेगा के संदेश के साथ जिले में एक व्यापक जन-जागरण अभियान छेड़ा। दो दिवसीय छात्र जागरूकता अभियान का विधिवत शुभारंभ बेरछा स्थित शासकीय स्कूल परिसर से सोमवार को किया गया। कार्यक्रम के दौरान एनएसयूआई कार्यकताओं ने भारतीय संस्कृति के तीन प्रमुख आधार स्तंभों गऊ (गाय), गंगा (पवित्र नदी) और नारी (महिला शक्ति) के महत्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि, गाय केवल एक पशु नहीं बल्कि हमारी संस्कृति की परिचायक है, गंगा केवल नदी नहीं बल्कि हमारी आस्था का प्रवाह है, और नारी का सम्मान ही सभ्य समाज की पहचान है। कार्यकताओं ने छात्रों को समझाया कि इन प्रतीकों का संरक्षण और सम्मान किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे न केवल इन मूल्यों को अपने व्यक्तिगत जीवन में उतारें, बल्कि अपने परिवार और आसपास के समाज में भी इसके प्रति जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

अस्पताल में डॉक्टरों की तत्परता से बची युवक की जान

गले में फंसी चिकन की हड्डी का सफल ऑपरेशन, मरीज स्वस्थ

शाजापुर। समय पर इलाज और डॉक्टरों की कुशलता से एक युवक की गंभीर समस्या का सफल समाधान जिला चिकित्सालय शाजापुर में किया गया। कांजा, शाजापुर निवासी कन्हैयालाल पिता दशरथ (उम्र 24 वर्ष) को सोमवार सुबह करीब 11 बजे जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां उसके गले में चिकन की हड्डी फंसी हुई थी। जानकारी के अनुसार, युवक के गले में बीती रात चिकन खाते समय हड्डी फंस गई थी, जिससे उसे सांस लेने और निगलने में काफी तकलीफ हो रही थी। लगातार परेशानी बढ़ने पर परिजन उसे जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर तेजपाल सिंह जादौन एवं उनकी मेडिकल टीम ने तुरंत उपचार शुरू किया और सफल ऑपरेशन कर गले में फंसी चिकन की हड्डी को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला। ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत अब पूरी तरह सामान्य बताई जा रही है। परिजनों ने डॉक्टरों और अस्पताल स्टाफ की तत्परता व संवेदनशीलता की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

विधायक भीमावद की दोहरी सौगात

146 छात्रों को मिलीं साइकिलें, जल्द शुरू होगा स्कूल के नए भवन का काम

शाजापुर। जिले के मोहन बड़ोदिया में शिक्षा की राह अब और आसान होगी। सोमवार का दिन शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय के छात्रों के लिए दोहरी खुशी लेकर आया, क्योंकि एक तरफ जहां विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने के लिए निःशुल्क साइकिलें मिलीं, वहीं दूसरी तरफ स्कूल को नए भवन की बड़ी सौगात मिली। वार्षिक उत्सव के मंच से मुख्य अतिथि और क्षेत्रीय विधायक अरुण भीमावद ने स्कूल के विकास को लेकर कई अहम घोषणाएं कीं। विद्यालय परिसर में आयोजित भव्य समारोह के दौरान कक्षा 9वीं में अध्ययनरत कुल 146 पात्र छात्र-छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। विधायक के हाथों अपनी नई साइकिल पाकर छात्रों के चेहरे खिल उठे। इस योजना का उद्देश्य दूर-दराज से आने वाले छात्रों की राह को सुगम बनाना है, ताकि उनकी पढ़ाई में कोई बाधा न आए। साइकिल वितरण के साथ ही विद्यालय का वार्षिक उत्सव भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दौरान खेलकूद, सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। राज्य, संभाग और जिला स्तर पर स्कूल का नाम रोशन करने वाले होनहारों को अतिथियों ने शील्ड और प्रमाण पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अरुण भीमावद ने स्कूल प्रबंधन और छात्रों को एक बड़ी खुशखबरी दी। उन्होंने मंच से घोषणा की कि विद्यालय के नए भवन निर्माण को शासन से स्वीकृति मिल गई है और इसका निर्माण कार्य अति शीघ्र शुरू कर दिया जाएगा। साथ ही स्कूल परिसर को व्यवस्थित और सुंदर बनाने के लिए पेवर ब्लॉक लगाए जाएंगे। छात्रों को पीने के पानी की दिक्कत न हो, इसके लिए स्कूल में नया ट्यूबवेल खनन करवाया जाएगा। विधायक ने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को सुधारने और संसाधनों की कमी को दूर करने के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं।

साहब की चोरी पकड़ाई तो गरीब मजदूरों को फंसा दिया

विद्युत कंपनी व पुलिस की मिलीभगत से 6 निर्दोषों पर एफआईआर

साक्ष्य होने का दावा, मामला कीमती शासकीय सामान बेचने का

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

शहर में विद्युत कंपनी और पुलिस विभाग के अधिकारियों की कथित मिलीभगत का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि शासकीय विद्युत सामग्री की अवैध बिक्री उजागर होने के बाद मामले से ध्यान हटाने के उद्देश्य से छह निर्दोष लोगों पर चोरी का प्रकरण दर्ज कर दिया गया। यह पूरा मामला शुजालपुर सिटी मंडी रोड स्थित 132 केवी विद्युत ग्रिड से जुड़ा हुआ है।

आरोपों के अनुसार ग्रिड पर पदस्थ सहायक अभियंता एई विजय ओझा ने बिना वरिष्ठ कार्यालय की अनुमति के ग्रिड परिसर में रखी लाखों रुपए मूल्य की शासकीय विद्युत सामग्री को कबाड़ के रूप में बेचने की बातचीत की। सामग्री देखने के बाद कबाड़ी से सौदा तय हुआ और तौल प्रक्रिया के बाद 1 लाख 22 हजार 500 रुपए की राशि एई को दी गई।

जब यह मामला मीडिया के संज्ञान में आया तो एई ने पुलिस से कथित रूप से मिलीभगत कर कबाड़ी, मजदूरों और वाहन चालक को चोरी का आरोपी बनवा दिया। पुलिस ने भी सम्पूर्ण जांच किए बना एक तरफा एफआईआर दर्ज कर दी। पीड़ितों का कहना है कि उन्होंने जो भी कार्य किया वह सब विभागीय अधिकारियों के सामने और उनके आदेश पर किया गया। इस संबंध में सोमवार को जांच करने के लिए संभागीय अधिकारी विद्युत कंपनी योगेश कुमार माथूर शुजालपुर आए, जिनसे चर्चा का प्रयास किया तो उन्होने फोन नहीं उठाया। इसी प्रकार एई विजय ओझा ने भी चर्चा नहीं की।

यह है पूरा घटनाक्रम

29 जनवरी की शाम शहर के एक कबाड़ी को 132 केवी ग्रिड परिसर में बुलाकर वहां रखी तांबे की रॉड, कॉइल रिले, एल्यूमिनियम, लोहा, बैटरी सहित अन्य विद्युत उपकरण दिखाए गए। इसके बाद कीमत तय की गई। 30 जनवरी को कबाड़ी मजदूरों और किराए के वाहन के साथ ग्रिड परिसर पहुंचा। करीब दो घंटे तक स्क्रैप की तौल प्रक्रिया चली। वजन के बाद सामग्री वाहन में लोड कर दोपहर 1.10 बजे परिसर से बाहर ले जाई गई। इस दौरान विभागीय रजिस्टर में वाहन और व्यक्तियों की आवक-जावक दर्ज की गई, जिसमें सामग्री एई के आदेश से ले जाने का उल्लेख भी है। वाहन कबाड़ी के घर पहुंचा, जहां स्क्रैप उतारने की प्रक्रिया चल रही थी। इसी दौरान पुलिस वहां पहुंची और सामग्री को शासकीय बताते हुए वाहन सहित थाने ले आई। 30 जनवरी को इस संबंध में विद्युत कंपनी के अधिकारियों को कोई सूचना नहीं दी गई। 31 जनवरी को मीडिया द्वारा पूछताछ के बाद पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज किया।

इन लोगों पर दर्ज हुआ प्रकरण

सिटी थाना शुजालपुर में कार्यपालन अभियंता अरुण कुमार कनोजिया की सूचना पर कैलाश बागरी, जावेद खान, शकिल खान, आरिफ खान, इस्माइल खान एवं आमिर के विरुद्ध चोरी का प्रकरण दर्ज किया गया। एफ आईआर में उल्लेख किया गया कि सामग्री 132 केवी उपकेंद्र से 220 केवी उपकेंद्र भेजी जानी थी, लेकिन वाहन चालक और अन्य लोग उसे वहां न ले जाकर कबाडी के घर ले गए। जबकि पीड़ितों का कहना है कि सामग्री विभागीय अधिकारी द्वारा बेची गई थी।

होटल में हुआ लेन-देन

आरोप है कि कबाड़ी से ली गई 1 लाख 22 हजार 500 रुपए की राशि 30 जनवरी को अकोदिया रोड स्थित मामा कैफे में ली गई। एई विजय ओझा दोपहर करीब 1.40 बजे बाइक से शकिल के साथ होटल पहुंचे और अंदर यह लेन-देन हुआ। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ, जो कि इस प्रतिनिधि के पास भी उपलब्ध है।

इनका कहना है

शुजालपुर के 132 केवी उपकेंद्र की विद्युत सामग्री कबाड़ी के यहां से पुलिस द्वारा जब्त किए जाने की जानकारी मिली है। पूरे मामले की जांच कराई जा रही है। जो भी दोषी पाया जाएगाए उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एस बी सक्सेना चीफ इंजीनियर प्रेषण एवं संचार विद्युत कंपनी जबलपुर

यदि सिटी थाना क्षेत्र में दर्ज चोरी के प्रकरण में निर्दोष लोगों को फंसाया गया है तो इसकी जांच की जाएगी।

निमेष देशमुख एसडीओपी शुजालपुर

हमें झूठे मामले में फंसाया जा रहा

किराए का वाहन चलाने वाले कैलाश बागरी निवासी शीतलनगर शुजालपुर सिटी ने बताया कि 500 रुपए किराए में सामान ले जाने की बात तय हुई थी। उन्होंने अधिकारियों की मौजूदगी में ग्रिड से सामान उठाकर कबाड़ी के घर पहुंचाया। इसके बावजूद उन्हें चोरी के मामले में फंसा दिया गया। वाहन पिछले चार दिनों से थाने में खड़ा है और किराया भी नहीं मिला।

वहीं कबाड़ी जावेद और शकिल ने बताया कि एई ने स्वयं ग्रिड परिसर में बुलाकर खुलेआम शासकीय सामग्री बेचने की बात कही थी। सौदा तय होने के बाद राशि भी दी गई। अब जब मामला उजागर

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को हटाने पर भड़का जयस, 3 घंटे तक कलेक्ट्रेट में चला प्रदर्शन

चक्काजाम की चेतावनी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

शहर की सड़कों पर आदिवासी समाज के आक्रोश की गूंज सुनाई दी। मामला ग्राम खोरियाएमा में एक आदिवासी महिला को आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद से अचानक हटाए जाने का है, जिसके विरोध में जय आदिवासी युवा शक्ति संगठन (जयस) ने मोर्चा खोल दिया। कार्यकर्ताओं ने राजराजेश्वरी मंदिर से लेकर कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकाला और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जयस कार्यकर्ताओं ने सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि ग्राम खोरियाएमा की आंगनवाड़ी में आदिवासी समाज की चिंतामणी चौहान (भिलाला) पिछले तीन माह से कार्यरत थीं, लेकिन बिना किसी ठोस कारण या पूर्व सूचना के उन्हें पद से हटा दिया गया। इससे पूर्व समाजजनों ने 7 जनवरी 2026 को भी न्याय की गुहार लगाते हुए ज्ञापन सौंपा था, लेकिन प्रशासन ने उस पर कोई संज्ञान नहीं लिया।

रैली के कलेक्ट्रेट पहुंचने पर स्थिति उस वक्त तनावपूर्ण हो गई, जब कार्यकर्ता सीधे कलेक्टर को ही ज्ञापन सौंपने पर अड़ गए। दोपहर 1 बजे पहुंचे कार्यकताओं को मनाने के लिए एडीएम और एसडीएम आए, लेकिन उन्होंने ज्ञापन देने से इनकार कर दिया। करीब तीन घंटे तक चले इस गतिरोध के बाद आखिरकार एसडीएम मनीषा वास्कले को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन ने गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि चिंतामणी चौहान को हटाकर जिस नई महिला की नियुक्ति की गई है, उसका बीपीएल (गरीबी रेखा) कूपन फर्जी है। जयस का कहना है कि प्रशासन ने फर्जी दस्तावेजों की जांच किए बिना यह नियुक्ति की है, जो नियम विरुद्ध है।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

जयस ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि चिंतामणी चौहान को न्याय नहीं मिला और उनकी बहाली नहीं की गई, तो समाज चुप नहीं बैठेगा। जिला अध्यक्ष ने कहा कि दोषियों पर कार्रवाई न होने की स्थिति में संगठन चक्काजाम करेगा और महिला के सम्मान में उग्र जन आंदोलन छेड़ा जाएगा।

म.प्र.भारतीय मजदूर संघ द्वारा श्रमिक सम्मेलन का आयोजन

ब्यावरा। राजगढ़ जिले के ब्यावरा कृषि उपज मंडी प्रांगण में म.प्र.भारतीय मजदूर संघ का जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में मध्य प्रदेश शासन के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नारायणसिंह पंवार एवं विशेष अतिथि के रूप में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह सहित मंचासीन अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर मलयार्पणकर दीपप्रज्वलित किया, एकल गीत एवं अतिथि स्वागत के पश्चात मुख्यअतिथि श्री पवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज के हर क्षेत्र में भारतीय मजदूर संघ का प्रभाव है, देश में विभिन्न प्रकार के 29 कानून थे भारत सरकार ने श्रम सुधारो के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाया और सिर्फ चार कानून बनाकर भारतीय मजदूर संघ को दिए चार नए श्रम संहिता कानून देश में लागू किया वेतन संहिता, उद्योग संहिता, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा संहिता के माध्यम से श्रमिकों को न्यूनतम वेतनमान, समय पर वेतन भुगतान, सुरक्षा अधिकार आदि प्रदान किये आपने कहा कि श्रमिक राष्ट्र के निर्माण की आधारशिला होते हैं देश की अर्थव्यवस्था उद्योगों पर टिकी थी, भारत सरकार ने श्रमिक उत्पादन का साधन न रहे बल्कि अपने अधिकारों के साथ सुरक्षित जीवन जी सके भारत सरकार के इन कानूनों को राज्य सरकार ने लागू किया तथा भारत सरकार के कानून को मध्यप्रदेश सरकार ने विधानसभा में यथावत पारित कर दिया कार्यक्रम का संचालन संजय शेखर शर्मा ने किया।

परिजनों को मिलेंगे 24.68 लाख, शाजापुर न्यायालय का अहम फैसला

शाजापुर। सड़क दुर्घटना में देवास निवासी 20 वर्षीय युवक की असामयिक मृत्यु के मामले में शाजापुर न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है। पंचम सदस्य मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, शाजापुर ने मृतक के परिजनों को क्षतिपूर्ति के रूप में कुल 24 लाख 68 हजार 160 रुपये प्रदान करने का आदेश दिया है। अभिभाषक कमल कुमार पाटीदार एवं जावेद पठान बेरछा ने बताया कि घटना 13 जून 2024 की है। मृतक राज मोहम्मद 20 वर्ष, पिता सईद मंसूरी, निवासी परमानन्द कॉलोनी, मम्मन टोला, देवास, अपने नियोक्ता रफीक हुसैन जूता-चप्पल व्यवसायी के साथ माल लेकर ट्रांसपोर्ट के जरिए आयशर मिनी ट्रक में बैठकर देवास लौट रहा था। ट्रक जब शिवपुरी जिले के कोलारस थाना क्षेत्र में पूरनखेड़ी टोल के पास पहुंचा, तभी सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच चालक ने वाहन को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए आगे जा रहे एक अज्ञात वाहन में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आयशर मिनी ट्रक का बायां हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर पिचक गया। चूंकि राज मोहम्मद बाईं ओर कंडक्टर सीट पर बैठा था, वह बुरी तरह फंस गया। सिर और शरीर में गंभीर चोटें आने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इस दुर्घटना की रिपोर्ट थाना कोलारस, जिला शिवपुरी में पंजीबद्ध की गई थी। परिवार के एकमात्र सहारे की मृत्यु पर परिजनों द्वारा शाजापुर न्यायालय में दुर्घटना दावा प्रस्तुत किया गया था।

कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर रथ को किया रवाना

ब्यावरा। युवा विकास मंडल संस्था राजगढ़ द्वारा निर्भया कार्यक्रम अंतर्गत राजगढ़ जिले में महिलाओं बच्चों पर होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए राजगढ़ जिले के तीन गांवों में गरिमा केंद्र जिसमे रोजाना बैठक एवं 26 गांवों में बालिका पंचायत एवं बॉयस ग्रुप के साथ हर महीने मीटिंग करके लगातार हिंसा भेदभाव एवं जागरूकता के प्रयास किए जा रहे इसी कड़ी में जिले में होने वाले बाल विवाह एवं नातरा झगड़ा जैसी कुप्रथा को मिटाने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग व युवा विकास मंडल संस्था राजगढ़ के संयुक्त प्रयास से 15 दिनों तक जागरूकता रथ का संचालन जिले में किया जा रहा, जिसमे गांव गांव जाकर ग्रामीणों के साथ बाल विवाह एवं झगड़ा जैसी कुप्रथा पर समुदाय के साथ बैठक कर जागरूक करेंगे।

राजगढ़ जिले में जनगणना 2027

तैयारियों को लेकर 39 अधिकारियों को किया नियुक्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ राजगढ़-ब्यावरा।

राज्य शासन के गृह सामान्य विभाग के निर्देशों के तहत जनगणना अधिनियम 1948 के प्रावधानों के अनुसार जनगणना 2027 के सफल संचालन हेतु राजगढ़ जिले में प्रशासनिक ढांचा तैयार कर लिया गया। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ.गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशांनुसार जिले के विभिन्न स्तरों पर कुल 39 अधिकारियों को जनगणना अधिकारी एवं चार्ज जनगणना अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया।

कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ.मिश्रा ने डिप्टी कलेक्टर को जिला जनगणना अधिकारी, जबकि जिला योजना अधिकारी को अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी नियुक्त किया। इसके अलावा राजगढ़ जिले के सभी अनुभागों राजगढ़, ब्यावरा, नरसिंहगढ़, सारंगपुर एवं खिलचीपुर में संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को अनुभाग जनगणना अधिकारी का दायित्व सौंपा है। साथ ही तहसील स्तर पर भी जिम्मेदारियाँ तय की गई। जिनमें राजगढ़ जिले की सभी तहसीलों राजगढ़, ब्यावरा, सुठालिया, खुजनेर, नरसिंहगढ़, पचोर, सारंगपुर, खिलचीपुर, जीरापुर सहित अन्य तहसीलों के तहसीलदारों को चार्ज जनगणना अधिकारी नियुक्त किया है। इनके साथ-साथ अतिरिक्त, नायब तहसीलदारों को भी सहायक दायित्व सौंपे गए, जिससे नगरीय एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जनगणना कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके। नगर निकायों में भी नियुक्तियाँ की गई। जिनमें नगर परिषद एवं नगर पालिका स्तर पर राजगढ़, ब्यावरा, नरसिंहगढ़, सुठालिया, खुजनेर, बोड़ा, कुरावर, तलेन, पचोर, सारंगपुर, छापीहेड़ा, खिलचीपुर, माचलपुर एवं जीरापुर के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को चार्ज जनगणना अधिकारी बनाया गया। ये अधिकारी अपने-अपने नगरीय क्षेत्र में जनगणना कार्य के लिए पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। इन नियुक्तियों का उद्देश्य जनगणना-2027 को समयबद्ध, पारदर्शी एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराना है। सभी नियुक्त अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्राधिकार में जनगणना से संबंधित समस्त कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने भवन स्वामी भेरूलाल चौधरी पिता लालाजी चौधरी जाति गारी निवासी डायवर्शन रोड़ बड़नगर, जिला उज्जैन (म.प्र.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक मकान नगरपालिका गृह कमांक 2/1 एवं 2/1अ स्थित उत्सव घाट पथ बड़नगर, जिला उज्जैन जिसका कुल क्षेत्रफल 1280.21 वर्गफीट है एवं भवन स्वामी श्रीमती श्यामुबाई पति भेरूलालजी चौधरी जाति गारी, निवासी डायवर्शन रोड़ बड़नगर जिला उज्जैन (म.प्र.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक मकान जो कि कस्बा बड़नगर, जिला उज्जैन में सर्वे नं. 1407/1मी. रकबा 0.011 आरे में खारी बावड़ी बड़नगर, जिला उज्जैन पर उत्सव घाट पथ से 200 फिट की दूरी पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 1170 वर्गफिट है को कय करने का सौदा उपरोक्त दोनों भवन स्वामी से तय कर बयाना राशि प्रदान कर दी है तथा एक विक्रय अनुबंध पत्र उपरोक्त भवन स्वामी ने मेरे पक्षकार के पक्ष में सम्पादित किया है तथा शीघ्र ही अनुबंधित भवन का विक्रय पत्र मेरे पक्षकार के पक्ष में निष्पादित व पंजीकृत होना है यदि उक्त भवन के संबंध में किसी संस्था, बैंक, निकाय का ऋण, भार बकाया हो अथवा यह सम्पत्ति किसी के पक्ष में रहन हो अथवा किसी के पक्ष में कोई अनुबंध पत्र या इन दोनों भवन से संबंधित मुख्त्यारनामा आम या मुख्त्यारनामा खास हो अथवा इस सम्पत्ती में उपरोक्त भवन स्वामी के अतिरिक्त अन्य किसी भी व्यक्ति का कोई हित, स्वत्व, अधिकार हो या अन्य कोई आपत्ति हो तो जाहिर सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में लिखित रूप से मय दस्तावेजी प्रमाण के आपत्ती दर्ज करावे अवधि व्यतीत होने के पश्चात कोई आपत्ती मान्य नही होगी। सूचित हो। दिनांक 04/02/2026

सूर्य परमार, एडव्होकेट
39/20 मंगलम परिसर बड़नगर
जिला उज्जैन, मोबा. 9977060138

जाहिर सुचना

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार तके सिंह पिता रतन सिंह जाति कलोता निवासी भवरसला तहसील व जिला इंदौर के स्वामित्व एंव आधिपत्य की कृषि भुमि सर्वे नं. 166/2 रकबा 2.27 हे. भुमि ग्राम फतेहपुर तहसील बडनगर जिला उज्जैन में स्थित हैं। उपरोक्त भुमि मेरी पक्षकारा द्वारा पुर्व भुमि स्वामि मुंशीलाल जाति धाकड पिता राम सिंह जाति धाकड निवासी ग्राम बंगरेड तहसील बडनगर जिला उज्जैन से पंजीकत विक्रय पत्र के माध्यम से दिनांक 23/04/2007 को कय की होकर कय करने के पश्चात उपरोक्त भुमि पर कृषि कार्य कर फसल लाभ प्राप्त करती चले आ रहे हैं वर्तमान में भी उपरोकत भुमि पर गेहूं की फसल बो रखी हैं। वर्ष 2009-10 में पटवारी मोजा की त्रुटि के कारण उपरोक्त भुमि पर पुर्व भुमि स्वामी मुंशीलाल पिता राम सिंह का नाम दर्ज हो गया जिसके संबंध में मेरे पक्षकार द्वारा माननीय न्यायालय के समक्ष वाद प्रस्तुत कर दिया है। वर्ष 2024 में मुशीलाल की मृत्यु होने से उनके वेध वारिश सुमित्राबाई पति मुंशी लाल एंव शकुन्ताल, राकेश, राजेश, भगवती बाई पिता मुंशीलाल के नाम दर्ज होगा उपरोक्त भुमि सर्वे क. 166/2 पर त्रुटिवश में वर्तमान राजस्व रिकार्ड में सुमित्राबाई पति मुंशी एंव शकुन्तला बाई, राकेश, राजेश भगवती बाई पिता मुंशीलाल का नाम दर्ज होंने के कारण इन व्यक्तियो द्वारा मेरे पक्षकारा से अवैध लाभ अर्जित करने के उददेश्य से उपरोक्त भुमि को पुनः विक्रय करने के प्रयास में है। यदि भुमि सर्वे न. 166/2 रकबा 2.27 हैं. ग्राम फतेहपुर तहसील बडगनर जिला उज्जैन को यदि किसी भी व्यक्ति का अंश, भार, किसी वित्तीय संस्था का ऋण, किसी व्यक्ति द्वारा कय की जाती है। तो उसकी संपुर्ण जवाबदारी उसी व्यक्ति की रहेगी। दिनांक 04/02/2026

नीरज गिरी अभिभाषक
बडनगर जिला उज्जैन
मो. नं. 9770014138

न्यूज-कॉलम

फसल काटकर चोरी कर ले जाने हेतु दिया जन सुनवाई में शिकायत की

नीमच। स्थानीय निवासी फरियादी रणजीतसिंह पिता लालसिंह तोमर ने मंगलवार जनसुनवाई 3 फरवरी 2026 को कलेक्टर कार्यालय में उपस्थित होकर लेखी आवेदन प्रस्तुत किया। जिसमें बताया गया कि प्रार्थी की कृषि भूमि जो कि जावद तहसील के ग्राम आटा में सर्वे नम्बर 561/2 है जिस पर वह कृषि कार्य करता है लेकिन विगत दिनों आरोपी मितेश धाकड़ शिक्षक पिता हीरालाल धाकड़ द्वारा खड़ी फसल जिसमें सरसों व चिया को आरोपी काटकर चुराकर कर ले गया जिसकी जानकारी मेरे द्वारा नियुक्त किये गये मेरे पातीदार द्वारा मुझे अवगत कर बताया गया। और पूर्व में भी मितेश धाकड़ द्वारा मेरे खेत पर लगाये पेड़-पौधें काट कर चुरा ले गया था जिसकी भी रिपोर्ट भी मेरे द्वारा जावद थाने में व जनसुनवाई में की गई थी। परन्तु अभी तक उसके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होने की वजह से उसके हौंसले बुलन्द है आरोपी मितेश धाकड़ टीचर पिता हीरालाल धाकड़ के खिलाफ अतिशीघ्र उचित एवं ठोस कार्यवाही करने की मांग की गई।

श्री खाटू श्याम दरबार में सुप्रसिद्ध भजन गायकों ने दी मधुर भजनों की प्रस्तुति

नीमच। शहर क्षेत्र में श्री सांवलिया जी एवं खाटू श्याम के भक्तों द्वारा भजनों की अलख जागी हुई है ।शनिवार कोशहर के फोर - जीरो चौराहे पर श्री लखदातार परिवार, नीमच के द्वारा हारे के सहारे भगवान श्री खाटूनरेश का आलौकिक दरबार सजाया गया। खाटू श्याम नरेश की भक्तिक्मय भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस दरबार में बाबा की अखंड ज्योत भी प्रज्जवलित की गई, जिसे लेने भी भक्तों की लंबी कतार लगी। भगवान श्री खाटू नरेश को इस मौके पर छप्पन भोग का नैवेद्य भी अर्पित किया गया। यहाँ शनिवार रात्रि में भजन संध्या का आयोजन में भी बड़ी संख्या में श्रोता भक्त सम्मिलित हुए। भजन संध्या में देश के सुप्रसिद्ध भजन गायक रोहित शर्मा (जिम्मी) कोलकता व कनिका ग्रोवर (मनासा) ने खाटू नरेश के सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। भजन संध्या देर रात तक चली, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धाल घूमते नाचते रहे।

सेवानिवृत्त शिक्षक ने नदी में कूदकर आत्महत्या की

मंदसौर। स्थानीय शिवना नदी स्थित मुक्तिधाम के पास एक वृद्ध की लाश मिली। जिसकी पहचान सेवानिवृत्त शिक्षक दिलीप (64) पिता तुलसीराम पंवार निवासी सिद्धचक्र कॉलोनी मंदसौर के रूप में हुई। पुलिस ने नईआबादी थाने पर प्रकरण में मर्ग कायम किया है। प्राप्त जानकारी अनुसार यह हादसा मंगलवार की शाम का है। घटना की सूचना पुलिस को लगी की एक वृद्ध शिवना नदी में कूद गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर नदी से वृद्ध को बाहर निकाला उसे उपचार हेतु सिविल हॉस्पिटल मंदसौर ले जाया गया जहां मौजूद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान उसके परिजनों ने की है। बताया गया है कि दिलीप पंवार सेवानिवृत्त शिक्षक होकर कुछ समय से शारीरिक बीमारी से पीड़ित था। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया है।

राजस्व अधिकारियों की बैठक 12 को

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में 12 फरवरी को सभी राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक होगी।

NAME CHANGE

I, SHABBIR S/O FAKHRUDDIN KHEDIWALA HERE BY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO SHABBIR KHEDIWALA S/O FAKHRUDDIN KHEDIWALA HENCEFORTH, I SHALL BE KNOWN AS SHABBIR KHEDIWALA S/O FAKHRUDDIN KHEDIWALA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

ADDRESS: MAKAN NO.25/2, WARD NO.28, TAYYAB PURA MASJID KE PICHE BOHRA BAKHAL, MANDSAUR MADHYA PRADESH 458001.

सूचना

समाचार पत्र में समाचार प्रकाशन व विज्ञापन के लिए संपर्क करें

मोबा. 7771090777, 9977755777

रतलाम के पोलो ग्राउंड में होने वाले हर मैच की शुरूआत बालिकाओं से होगी : महापौर पटेल

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ रतलाम

शहर के पोलो ग्राउंड स्थित नेहरू स्टेडियम में 14 फरवरी तक आयोजित की जा रही रतलाम ट्रॉफी 2026 का शुभारंभ बालिकाओं के ईको-फ्रेंडली क्रिकेट मैच से हुआ। आयोजन अक्षय संघवी मित्र मंडल द्वारा किया जा रहा है।

कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके पश्चात 5 ओवर का बालिकाओं का इको-फ्रेंडली मैच खेला गया, जिसमें रतलाम की दो टीमों – कन्या शिक्षा परिसर बिबडोद एवं साईं श्री – के बीच मुकाबला हुआ। टॉस जीतकर कन्या शिक्षा परिसर ने पहले बल्लेबाजी की। चार ओवर के इस मैच में साईं श्री टीम ने विजय प्राप्त की।

इस बालिका मैच के मुख्य अतिथि भाजपा जिला महामंत्री जयवंत कोठारी, अनुज शर्मा रहे। मंच पर अशोक जैन 'लाला एवं अक्षय संघवी भी उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

ईको-फ्रेंडली मैच के पश्चात पहला पुरुष वर्ग का मैच मातोश्री एवं बीसी क्लब के बीच खेला गया। कार्यक्रम की शुरूआत हनुमान जी के चित्र पर माल्यार्पण कर तथा स्वर्गीय अश्विनी शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महापौर प्रहलाद पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, उद्योगपति सुशील अजमेरा, पूर्व डीएमओ अजय ठाकुर, संरक्षक अशोक जैन लाला, क्षेत्रीय पार्षद योगेश पापटवाल, जोस चाको एवं सुशील संघवी मंचासीन रहे। आयोजक संस्था द्वारा सभी अतिथियों का दुपट्टा एवं मोतियों की माला पहनाकर स्वागत किया गया।

स्वागत भाषण में अक्षय संघवी ने बताया कि स्वर्गीय अश्विनी शर्मा की स्मृति में बालिकाओं को प्राथमिकता देते हुए यह मैच आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि बालिकाएं खेल के प्रति जागरूक रहेंगी तो भविष्य में उनके लिए अलग से टूनामेंट भी आयोजित किए जाएंगे।

महापौर प्रहलाद पटेल ने अपने उद्बोधन में बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अगली बार उन्हें इसी ग्राउंड पर छक्के-चौके लगाने हैं, इसके लिए नियमित अभ्यास आवश्यक है। उन्होंने मंच से ही व्यायाम कर बच्चियों को प्रेरित किया। तथा जनता के आग्रह पर गाना भी सुनाया "जीत जाएंगे हम" महापौर श्री पटेल ने स्पष्ट घोषणा करते हुए कहा कि भविष्य में पोलो ग्राउंड पर होने वाले किसी भी टूनार्मेंट या मैच में सबसे पहले बालिकाओं को खेलने का अवसर दिया जाएगा, साथ ही मोटिवेट करने के लिए डिप्स लगाकर बताई और कहा कि जो बालिकाओं को ओपनिंग मैच में नहीं खिलाएगा उसे अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में ग्राउंड पर हरी घास विकसित की जाएगी और बैठने के लिए बड़ा पेमेलियन होगा ताकि खिलाड़ी सुरक्षित रूप से खेल सकें और खेल का आनंद ले सके।

भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय ने भी महापौर के विचारों का समर्थन करते हुए कहा कि जिस प्रकार कार्यक्रमों में कन्या पूजन किया जाता है, उसी प्रकार खेल भी एक पूजन है और इसकी शुरूआत बालिकाओं से होना चाहिए। खिलाड़ी कभी हारता नहीं, वापिस या तो वह जीतता है या सीखता है। कार्यक्रम का संचालन कवि चंचल ने किया एवं आभार अनुज शर्मा ने व्यक्त किया।

अस्पताल में कुष्ठ रोग जांच शिविर लगाया, सहायता सामग्री बांटी

जावरा ।शासकीय अस्पताल में राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत कुष्ठ विकृति सुरक्षा शिविर लगाया गया। उक्त शिविर मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संध्या बेलसरे के मार्गदर्शन में जिला कुष्ठ अधिकारी डॉक्टर वर्षा कुरील निर्देशन में हुआ। अध्यक्षता अस्पताल प्रभारी डॉक्टर दीपक पालडिया ने की । प्रभारी सुपरवाइजर शैलेंद्र कुमार दवे ने बताया कि इस शिविर में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों की कुष्ठ रोग की जांच की गई। कुष्ठ रोगों से रोकथाम ,बचाव की जानकारी आजाद पाटीदार, महेंद्र सेन,कुष्ठ प्रभारी द्वारा प्रदान की गई,। शिविर में दस मरीजों को प्लास्टिक के टब, पटिए,कूचे, एमसी आर चप्पल,सेंडिल, सेल्फ केयर कीट एवं दवाईयां वितरित की गई। ,कार्यक्रम में डॉ अरुण कुमार गुप्ता , फिजियोथेरेपिस्ट रतलाम डॉ प्रियंका हेराल्ड, फिजियोथेरेपिस्ट जावरा डॉ सोनाली पाटीदार, बसंती लाल मईडा बीईई, रघुनंदन पाटीदार बीपीएम, प्रदीप मीणा बीसीएम , दिनेश उपाध्याय,रामनिवास पाटीदार,आदि स्टॉफ मौजूद थे।

लायंस क्लब मन्दसौर को मिला इस सत्र का 34वां नेत्रदान

मंदसौर। श्रीमती आशादेवी पामेचा के देवलोकगमन के पश्चात उनके परिजनों ने लायंस क्लब मंदसौर के माध्यम से दिवंगत के नेत्रदान किये। लायंस क्लब मंदसौर के सेवा कार्यों की कड़ी में इस सत्र का यह ३४वां नेत्रदान दर्ज किया गया। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. किशोर शर्मा ने नेत्र उत्सर्जित किए। क्लब अध्यक्ष रत्नेश कुदार ने बताया कि पामेचा परिवार द्वारा किए गए इस दान से दो दृष्टिहीनों के जीवन में उजाला हो सकेगा। इस अवसर पर लायंस क्लब सचिव डॉ. विक्रांत भावसार, प्रोजेक्ट चेयरमैन सीए विकास भंडारी और राजेंद्र पामेचा ने दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की व शोक संतप्त परिवार को उनके इस प्रेरक निर्णय के लिए साधुवाद ज्ञापित किया।

उपमुख्यमंत्री ने खेतों में पहुंचकर देखा ओलावृष्टि का कहर; बोले- किसान धैर्य रखें, हर खेत का होगा सर्वे

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ मन्दसौर

मंदसौर जिले में हुई असामयिक वर्षा और ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है। इस प्राकृतिक आपदा के बीच प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा बुधवार को स्वयं प्रभावित खेतों में पहुंचे और फसलों के नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने किसानों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि सरकार इस संकट की घड़ी में पूरी संवेदनशीलता के साथ किसानों के साथ खड़ी है।

उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने जिले के ग्राम कितुखेड़ी, गोपालपुर, लोढ़ाखेड़ा, झारड़ा, अड़मालिया और किशनगढ़ का दौरा किया। उन्होंने खेतों में जाकर ओलावृष्टि से प्रभावित अफीम, गेहूं, चना, चिया और अलसी की फसलों की स्थिति देखी। किसानों से संवाद करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी किसान छूटने न पाए, इसके लिए अधिकारियों को हर खेत-हर सर्वे के निर्देश दिए गए हैं। जिले की प्रमुख फसल अफीम को हुए नुकसान पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नारकोटिक्स विभाग की टीमें भी मौके पर जाकर निरीक्षण कर रही हैं। अफीम नीति और नुकसान के संबंध में केंद्र सरकार से चर्चा कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे ताकि अफीम उत्पादक किसानों को राहत मिल सके।

श्री देवड़ा ने कहा कि प्रशासन और कृषि विभाग की टीमें सर्वे कार्य में जुट गई हैं। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि नुकसान का आकलन पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाए। साथ ही, उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि फसल बीमा का पूरा लाभ दिलवाया जाएगा और आपदा राहत नियमों के तहत मुआवजा प्रदान किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान जिला योजना समिति सदस्य राजेश दीक्षित, अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, मल्हारगढ़ एसडीएम सहित राजस्व और कृषि विभाग के आला अधिकारी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में किसानों ने अपनी व्यथा उप मुख्यमंत्री को सुनाई, जिस पर उन्होंने तत्काल कार्यवाही का भरोसा दिया।

आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए मंदसौर में जन जागरूकता रैली का आयोजन

मन्दसौर। जिले में शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के उद्देश्य से मजदूर कल्याण समिति एवं जिला स्वास्थ्य विभाग के द्वारा एक जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिला चिकित्सालय से प्रारंभ हुई इस रैली को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोविंद सिंह चौहान ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रैली जिला चिकित्सालय से शुरू होकर शहर के प्रमुख गांधी चौराहे सहित विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः जिला चिकित्सालय परिसर में संपन्न हुई। रैली के दौरान कार्यकताओं और स्वास्थ्य विभाग के अमले ने नारों और तख्तियों के माध्यम से आमजन को आयुष्मान योजना के लाभ बताए। विशेष रूप से 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों और सभी वर्गों के उन पात्र लोगों को जागरूक किया गया, जिनके कार्ड अभी तक नहीं बन पाए हैं। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. बी.एल. रावत, डॉ. आर.के. द्विवेदी, डॉ. एम.एल. कश्यप मजदूर कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष करण सिंह परिहार, प्रदेश उपाध्यक्ष गोवर्धन लाल हाडा, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पुष्पा चौहान, प्रदेश महामंत्री प्रकाश जोशी, चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक किशोर सेन देवड़ा, आदि उपस्थित रहे।

कार ने मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मारी,हादसे में दंपति पुत्री घायल

मन्दसौर। पिपलियामंडी स्थित मनासा रोड़ गायत्री स्टोन फेक्ट्री के सामने कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक दम्पत्ति व एक लड़की घायल हो गई। पुलिस ने इस प्रकरण में कार नं. एमपी 09 सीसी 7837 के अज्ञात चालक के विरूद्ध बीएनएस की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा 2 फरवरी की शाम का है। जिसकी रिपोर्ट पिपलियामंडी थाने पर फरियादी भारतसिंह (४७) निवासी बादपुरा थाना नारायणगढ़ ने की है कि घटना दिनांक को कार नं. एमपी 09 सीसी 7857 के चालक ने वाहन को तेज व लापरवाही पूर्वक चलाकर फरियादी की मोटरसाइकिल नं. एमपी 14 जेडडी 0313 को पीछे से टक्कर मार दी। फरियादी और उसकी पत्नी कारीबाई व लड़की कोमल को चोंटे आने से घायल हो गये।

विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में 62 लाख के विकास कार्यों की मिली स्वीकृति

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ जावरा

ग्रामीण विकास की प्राथमिकता को लक्ष्य में रखते हुए विधायक डॉ राजेन्द्र पांडेय निरन्तर रूप से प्रयास कर रहे है ।,जिसमे सफलता भी मिलती जा रही है ।क्षेत्र में पुलिया सहित विभिन्न कार्यो के लिए ६२ लाख रु की सौगात मिली है ।

उल्लेखनीय है कि विधानसभा क्षेत्र में विधायक डॉ पांडेय द्वारा सुनियोजित रूप से विकास कार्यो के प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृतियो के लिए कार्यवाही की जाती है ।जब तक स्वीकृतियां नही मिलती तब तक विधायक द्वारा प्रयास अनवरत जारी रहते है ।इसी क्रम में बीते दिनों विधानसभा क्षेत्र में लगभग दस करोड़ रु की लागत के कार्यो की स्वीकृतियां मिली ।जिसमे ग्रामीण क्षेत्र में पुलियां, पर्यटन स्थलों एवं ग्रामो में सामुदायिक भवन ,सांस्कृतिक शेड, विभिन्न स्कूलों में अतिरिक्त कक्ष, लेबोरेट्री सहित अन्य संसाधन सम्मिलित है। क्षेत्र में सौगातों का मिलने का क्रम निरन्तर जारी है।

विधायक डॉ पांडेय की अनुशंसा पर विधानसभा क्षेत्र में लगभग ६२ लाख रु की लागत से तीन महत्वपूर्ण कार्यो की स्वीकृति जारी हुई है ।जिसमे ग्राम मुंडला में मन्याखेड़ी मार्ग पर पिंगला नदी पर पुलिया निर्माण,ग्राम नन्दावता में पर्यटन स्थल पहाड़ी पर सामुदायिक भवन एवं ग्राम झालवा में मांगलिक भवन के पास सांस्कृतिक शेड निर्माण कार्य है।

उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व ही क्षेत्र में लगभग 9 करोड़ रुपये की लागत से ग्रामीण विकास व शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सौगातें मिली। स्वीकृतियो पर भाजपा पदाधिकारियो ने क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव,पंचायत व ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल व विधायक डॉ पांडेय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला पशु कल्याण व पशु क्रुरता निवारण समिति की बैठक सम्पन्न

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला पशु कल्याण समिति तथा जिला पशु क्रुरता निवारण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिह सिसोदिया, उप संचालक पशुपालन डॉ.राजेश पाटीदार एवं सीएमओ श्रीमती दुर्गा बामनिया एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। पशु कल्याण समिति की बैठक में जिला पशु चिकित्सालय पोली क्लिनिक नीमच में छोटे पशुओं के उपचार एवं शेड निर्माण के लिए 1.42 लाख रुपए, बडे पशुओं के लिए कास्टिंग यार्ड निर्माण के लिए 35 हजार रुपए, बडे पशुओं के लिए निर्मित शेड एवं फर्श सुदृढीकरण के लिए 15 हजार इस तरह कुल 1.92 लाख रुपए की राशि स्वीकृति का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही उप संचालक पशुपालन के प्रस्ताव पर पशु उपचार के कार्य में उपयोग आने वाले उपकरणों के लिए 3.30 लाख रुपए स्वीकृत करने का निर्णय भी लिया गया। बैठक में उप संचालक पशुपालन के प्रस्ताव पर बडे पशुओं की मायनर सर्जरी का शुल्क 20 से बढाकर 50 रुपए करने, पोस्टमार्डम शुल्क 150रुपए करने, छोटे पशुओं का बधियाकरण शुल्क 20 रुपए एवं बडे पशुओं का बधियाकरण शुल्क 30 रुपए करने का निर्णय भी लिया गया। पशु स्वास्थ्य परीक्षण का शुल्क 100 रुपए करने, प्लास्टर का शुल्क 50 से 100 रुपए करने का भी निर्णय लिया गया।

बोर्ड परीक्षा को लेकर धारा-163 लागू, लाउडस्पीकर पर रोक

अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्यवाही

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ मन्दसौर

माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल द्वारा आयोजित वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर जिला प्रशासन मुस्तैद हो गया है। परीक्षाओं की शुचिता, पारदर्शिता और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अदिती गर्ग ने जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश आगामी दो माह तक प्रभावी रहेगा।

हायर सेकण्डरी १० फरवरी से ०७ मार्च व हाईस्कूल परीक्षा १३ फरवरी से ०६ मार्च तक आयोजित होना है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के तहत परीक्षा के दौरान नकल, सामूहिक नकल या पेपर संबंधी किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी सोशल मीडिया पर फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध परीक्षा अधिनियम 1937 और अन्य सुसंगत धाराओं के तहत तत्काल पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। साथ ही परीक्षा केंद्रों से 100 मीटर की परिधि में परीक्षा शुरू होने के दो घंटे पहले से लेकर समाप्ति तक अनाधिकृत व्यक्तियों का घूमना, सामग्री वितरण या प्रचार-प्रसार प्रतिबंधित रहेगा। इस दायरे में हाथ ठेला, लारी या खोमचा लगाकर व्यवसाय करना भी अपराध माना जाएगा। संवेदनशील केंद्रों पर 5 या उससे अधिक व्यक्तियों के जमा होने पर भी रोक रहेगी। परीक्षा ड्यूटी में तैनात केन्द्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक या अन्य कर्मचारी केंद्र के भीतर मोबाइल फोन का उपयोग नहीं कर सकेंगे।

15 को पशुपतिनाथ मंदिर में होंगी लोक गायन एवं नृत्य नाटिका की प्रस्तुति

मन्दसौर। संस्कृति विभाग, म.प्र. शासन द्वारा मंदसौर के पशुपतिनाथ मंदिर परिसर स्थित आराधना हॉल में शिव-सत्य की कला अभिव्यक्तियों पर एकाग्र च्च्महादेव महोत्सवज्ज का आयोजन 15 फरवरी को सायं 6.30 बजे से किया जाएगा। समारोह में लोक गायन, शिव केंद्रित नृत्य नाटिका एवं भक्ति गायन की प्रस्तुतियाँ संयोजित की जाएंगी। यह आयोजन जिला प्रशासन, मंदसौर के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव में पहली प्रस्तुति इंदौर के मुकेश चौहान एवं साथी कलाकारों के लोक गायन की होगी। इसके पश्चात देवास के प्रफुल्ल सिंह गहलोत एवं साथी कलाकार शिव केंद्रित नृत्य नाटिका पेश करेंगे। अंतिम सभा में भोपाल के अखिलेश तिवारी एवं साथी कलाकार भगवान शिव पर केंद्रित भक्ति गायन की प्रस्तुति देंगे।

वर्ष 2026 के लिए स्थानीय अवकाश घोषित

रतलाम। मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग के निदेर्शानुसार अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव द्वारा ५ मार्च गुरुवार को भाईदूज (होलिका दहन के पश्चात), १९ अक्टूबर सोमवार को महानवमी एवं ११ नवंबर बुधवार को भाईदूज (दीपावली के पश्चात) पर्व पर सम्पूर्ण जिले में वर्ष २०२६ के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किए गए।

सांवरिया सेठ की कृपा से ही सत्संग का मार्ग मिलता है -देवेन्द्र शास्त्री

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ पिपलियामंडी

भगवान सांवरिया सेठ की इस मानव देह पर कृपा होती है, तभी यह देह सांसारिक सुखों का परित्याग कर प्रभु के दिव्य श्रीमद् भागवत कथा का आश्रय ग्रहण करती है। सांवरिया सेठ की कृपा के बिना यह मानव देह चाहकर भी सत्संग तक नहीं पहुंच सकती। सत्संग का प्राप्त होना केवल हरिकृपा से ही संभव है। जिस पर श्रीहरि की कृपा होती है, वही जीव सत्संग और भक्ति के मार्ग पर अग्रसर होता है।

उक्त विचार भागवताचार्य देवेन्द्र शास्त्री ने पिपलिया पत्रकार हितार्थ एवं सामाजिक कल्याण समिति द्वारा बरखेड़ापंथ स्थित गौशाला परिसर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सांवलिया सेठ मंदिर एवं गौमाता की भूमि पर भागवत कथा का आयोजन होना अत्यंत सौभाग्य की बात है। भागवताचार्य शास्त्री ने कहा कि प्रभु जिससे कार्य कराना चाहते हैं, उसे स्वयं प्रेरणा भी देते हैं और कार्य पूर्ण भी करवा लेते हैं। गौशाला में शेड निर्माण को लेकर सभी को भगवान से प्रेरणा मिल रही है, इसी कारण समाज के सभी वर्ग इसमें सहभागी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान न तो अपने भक्त की आयु देखते हैं, न कुल, न स्वभाव और न ही आचरण भगवान केवल भक्त के भाव देखते हैं। शुद्ध भाव और शुद्ध हृदय से जब भक्त अपनी सभी चिंताओं और सांसारिक कार्यों को त्यागकर प्रभु की साधना करता है, तो भगवान अवश्य उसकी पुकार सुनते हैं। एक कदम भक्त चलता है तो भगवान दस कदम आगे बढ़ते हैं। कपट, द्वेष, छल और मलिन मन से भगवान की प्राप्ति संभव नहीं है। तीसरे दिन कथा के दौरान ध्रुव चरित्र, अजामिल उपाख्यान एवं भक्त प्रह्लाद कथा का भावपूर्ण वर्णन किया गया। इस अवसर पर कलाकारों द्वारा वेश-भूषा धारण कर सजीव मंचन प्रस्तुत किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। कथा के दौरान गौशाला शेड निर्माण हेतु कई दानदाताओं ने आर्थिक सहयोग की घोषणा की। इस अवसर पर प्रेस क्लब संरक्षक मनोहर काबरा, अध्यक्ष जगदीश पंडित, सचिव जे.पी. तेलकार, वरिष्ठ सदस्य बाबूलाल नागर, प्रकाश बंसल, नरेंद्र राठौर, शंभू मेक, रवि पोरवाल, निखिल सोनी, ललित सोलंकी, शोभित बंसल, विजय गेहलोत, गौशाला समिति अध्यक्ष मोहनलाल तेलकार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु, पत्रकार एवं गौसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन यशराज व्यास एवं दिनेश कारपेंटर ने किया।

कार्यालय हुसैन टेकरी शरीफ वक्फ, जावरा, जिला रतलाम, (म.प्र.)

क./का.अ./होली/2026 जावरा, दिनाक: 05.02.2026

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, वक्फ हुसैन टेकरी शरीफ परिसर में होली पर्व 2026 का आयोजन दिनांक 03.03.2026 से प्रारम्भ होकर दिनांक 04.03.2026 तक सम्पन्न होना है, जिसमें लगभग 08 (आठ) हजार नग बॉस-बल्ली मय ट्रॉसपोर्टेशन के किराये पर ली जाना है। प्रकाश व्यवस्था कार्य, टेन्ट व्यवस्था कार्य, सी.सी.टी.वी. कैमरा व्यवस्था, जे.सी.बी.. पूर्व वर्ष अनुसार बेरिकेडिंग कार्य, अस्थाई सुविधा घर निर्माण कार्य, ध्वनि विस्तार यंत्र व्यवस्था आदि कार्य ठेके पर दिये जाने हेतु मोहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है, इच्छुक व्यक्ति अलग-अलग कार्य हेतु सील बंद निविदा दिनांक 13 फरवरी 2026 तक वक्फ की शर्तों के तेहत कार्यालय में प्रस्तुत करें। कार्य की विस्तृत जानकारी कार्यालय वक्फ हुसैन टेकरी शरीफ जावरा से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है। अस्पष्ट एवं खुली हुई निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी। निविदा स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार वक्फ प्रशासन का होगा, वक्फ प्रशासन का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

(कार्यपालन अधिकारी)
हुसैन टेकरी शरीफ वक्फ, जावरा

बिजली की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने किया नेशनल हाईवे 52 पर चक्काजाम दोनों तरफ लगी वाहनों की लंबी कतार

ब्यावरा। राजगढ़ जिले में ब्यावरा और राजगढ़ के बीच रेलवे लाइन के पास सैकड़ो ग्रामीणों ने ग्रिड ऑपरेटर की लापरवाही के चलते करीब आठ दस दिन से बिजली नहीं मिलने के कारण बाड़ियापुरा बानपुरा सहित आसपास के सैकड़ो ग्रामीणों ने बिजली से परेशान होकर नेशनल हाईवे 52 पर चक्काजाम कर दिया था, करीब 2 घण्टे तक सैकड़ो वाहन हाईवे के दोनों ओर फंसे रहे इस बीच ग्रामीणों ने इमरजेंसी वाहनों को रास्ता दिया, चक्काजाम के दौरान राजगढ़ के पूर्व विधायक बापूसिंह तंवर करनवास स्थित नाईखेड़ा जाते वक्त जाम में फंस गए और किसने की पीड़ा सुनकर ग्रामीणों के साथ धरना स्थल पर बैठ गए , जाम को देखते हुए पुलिस प्रशासन रोड क्लियर करवाने पहुंची मगर जब तक विद्युत विभाग के आला अधिकारी नहीं पहुंचे तब तक जाम नहीं खोला करीब एक घंटे बाद बिजली विभाग के डीई घटनास्थल पर पहुंचे के बाद ग्रामीणों ओर पूर्व विधायक से चर्चा करने के बाद जाम खुलवाया गया।

भा ज पा मंडल ने किया डाबी तथा शिंदे का सम्मान

महिदपुर रोड। भारतीय जनता पार्टी महिदपुर रोड़ मंडल द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाजपा मंडल महिदपुर अजजा मंडल अध्यक्ष बाबूलाल डाबी तथा महिदपुर रोड़ बूथ अध्यक्ष भास्कर शिंदे का पूर्व विधायक बहादुर सिंह चौहान जिला उपाध्यक्ष संदीप व्यास महिदपुर मंडल अध्यक्ष गुरु चरण सिंह चौहान मंडल उपाध्यक्ष राजेश कांठेड़, महामंत्री शंभू शर्मा आदि ने शाल श्रीफल से सम्मान किया इस दौरान उज्जैन दलित ओ बीसी माइनॉरिटी एवं आदिवासी संगठनो का परिसंघ परिसंघ के प्रदेश महा सचिव जे के मालवीय द्वारा भारत की संविधान की 675 वीं प्रति प्रदान की । गोपाल बैरागी , भूपेश कसेरा, दथरथ सिंह, हरि सिंह चुण्डावत ,वरिष्ठ नेता रमेश कुमावत जोरावर सिंह डोडिया , चैन सिंह सरपंच रोहिडा, विजय जोशी रवि न्द्र सिंह ठाकुर , मानसिंह सिसौ दिया ओम सौलंकी आदि मौजूद रहें । आभार मंडल अध्यक्ष गुरूचरण सिंह चौहान ने माना। जानकारी महिदपुर रोड़ मंडल के मीडिया प्रभारी योगेन्द्र सिंह शाक्य ने दी ।

अन्नदाता की हर संभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है भाजपा सरकार

महिदपुर। तहसील कार्यालय महिदपुर में विधानसभा क्षेत्र के 249 गांवों में अतिवृष्टि और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान के संबंध में शीघ्र सर्वे कराकर राहत राशि एवं बीमा क्लेम दिलाने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन पूर्व विधायक की अध्यक्षता में प्रशासन को सौंपा गया, जिसमें किसानों को हुए नुकसान का आकलन कर जल्द मुआवजा प्रदान करने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भाजपा सरकार अन्नदाताओं की हर संभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है और प्रभावित किसानों को समय पर राहत मिलना आवश्यक है। प्रशासनिक अधिकारियों ने ज्ञापन प्राप्त कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

शहनाईयां फिर से गुंजना शुरू, 22 जुलाई तक मुहूर्त

सारंगपुर। शहनाई की गूंज मंगलवार से एक बार फिर सुनाई देने लगी है। शुक्र उदय के साथ ही विवाह के शुभ मुहूर्त शुरू हो गए हैं और विधिवत शादियों का सिलसिला प्रारंभ हो चुकी है। इस वर्ष विवाह का सीजन खास रहने वाला है, क्योंकि लगभग छह महीने तक लगातार शुभ मुहूर्त उपलब्ध रहेंगे। हालांकि इस दौरान दो बार कुछ दिनों के लिए शादियों पर विराम भी लगेगा।

पंडित पवन पारीक ने बताया कि पिछले वर्षों में 15 जनवरी के बाद विवाह मुहूर्त आरंभ हो जाते थे, लेकिन इस बार शुक्र अस्त होने के कारण शादियों का क्रम देर से शुरू हुआ। शादियों का सिलसिला 11 दिसंबर को शुक्र अस्त होने के साथ थम गया था, जो अब पुनः गति पकडेगा। ज्योतिषाचार्य संजय भार्गव के अनुसार इस वर्ष विवाह मुहूर्त 3 फरवरी से शुरू हो चुके है और 22 जुलाई तक रहेगा। इसके बाद देवशयन काल के चलते शुभ कार्य स्थगित हो जाएंगे। फरवरी से जुलाई के बीच 19 मार्च से 26 मार्च तक चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के कारण विवाह मुहूर्त नहीं रहेंगे। इसके अलावा 17 मई से 15 जून तक ज्येष्ठ अधिक मास में भी मांगलिक कार्य वर्जित रहेंगे। 23 जुलाई आषाढ शुक्ल भडली नवमी के बाद देवशयन काल प्रारंभ हो जाएगा, जो कार्तिक एकादशी 20 नवंबर तक रहेगा। इस अवधि में विवाह सहित अन्य शुभ कार्य नहीं होंगे। देवउठनी एकादशी के बाद फिर शादियों का मौसम शुरू होगा।

तार्किक त्रुटि वाले 43980 मतदाताओं को दिए जाएंगे नोटिस, चार से शुरु सुनवाई

विधानसभा में 40 एइआरओ करेंगे सुनवाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

विकासखंड में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) प्रक्रिया के पहले चरण में 2 लाख 623 मतदाताओं ने फार्म भरकर दिए थे। इसमें से 43 हजार 980 लाख मतदाता तार्किक त्रुटि श्रेणी में सामने आए हैं। जिनके रिकार्ड वर्ष 2003 की मतदाता सूची से तो मैप हो गए हैं, लेकिन विवरणों में विसंगतियों के कारण वे संदेह के घेरे में हैं। इनके नाम, जन्म तारीख और माता-पिता के नाम को लेकर विसंगतियां है। ऐसे मतदाताओं को नोटिस देने का कार्य किया जा रहा है। इसके बाद इनकी सुनवाई शुरू होगी और मतदाता को वर्तमान नाम, जन्म तारीख की सही जानकारी वाला एक दस्तावेज देना होगा। 1117 मतदाताओं की सुनवाई जारी है, जिनकी जानकारी 2003 की सूची से मेपिंग नहीं हो सकी थी। इसके लिए 3 केंद्र बनाए गए है। सुनवाई के दौरान दिए जाने वाले दस्तावेज की जांच की जा रही है। इसके अलावा तार्किंग त्रुटी वाले 43 हजार 980 मतदाताओं को नोटिस जारी करने का कार्य शुरू हो चुका है। निर्वाचन आयोग के साफ्टवेयर द्वारा रिकार्ड मिलान के दौरान इन मतदाताओं को लेकर पांच प्रकार की तार्किक त्रुटियां सामने आई थी।

इनमें सबसे बडी संख्या उन मतदाताओं की है, जिनके पिता का नाम 2003 की सूची से मेल नहीं खा रहा। इसके अलावा नाम की स्पेलिंग में गलती, नाम का अधूरा होना, सरनेम में बदलाव और जन्मतिथि में अंतर जैसी त्रुटियां भी सामने आई हैं। इन मतदाताओं को आयोग ने संदेह के घेरे में रखा है। अब इन मतदाताओं को नोटिस के बाद सही नाम, जन्म तारीख वाला दस्तावेज देना होगा।

एईआरओ करेंगे जांच

तार्किंक त्रुटि वाले मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए है और नोटिस के बाद दस्तावेज लेकर उपस्थित होना होगा। एसडीएम रोहित बम्हौरे ने बताया कि हमारे द्वारा विकासखंड में 40 एइआरओ नियुक्त किए गए है। दस्तावेजों की जांच होंगी और इसके बाद घोषणा पत्र भरकर पोर्टल पर दर्ज कर दिया जाएगा। आयोग नाम और जन्म तारीख की गफलत को दूर करने के लिए दस्तावेज ले रहा है। क्योंकि 2003 से 2026 तक मतदाता के नाम और तारीख में सुधार हुआ है। ऐसे में मतदाता से वर्तमान का सही दस्तावेज लिया जाएगा।

लंबी प्रक्रिया से परेशानी

उल्लेखनीय है कि एसआइआर की लंबी प्रक्रिया से अधिकारी, बीएलओ से लेकर मतदाता सभी परेशान हो चुके है। पहले डेढ माह फार्म भरने के लिए मस्कत करना पडी, इसके बाद दावे-आपत्ति की एक माह लंबी प्रक्रिया चली। 1117 मतदाताओं को नोटिस देकर सुनवाई के बाद अब 43980 लाख मतदाता को नोटिस और सुनवाई करना होगी। बीएलओ का कहना है कि पहले ही मतदाता के घर तीन बार जाकर कागज ले चुके है और अब फिर से नोटिस देकर कागज बुलाने से मतदाता नाराज हो रहे है।

बोले जिम्मदार

सारंगपुर विकासखंड में जो तार्किंग त्रुटियां मिली है उसके लिए 43 हजार 980 मतदाताओं को नोटिस दिए है। उनके लिए 40 एइआरओ को नियुक्त किया गया, यह सुनवाई करेंगे। मतदाताओं से आग्रह है कि नोटिस से घबराए नहीं, क्योंकि यह नोटिस फार्म नंबर 7 के नोटिस नहीं है, बल्कि यह तार्किंग त्रुटियों के सुधार के लिए नोटिस है। इससे मतदाताओं की जानकारी में सुधार होगा।

रोहित बम्हौरे, एसडीएम, सारंगपुर।

ये त्रुटियां आई सामने

- मतदाता का नाम 2003 की सूची से अलग।
- पिता के नाम और सरनेम को लेकर विसंगति।
- पिता और दादा की उम्र को लेकर विसंगति।
- छह से अधिक मैपिंग को लेकर भी परेशानी है।

नेशनल हाईवे पर लूट करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश-

राजस्थान के 3 लुटेरे गिरफ्तार 1,26,400 रु एवं सामग्री बरामद

अवन्तिका ▸▸ राजगढ़-ब्यावरा।

राजगढ़ जिले में फरियादी गोपाल दास यादव पिता बापूलाल यादव निवासी ग्राम खानपुरा ब्यावरा ने थाना कुरावर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपनी चार पहिया वाहन से भोपाल से ब्यावरा जा रहा था। तीज बड़ली के पहले तीन अज्ञात व्यक्तियों ने हाथ का इशारा कर वाहन रुकवाया तथा वाहन रोकने पर उनकी आंखों में मिर्ची डालकर उसे उसी के वाहन में बंधक बना लिया।

आरोपियों ने फरियादी के साथ मारपीट कर उसका मोबाइल फोन एवं पर्स लूट लिया गया। इसके पश्चात मोबाइल का पासवर्ड पूछकर फरियादी को बंधक बनाए रखते हुए अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर दुकानों के माध्यम से उसके बैंक खाते से कुल 1,26,400 रु की राशि आहरित की गई। पीड़ित किसी प्रकार आरोपियों के चंगुल से भागने में सफल हुआ एवं थाना कुरावर में रिपोर्ट दर्ज कराई। कुरावर में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। कुरावर पुलिस ने नेशनल हाईवे पर लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए राजस्थान राज्य के 3 शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए विशेष पुलिस टीम का गठन की। पीड़ित के कथनों, सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी डाटा एवं मोबाइल ट्रैकिंग के आधार पर आरोपियों को चिन्हित किया। फलस्वरूप तीनों आरोपी संजय उर्फ संजू मीणा पिता घासीलाल 36 वर्ष, निवासी अकलेरा, जिला झालावाड़ (राजस्थान), रंजीत मीणा, पिता गुडकीलाल मीणा निवासी ग्राम काजलिया, थाना अकलेरा, जिला झालावाड़ (राजस्थान), जीतमल मीणा, पिता बाबूलाल मीणा निवासी अकलेरा, जिला झालावाड़ (राजस्थान) को गिरफ्तार कर एक लाख छब्बीस हजार चार सौ रुपये नगद, 1 मोबाइल फोन, 1 पर्स, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की। आरोपी नेशनल हाईवे पर सुनसान स्थानों एवं रात्रि समय चार पहिया वाहनों को निशाना बनाते थे। हाथ का इशारा कर स्वयं को मददगार अथवा प्रोफेशनल व्यक्ति बताकर वाहन रुकवाते थे।

वाहन रुकते ही पीड़ित की आंखों में मिर्ची डालकर उसे असहाय बना देते थे। पीड़ित को उसी के वाहन में बंधक बनाकर मारपीट एवं भयभीत करते थे। मोबाइल फोन एवं पर्स लूटकर मोबाइल का पासवर्ड जबरन प्राप्त किया जाता था। पासवर्ड मिलने के बाद अलग-अलग दुकानों से खाते से नगदी आहरण किया जाता था। पहचान छिपाने हेतु चोरी की मोटरसाइकिलों का उपयोग कर महंगे होटलों में ठहरते थे।

आगामी बोर्ड परीक्षाओं को लेकर केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्षों को दिया गया प्रशिक्षण

अवन्तिका ▸▸ आगर मालवा

जिले में बोर्ड परीक्षाओं के सफल, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्षों की बैठक सह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। बैठक में केन्द्राध्यक्षों एवं सहायक केन्द्राध्यक्षों को उनके दायित्वों से अवगत कराते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

उल्लेखनीय है कि बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन आगामी 10 फरवरी से होगा। इसके लिये जिले में 32 परीक्षा केन्द्र बनाएं गए। जिले में इस वर्ष परीक्षा में कक्षा 10 वीं में 7874 विद्यार्थी और कक्षा 12 वीं में 5114 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

कलेक्टर ने कहा कि बोर्ड परीक्षाएं के सफल आयोजन हेतु सभी केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्ष अपने दायित्वों का गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षाओं के सफल संचालन हेतु प्रश्नपत्रों की गोपनीयता एवं शुचिता बनाए रखना सर्वोपरि है।परीक्षा दिवस पर संबंधित थानों से कलेक्टर प्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रश्नपत्र प्राप्त कर उन्हें सुरक्षित रूप से परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाया जाए तथा प्रश्नपत्रों को केवल परीक्षा कक्ष में ही खोला जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि परीक्षा केन्द्रों पर विद्युत एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही परीक्षा केन्द्रों पर उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारियों के मोबाइल फोन परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व बंद कराकर सील किए जाएं। परीक्षा के दिन परीक्षा केन्द्र की 100 मीटर की परिधि में अनाधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। सभी केन्द्रों पर पुलिस बल की तैनाती रहेगी।

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

संकल्प से समाधान अभियान में डोर-टू-डोर सर्वे से प्राप्त आवेदनों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करें- कलेक्टर प्रीति यादव

दैनिक अवन्तिका ▸▸ आगर मालवा

संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत डोर-टू-डोर सर्वे में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव ने आयोजित समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। कलेक्टर ने बैठक में अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन विभागों के आवेदन पोर्टल पर शून्य प्रदर्शित हो रहे हैं, वे शीघ्र एंट्री करना सुनिश्चित करें, अन्यथा संबंधित विभागों के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

बैठक में अपर कलेक्टर आर.पी वर्मा, एसडीएम आगर मिलिंद ढोके, डिप्टी कलेक्टर प्रेम नारायण परमार, कमल मंडलोई, श्रीमती किरण बरबड़े, जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक लखन सिंह, समस्त तहसीलदार, संबंधित अधिकारी-

कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन हेतु कृषकों के पंजीयन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि पंजीयन केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित कर ली जाएं। बैठक में बताया गया कि गेहूं उपार्जन के लिए कृषकों का पंजीयन 7 फरवरी से प्रारंभ होगा, जिसके लिए जिले की 32 प्राथमिक एवं विपणन साख सहकारी संस्थाओं को पंजीयन केंद्र बनाया गया है।

कलेक्टर ने कहा कि जिन विभागों की बैठकें प्रस्तावित हैं, उन्हें समय पर आयोजित किया जाए तथा बैठकों में दिए गए निदेर्शों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। विभाग प्रमुख अपने-अपने विभाग से संबंधित पोर्टलों की नियमित मॉनिटरिंग करें एवं उन्हें अद्यतन रखें। साथ ही विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति अनिवार्य रूप से संबंधित पोर्टलों पर दर्ज की जाए।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शिकायतों का निराकरण गुणवत्तापूर्ण किया जाए, ताकि विभागीय ग्रेडिंग में बेहतर अंक प्राप्त हो सकें। निम्न गुणवत्ता का निराकरण न किया जाए। महिला एवं बाल विकास तथा राजस्व विभाग को लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए।उन्होंने समय-सीमा पत्रों की समीक्षा करते हुए शासन स्तर से प्राप्त पत्रों का समय पर जवाब भेजने तथा प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का समाधानकारी निराकरण कर आवेदकों को अवगत कराने के निर्देश दिए। बैठक में समग्र ई-केवायसी, फार्मर रजिस्ट्री, एसआईआर सहित अन्य बिंदुओं की भी समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को दिए गए।

राज्यमंत्री ने किया प्रांतीय शिक्षक संघ के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

सारंगपुर। प्रांतीय शिक्षक संघ के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में सारंगपुर कार्यालय में कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री डॉ गौतम टेटवाल के द्वारा प्रांतीय शिक्षक संघ के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया गया। इस कैलेंडर को जिले की कार्यकारिणी द्वारा संघ के समस्त पदाधिकारियों के माध्यम से शालाओं में वितरित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चंदरसिंह तोमर , जिला महासचिव राजकुमार सिंह खिंची, प्रदेश मीडिया प्रभारी संजय सिंह, भगवान सिंह राठौर, जिला संयोजक बालचंद दांगी, कार्यकारी जिला अध्यक्ष प्रेम सिंह जाट, कार्यकारी जिला अध्यक्ष पुखराज सिंह राठौर, प्रेम वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी जुगराज सिंह वर्मा, ब्लाक अध्यक्ष रामकरण राठौर, प्रेम सिंह परमार, चंद्रेश शर्मा, देवीलाल रुहेला, एलकार सिंह जादोन, अशोक मेहरिया, रविंद्र प्रताप शर्मा, सुरेश वर्मा, घनस्याम भिलाला, भगवान सिंह गुजराती, प्रेमसिंह नागर, यशवंत सिंह भिलाला, अशोक कारपेंटर, मोहन सिंह भिलाला, आनंदी लाल भिलाला सहित समस्त जिला पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीराधाकृष्ण मंदिर पंडितवाडी में गीता स्वाध्याय पाठ का आयोजन

सारंगपुर। मनुष्य को मानव जीवन के तीन शत्रुओं काम, क्रोध तथा लोभ से अत्यंत सावधान रहना चाहिए। जो व्यक्ति जितना ही इन तीनों से मुक्त होगा, उतना ही उसका जीवन शुद्ध होगा। जो व्यक्ति जानबूझ कर नियमों का अतिक्रमण करता है, वह काम के वश में होकर कर्म करता है। उक्त उद्गार कपिलेश्वर गीता स्वाध्याय मंडल द्वारा श्रीराधाकृष्ण मंदिर पंडितवाडी में आयोजित गीता स्वाध्याय पाठ के अंतर्गत स्वाध्यायी आनंद मोहन व्यास ने व्यक्त किए। विश्व गीता प्रतिष्ठानम उज्जयिनी द्वारा संचालित गीता स्वाध्याय के अंतर्गत सर्वप्रथम घर-घर गीता का प्रचार हो गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान श्री कृष्ण एवं श्रीमद्भगवद्गीता की पूजन अर्चन कर दीप प्रज्वलित किया गया। तत्पश्चात विश्वगीता प्रतिष्ठानम के स्वाध्याय पत्रक का गायन किया गया। श्रीमद्भगवद्गीता गीता के 11 श्लोक का उच्चारण कपिलेश्वर स्वाध्याय मंडल के नवीन श्रीवास्तव ने किया।। कार्यक्रम के अंत में श्रीमद्भगवद्गीता जी की आरती उतारी गई। कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

परीक्षा प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता एवं अनुशासन बनाएं रखें- कलेक्टर श्रीमती यादव

आगर मालवा। आगामी बोर्ड परीक्षाओं को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव द्वारा नियुक्त कलेक्टर प्रतिनिधियों की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा कर कलेक्टर प्रतिनिधियों को उनके दायित्वों से अवगत करवाया गया। कलेक्टर ने कहा कि बोर्ड परीक्षाएं विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी होती हैं, परीक्षा प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता एवं अनुशासन बनाए रखना अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षाओं के सफल संचालन हेतु प्रश्नपत्रों की गोपनीयता एवं शुचिता बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी कलेक्टर प्रतिनिधि परीक्षा दिवस पर संबंधित थानों से प्रश्नपत्र प्राप्त करने से लेकर उन्हें परीक्षा केंद्र तक सुरक्षित रूप से पहुंचाने तथा प्रश्नपत्रों को केवल परीक्षा कक्ष में ही खोलना सुनिश्चित करवाएंगे। कलेक्टर प्रतिनिधि एवं केंद्राध्यक्ष थाने एवं परीक्षा केंद्र पर पहुंचकर एक साथ सेल्फी लेकर कलेक्टर प्रतिनिधि द्वारा निर्धारित पोर्टल पर अपलोड करेंगे। केंद्राध्यक्ष एवं प्रतिनिधि के साथ संयुक्त फोटो अपलोड नहीं होने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

बोर्ड परीक्षा से पहले एसडीएम ने दिए सफलता के मंत्र, बोले- आत्मविश्वास जरूरी

सारंगपुर। मध्यप्रदेश शिक्षा मंडल भोपाल की बोर्ड परीक्षाएं कुछ दिनों में शुरू होने वाली है इसके पहले विद्यार्थियों के लिए परीक्षा मार्गदर्शन करते हुए सारंगपुर एसडीएम रोहित बम्हौरे ने वार्ता के माध्यम से छात्रों का मनोबल बढाने और सही दिशा देने के लिए अपने विचार रखे है। एसडीएम बम्हौरे ने कहा, सफलता केवल ज्यादा पढाई से नहीं मिलती। इसके लिए सही रणनीति, नियमित अभ्यास और आत्मविश्वास जरूरी है। उन्होंने विषयों को समझकर पढने, समय का सही उपयोग करने और उत्तर लेखन की शैली पर ध्यान देने की बात कही। साथ ही रोजाना पुनरावृत्ति करने की सलाह दी। एसडीएम ने छात्रों को तनावमुक्त रहकर सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा देने की प्रेरणा दी। चर्चा के माध्यम से उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया।

सूर्य ग्रहण के समय सूर्य की ऊर्जा कमजोर हो जाती है, जिसका असर कुछ राशियों के जीवन पर नकारात्मक रूप से देखने को मिल सकता है। आइए जानते हैं किन राशियों को सावधान रहने की जरूरत है और कौन-से उपाय लाभदायक रहेंगे।

शनि की राशि में लगेगा सूर्य ग्रहण, इन राशियों को करना होगा चुनौतियों का सामना

वर्ष 2026 का पहला सूर्य ग्रहण 17 फरवरी को पड़ने जा रहा है। यह ग्रहण शनि की राशि कुंभ में लगेगा। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार सूर्य ग्रहण के समय सूर्य की ऊर्जा कमजोर हो जाती है, जिसका असर कुछ राशियों के जीवन पर नकारात्मक रूप से देखने को मिल सकता है। इस दौरान कुछ राशियों को चुनौतियों और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि सही उपाय अपनाकर इन प्रभावों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं किन राशियों को सावधान रहने की जरूरत है और कौन-से उपाय लाभदायक रहेंगे।

सिंह राशि

सूर्य आपकी राशि के स्वामी हैं, ऐसे में सूर्य ग्रहण का असर आप पर ज्यादा हो सकता है। इस दौरान आत्मविश्वास में कमी महसूस हो सकती है। करियर से जुड़े मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है और किसी भी बड़े फैसले को टालना बेहतर रहेगा। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके काम पर नजर रख सकते हैं, इसलिए हर जिम्मेदारी को सोच-समझकर निभाएं।

कन्या राशि

सूर्य ग्रहण आपके छठे भाव में घटित होगा। इस कारण विरोधी सक्रिय हो सकते हैं और आपके काम में रुकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं। किसी पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसानदायक हो सकता है। रुके हुए कामों में देरी हो सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें और जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

वृश्चिक राशि

आपकी राशि के चतुर्थ भाव यानी सुख भाव में सूर्य ग्रहण लगेगा। इस वजह से माता-पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ सकती है, उनका विशेष ध्यान रखें। इस समय धन निवेश से बचना ही समझदारी होगी। गलत संगति से दूरी बनाए रखें, वरना आर्थिक नुकसान हो सकता है। जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में भी सोच-समझकर कदम बढ़ाएं।

कुंभ राशि

सूर्य ग्रहण आपकी ही राशि में लगने वाला है, जिससे मानसिक तनाव और उलझनें बढ़ सकती हैं। बेवजह की चिंताएं शारीरिक सेहत को भी प्रभावित कर सकती हैं। पारिवारिक जीवन में संतुलन बनाए रखें और विवादों से दूरी बनाकर रखें।

मीन राशि

सूर्य ग्रहण आपकी राशि के हानि भाव में होगा। इस कारण पैसों से जुड़े मामलों में अतिरिक्त सावधानी जरूरी है। बिना योजना के खर्च करने से नुकसान हो सकता है। व्यापार करने वालों को भी इस समय उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। कुछ लोगों को हड्डियों या पेट से जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं, इसलिए स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सूर्य ग्रहण के दिन करें ये उपाय

सूर्य से जुड़े मंत्रों का जाप करें, जैसे - 'ॐ गृणी सूर्याय नमः' और 'ॐ आदित्याय नमः'।

- तांबा, गेहूं और गुड़ का दान करना शुभ माना जाता है।
- ग्रहण समाप्त होने के बाद घर में गंगाजल का छिड़काव करें।
- ग्रहण काल में धार्मिक ग्रंथों का पाठ करें।
- योग और ध्यान करने से मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है।

महाशिवरात्रि की रात करें शमी के पत्तों का ये सरल उपाय

शमी के पत्तों को भगवान शिव की पूजा में शामिल करने से पूजा का फल और अधिक प्रभावशाली माना जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि महाशिवरात्रि पर शमी से जुड़े कौन से उपाय लाभकारी साबित होते हैं।

महाशिवरात्रि केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है, बल्कि यह वह विशेष समय होता है जब आस्था, उम्मीद और आत्मविश्वास एक साथ मजबूत होते हैं। शिवभक्तों के लिए यह रात्रि जितनी आध्यात्मिक मानी जाती है, उतनी ही जीवन की व्यावहारिक समस्याओं से जुड़ी भी होती है।

धन की कमी, विवाह में देरी और करियर में रुकावट जैसी परेशानियों से जूझ रहे लोग महाशिवरात्रि के दिन किए गए उपायों से राहत की उम्मीद रखते हैं। ज्योतिष शास्त्र और शिव पुराण के अनुसार, इस दिन किए गए उपाय शीघ्र फल देने वाले माने जाते हैं। खासतौर पर शमी के पत्तों का महत्व इस दिन कई गुना बढ़ जाता है।

महाशिवरात्रि पर शमी पत्र का आध्यात्मिक महत्व

शिव पुराण में शमी वृक्ष को नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने वाला बताया गया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार शमी पत्र विजय, सुरक्षा और सकारात्मक शक्ति का प्रतीक है। शमी के पत्तों को भगवान शिव की पूजा में शामिल करने से पूजा का फल और अधिक प्रभावशाली माना जाता है। यही कारण है कि महाशिवरात्रि पर शमी से जुड़े उपाय पूरी श्रद्धा के साथ किए जाते हैं।

धन लाभ के लिए शमी के पत्तों के उपाय

- आर्थिक रुकावटें दूर करने के लिए महाशिवरात्रि की सुबह स्नान करें।
- शिव मंदिर जाकर शिवलिंग का जल, दूध और गंगाजल से अभिषेक करें।
- इसके बाद 5 या 7 शमी पत्र अर्पित करें।
- पूजा के बाद 1 शमी पत्र घर लाकर तिजोरी या धन रखने की जगह पर रखें।
- इससे धन का प्रवाह बना रहता है और रुका हुआ पैसा मिलने के योग बनते हैं।

जल्दी विवाह के लिए शमी पत्र का उपाय

- विवाह में आ रही बाधाओं से राहत के लिए महाशिवरात्रि की रात शिव-पार्वती की संयुक्त पूजा करें।
- शिवलिंग पर 11 शमी पत्र अर्पित करें।
- मन में योग्य जीवनसाथी की प्रार्थना करें।
- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इससे विवाह से जुड़ी बाधाएं धीरे-धीरे दूर होने लगती हैं।

कर्ज से मुक्ति के लिए शमी पत्र के उपाय

- आर्थिक दबाव कम करने के लिए संध्या काल की पूजा में 5 शमी पत्र भगवान शिव को चढ़ाएं।
- इनमें से 2 पत्तियां लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी में रखें।
- अधिक कर्ज होने पर शमी पत्र के साथ साबुत सुपारी और अक्षत भी अर्पित करें।
- ऐसा माना जाता है कि इससे आर्थिक तनाव में कमी आने लगती है।

करियर और व्यवसाय में सफलता के लिए शमी उपाय

- नौकरी और बिजनेस की रुकावटें दूर करने के लिए महाशिवरात्रि की रात शिवलिंग पर 21 शमी पत्र अर्पित करें।
- शिव चालीसा का पाठ करें।
- अगले दिन 1 शमी पत्र पर्स में रखें।
- मान्यता है कि इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और नए अवसर मिलने लगते हैं।

इस साल होली पर 20 मिनट का चंद्र ग्रहण, जानें सूतक काल का समय

हिंदू धर्म में होलिका दहन को महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। यह तिथि नकारात्मकताओं का नाश और जीवन में नई शुरूआत करने के लिए अत्यंत शुभ है। मान्यता है कि, होली के रंग जीवन में ऊर्जा और खुशियां लेकर आते हैं। इस दिन पूजा-पाठ व दान-दक्षिणा जैसे कार्य करने से जीवन में सुख-सौभाग्य बढ़ता है। इस वर्ष 3 मार्च 2026 को होलिका दहन है। लेकिन इसी दिन साल का पहला चंद्र ग्रहण भी लगने जा रहा है, जो भारत में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। धार्मिक मान्यताओं और ज्योतिषीय दृष्टि से यह संयोग अत्यंत प्रभावशाली माना जाता है। ऐसे में होलिका दहन और चंद्र ग्रहण का समय क्या रहेगा, आइए जानते हैं।

चंद्र ग्रहण 2026: इस साल 3 मार्च 2026 को चंद्र ग्रहण लगने वाला है। यह इस वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण होगा, जिसे भारत में देखा जाएगा। इसका समय शाम 6 बजकर 26 मिनट से लेकर शाम 6 बजकर 46 मिनट तक रहेगा। ग्रहण की कुल अवधि 20 मिनट की रहेगी।

कब लगेगा सूतक काल: 3 मार्च 2026 को लगने वाला चंद्र ग्रहण भारत में देखा जाएगा। इसलिए सुबह 9 बजकर 39 मिनट से सूतक काल प्रारंभ होगा, जिसमें नए काम से लेकर पूजा-पाठ करना वर्जित होगा।

कहां-कहां नजर आएगा चंद्र ग्रहण?: होली पर लगने वाला चंद्र ग्रहण एक आंशिक (खण्डग्रास) होगा, जिसे भारत से लेकर यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका तक नजर आएगा।

होलिका दहन 2026: इस बार फाल्गुन पूर्णिमा तिथि की शुरूआत 2 मार्च को शाम 5 बजकर 55 मिनट पर होगी और समापन अगले दिन 3 मार्च को शाम 5 बजकर 7 मिनट होगा। इसलिए 3 मार्च 2026 को होलिका दहन और 4 मार्च को रंगों की होली खेली जाएगी।

किस समय होगा होलिका दहन: ज्योतिषियों के मुताबिक, होलिका दहन पर चंद्र ग्रहण होने के कारण 6 बजकर 46 मिनट पर ग्रहण समाप्ति के बाद 6 बजकर 25 मिनट से रात 8 बजकर 50 मिनट तक होलिका दहन का मुहूर्त बना रहेगा।

Sport

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच बुलवायो में अंडर-19 विश्व कप का सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। इंग्लैंड ने इस मैच में जीत दर्ज कर खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया है।

ऑस्ट्रेलिया को हराकर विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड, कप्तान ओलिवर का प्रयास रहा नाकाम

बुलवायो। कप्तान ओलिवर पीक का शानदार शतक भी ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में हार से नहीं बचा सका। इंग्लैंड ने 27 रन से ऑस्ट्रेलिया को हराकर अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान थॉमस रेव की शतकीय पारी से 50 ओवर में सात विकेट पर 277 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया के लिए ओलिवर अंत तक टिके रहे, लेकिन उनकी पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी और ऑस्ट्रेलिया की टीम 47.3 ओवर में 250 रन पर ऑलआउट हो गई।

ओलिवर का शतक

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने सधी हुई शुरूआत की, लेकिन 50 रन पूरे करने से पहले ही उसने दो विकेट गंवा दिए। हालांकि, नितेश सैमुअल ने 47 रन की पारी खेली। लेकिन ओलिवर अंत तक टिके रहे। ओलिवर ने 88 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 100 रन बनाए। वहीं, आर्यन शर्मा ने 34, विल ने 15, हेडन सिचलर ने 15 और स्टीवन होगन ने तीन रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से सेबास्टियन मोर्गन, जेम्स मिंटो, मैनी लम्सडन और रल्फी एलबर्ट को दो-दो विकेट मिले, जबकि एलेक्स फिंच और फरहान अहमद को एक-एक सफलता मिली।

भारत या अफगानिस्तान से होगा सामना

इंग्लैंड का अब फाइनल में सामना भारत और अफगानिस्तान के बीच बुधवार को होने वाले एक अन्य सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा। ऑस्ट्रेलिया ने चार बार इस टूनार्मेंट का खिताब जीता है, लेकिन वह अपनी पांचवीं ट्रॉफी जीतने से चूक गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान ओलिवर ने अंत तक संघर्ष किया, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके।

इंग्लैंड की पारी

इससे पहले, इंग्लैंड के लिए थॉमस ने 107 गेंदों पर 14 चौकों और एक छक्के की मदद से 110 रन बनाए जिसके दम पर इंग्लैंड चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रहा। थॉमस को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उनके अलावा कैलब फालकोनर ने 40 रन बनाए, जबकि फरहान अहमद 28 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया के लिए हेडन और नादेन कूरे ने दो-दो विकेट लिए, जबकि विल बाइरोम और आर्यन शर्मा को एक-एक विकेट मिले।

दिल्ली कैपिटल्स लगातार चौथी बार डब्ल्यूपीएल के फाइनल में, गुजरात को हराया

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स ने एलिमिनेटर मुकाबले में गुजरात जाएंट्स को हराकर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। गुजरात जाएंट्स ने बेथ मूनी के नाबाद अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 168 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 169 रन बनाकर सात विकेट से जीत दर्ज की। यह लगातार चौथी बार है जब दिल्ली की टीम खिताबी मुकाबले में पहुंची है। अब उसका सामना फाइनल में पांच फरवरी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। दिल्ली ने अब तक कभी डब्ल्यूपीएल का खिताब नहीं जीता है और उसके पास अपनी पहली ट्रॉफी जीतने का अवसर होगा।

शेफाली-लिजेली ने दिलाई मजबूत शुरूआत

लक्ष्य का पीछा करते हुए शेफाली वर्मा और लिजेली ली ने दिल्ली कैपिटल्स को मजबूत शुरूआत दिलाई। इन दोनों बल्लेबाजों ने आक्रामक बल्लेबाजी की और पहले विकेट के लिए 89 रन जोड़े। इस साझेदारी को जॉर्जिया वारेहम ने लिजेली को आउट कर तोड़ा। लिजेली 24 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुईं। इसके तुरंत ही बाद जॉर्जिया ने शेफाली को बोल्ड कर पवेलियन भेजा। शेफाली ने 21 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 31 रन बनाए।

वोलवार्ट-जेमिमा चमकीं

दो झटके लगने के बाद लाउरा वोलवार्ट और कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स ने पारी आगे बढ़ाई। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों पर 68 रनों की साझेदारी हुई। हालांकि, दिल्ली जीत दर्ज कर पाती उससे पहले ही राजेश्वरी गायकवाड़ ने जेमिमा को पवेलियन भेजा। जेमिमा 23 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 41 रन बनाकर आउट हुईं। वोलवार्ट अंत तक टिकी रहीं और मारिजाने काप ने दिल्ली को चौथा लगातर जीत दिलाई। वोलवार्ट 24 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि काप ने तीन गेंदों पर एक चौका के सहारे नाबाद चार रन बनाए। गुजरात के लिए वारेहम को दो और राजेश्वरी को एक विकेट मिला।

गुजरात की खराब शुरूआत

गुजरात के लिए बेथ मूनी और सोफी डिवाइन पारी की शुरूआत करने उतरे, लेकिन गुजरात को सोफी डिवाइन के रूप में पहला झटका लगा। डिवाइन नौ गेंदों पर एक चौके की मदद से छह रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद नंदिनी शर्मा ने गुजरात को लगातार दो गेंदों पर दो झटके दिए। उन्होंनेने अनुष्का को आउट कर गुजरात को दूसरा झटका दिया। अनुष्का अच्छी बल्लेबाजी कर रही थीं, लेकिन चिनेली ने उनका शानदार कैच पकड़ा। अनुष्का 13 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 16 रन बनाकर आउट हुईं।

ईशान किशन ने बल्लेबाजों में लगाई 32 स्थानों की छलांग, यह पाकिस्तानी बना नंबर-एक ऑलराउंडर

दुबई। भारत के स्टार बल्लेबाज ईशान किशन को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। वह आईसीसी की ताजा टी20 रैंकिंग में बल्लेबाजों में 32 स्थानों की छलांग लगाकर 32वें पायदान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज ईशान की कमबैक सीरीज थी और उसमें उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया। वहीं, पाकिस्तान के सैम अयूब टी20 के नंबर एक ऑलराउंडर बन गए हैं। अयूब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतरीन फॉर्म में दिखे हैं। ईशान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार वापसी की। वह चार मैचों में खेले और 8, 76, 28 और 103 रन की पारियां खेलीं। शीर्ष क्रम में उनके तूफानी फॉर्म की वजह से भारत ने टी20 विश्व कप से पहले अपनी आखिरी सीरीज में 4-1 से जीत हासिल की।

आवश्यकता है
कागज पत्तल बनाने हेतु पुरुष एवं महिलाओं की
पेपर ग्लास मशीन ऑपरेटर की
पैकिंग हेतु महिलाओं की
हेल्पर हेतु लड़को की
शीघ्र संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 इंडस्ट्रियल एरिया मक्सी रोड प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

कर्मचारी की आवश्यकता
क्षिप्रा ढाबे पर अनुभवी
वेटर हेल्पर
किचन हैल्पर तंदूर वाला
और सिक्युरिटी गार्ड की
तुरंत आवश्यकता है
पता- हरिफाटक फ्लाईओवर ब्रिज इंदौर रोड उज्जैन, 761-0571808

तुरंत लोन
होम लोन, बिजनेस लोन, ट्रांसफर्म लोन, पर्सनल लोन, ऑफिस वर्क, फील्ड वर्क के लिए गर्ल्स
वेतन 10500 रु.
पता: श्री फाइनेंस सर्विस, हार फूल की गली, फ्रीगंज, उज्जैन
मो. 9981248359

प्लाट बेचना है
गणेशपुरा, मक्सी रोड, संजोग गेस एजंसी के सामने 19'x55' और 15'x55' साइज के प्लाट बेचना है। प्रस्तावित फोरलेन से मात्र 100 फिट की दूरी पर। ब्रोकर बंधु कृपया क्षमा करे।
मो. 9131720147, 9424045696

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन
वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा
संपर्क
मो.9575477077

आवश्यकता है
कारखाने में (उज्जैन) पैकेजिंग कार्य हेतु महिलाओं एवं आदमियों की
संपर्क करें
9300405252

अवश्यकता है
पेन्ट बनाने वाले कारीगरों की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
मेमोरियल टेलर्स शहीद पार्क फ्रीगंज (उज्जैन)
मो. 9425094114

आवश्यकता
होटल हिमालया ग्रीन
खाना खजाना मक्खन वाला रेस्टोरेन्ट
देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
1- तवा रोटी बनाने वाले
2- वेटर
3- चायनीज एवं साऊथ इंडियन सेफ
10, ए विनय नगर देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 9575279117

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

रेंट पर देना/आवश्यकता
1- उज्जैन मेन रोड चिमनगंज मंडी के सामने 2400 स्क्वे. फीट का शोरूम रेंट पर देना है। ऑफिस, बैंक के लिए
2- साड़ी शोरूम पर सेल्सगर्ल व सेल्समेन की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 20000 रुपए
संपर्क
9826398272

कर्मचारियों की आवश्यकता है
इंदौर में रियल स्टेट कंपनी के ऑफिस में महिला एवं पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। अनुभवी और फ्रेशर दोनों संपर्क करें, सेल्स एग्जीक्यूटिव एंड टेलीकॉलिंग
सुपर कॉरिडोर और विजयनगर इंदौर
मोबा. +91 89629 44070

वॉटर प्रुफिंग
करवाएं काफी कम रेट में
विजीट चार्ज 499/-
ईट का कॉवा वॉटर प्रूफिंग भी किया जाता है।
बदली के ड्रायवर की आवश्यकता हो तो संपर्क करें
9977140280

न्यूज कॉलम

कॉन्फ्रेंस में आई महिला डॉक्टर ने तोड़ा दम, ब्रेन एन्यूरिज्म बना कारण

इंदौर। इंदौर में शनिवार को यूरोलॉजी की इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस यूएसआईसीओएन-2026 के दौरान महिला डॉ. त्सेरिंग (डोमा) भूटिया की प्रेजेंटेशन के दौरान तबियत बिगड़ी थी और गिर गई थीं। चार दिन तक चले इलाज के बाद उनकी आज तड़के मौत हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक उन्हें ब्रेन में एनुरिज्म की तकलीफ थी जिसके चलते वह वेंटिलेटर पर थीं। घटना वाले दिन की दोपहर मौके पर मौजूद डॉक्टरों और डेलिगेट्स ने उन्हें तुरंत सीपीआर दिया। इसके बाद उन्हें लाइफ केयर हॉस्पिटल ले जाया गया था। फिर शाम उन्हें अपोलो हॉस्पिटल में रैफर किया गया था। यहां इन्वेस्टिगेशन में पता चला कि उन्हें पहले से ही ब्रेन में एनुरिज्म की तकलीफ थी। यह ब्रेन की नस का कमजोर हिस्सा होता है, जो अचानक फटने पर तेज ब्लीडिंग का कारण बनता है। तब ब्रेन की नस अचानक फट गई तो वे बेहोश हो गई थीं। सोमवार को उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें मुंबई के मेदांता हॉस्पिटल रैफर करने के लिए एयर लिफ्ट किया जाना था। फिर परिजन के कहने पर उन्हें इंदौर के ही मेंदाता हॉस्पिटल में रैफर किया था जहां आज तड़के उनकी मौत हो गई। वह मूलतः सिक्किम की रहने वाली थीं। उनका परिवार बुद्धिज्म समाज से है। इसके चलते उनका शव एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। यहां एम्बाल्मिंग प्रोसेस (शव को संरक्षित कर दूर भेजने के लिए) की जा रही है। कुछ घंटों की प्रोसेस के बाद उनका शव सिक्किम रवाना किया जाएगा।

कार की टक्कर से घायल शख्स की मौत जबकि दोस्त की जान बची

इंदौर। इंदौर के लसूडिया थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में घायल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि उसके दोस्त को मामूली चोटें आई हैं। यह हादसा 1 फरवरी की रात को हुआ था। लसूडिया पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान नीरज (47) पुत्र सुखनंद जैन, निवासी बजरंग नगर के रूप में हुई। हादसे में उनका दोस्त विक्की उर्फ विक्रम घायल हुआ है। परिजनों ने बताया कि 1 फरवरी की रात दोनों बाइक से लसूडिया थाने गए थे। रात करीब 12 बजे के बाद जब वे थाने से निकलकर घर जा रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गई। हादसे में नीरज के सिर में गंभीर चोट आई थी। उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन मंगलवार रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद से नीरज को होश नहीं आया था। नीरज के परिवार में माता-पिता और एक बेटा है। वे एक निजी कंपनी में काम करते थे। पुलिस टक्कर मारने वाले कार चालक की तलाश कर रही है।

मेडिकल लापरवाही की जांच 15 माह से अटकी पूर्व प्रिंसिपल ने कलेक्टर को की शिकायत

इंदौर। मेडिकल लापरवाही की शिकायत लेकर शहर के एक शिक्षाविद महीनों से सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब तक न तो जांच पूरी हो सकी है और न ही उन्हें जवाब मिल पाया है। जिला प्रशासन के निर्देशों के बावजूद मेडिकल जांच लंबित है। इसे लेकर मंगलवार को उन्होंने जनसुनवाई में कलेक्टर शिवम वर्मा को शिकायत की है। मामला सरकारी होलकर साइंस कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. एसएल गर्ग के परिवार का है। उन्होंने बताया कि जून 2019 में मदरहुड हॉस्पिटल में पोती अबिरा का जन्म हुआ था। उस दौरान इलाज डॉ. नीरजा पुराणिक द्वारा किया जा रहा था। आरोप है कि डिलीवरी के दौरान ऑक्सीजन नहीं मिलने से पोती को एस्फिक्सिया नामक गंभीर बीमारी हो गई। इसमें डॉ. पुराणिक और अस्पताल प्रबंधन की घोर लापरवाही रही। न वह खा सकती न बोल सकती., न उठ सकती है और न ही बैठ सकती है। छह साल से उसकी वैसी ही हालत है। उन्होंने डेढ़ साल पहले कलेक्टर को कहा था कि जांच के लिए मेडिकल बोर्ड बनाया जाए ताकि क्रिमिनल केस भी दायर तक सके। 15 माह हो चुके हैं लेकिन मेडिकल ऑफिसर ने हमें रिपोर्ट नहीं दी है। स्वास्थ्य विभाग अब तक जांच पूरी नहीं कर सका है। वे 9 करोड़ के हर्जाने के लिए सिविल कोर्ट भी दायर कर चुके हैं। डॉ. गर्ग ने आरोप लगाया कि जांच को जानबूझकर टालने के लिए इसे अनावश्यक रूप से मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। जांच को मेडिकल कॉलेज भेजने की कोई जरूरत नहीं थी। इससे प्रक्रिया लंबी हो गई और कोई गति नहीं है। जांच लंबित होने के कारण हम आगे की कानूनी कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं।

जेल से आते ही सपना गुरू पर एक और एफआईआर

इंदौर। इंदौर में किन्नर विवाद काफी गहराया हुआ है। सपना और सीमा के बीच चल रही वर्चस्व की लड़ाई में कई किन्नर आमने-सामने आ गए थे। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए। अक्टूबर 2025 में करीब दो दर्जन किन्नरों ने फिनायल पी लिया था। इस मामले में सपना गुरु और उसके साथी राजा पर एफआईआर दर्ज कर उन्हें जेल भेजा गया था। इसी बीच एक सप्ताह पहले सपना को सभी मामलों में जमानत मिल गई।

जय माता दी
नाकोडा हिल्स कॉलोनी देवास रोड पर 20X60 पश्चिम दिशा का रजिस्ट्री करा हुआ पूर्ण वैध प्लाट खरीदने के लिए संपर्क करें। संपर्क करें
मो. 6262369656

राजा हत्याकांड- गार्ड और बिल्डिंग मालिक दोषमुक्त

कॉन्ट्रैक्टर शिलोम के साथ सोनम का बैग ठिकाने लगाने का आरोप था, पुलिस की थ्योरी पड़ी कमजोर

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में कोर्ट ने दो आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया है। गार्ड बलवीर सिंह अहिरवार और बिल्डिंग मालिक लोकेंद्र सिंह तोमर को सबूतों के अभाव में छोड़ा गया है। शिलॉन्ग पुलिस ने इन्हें सबूत मिटाने के आरोप में गिरफ्तार किया था, लेकिन डिटेल्ड जांच के बाद हत्या से उनका कोई सीधा संबंध सामने नहीं आया।

पुलिस के मुताबिक राजा की हत्या के बाद आरोपियों द्वारा सबूत छिपाने की आशंका के आधार पर शुरूआती कार्रवाई की गई थी। जांच में सामने आया कि हत्या के बाद सोनम और विशाल चौहान लसूड़िया स्थित एक बिल्डिंग में रुके थे। यह बिल्डिंग शिलोम जेम्स के किराए की बताई गई थी, जिसे ब्रोकर के जरिए लिया गया था। रूम का एग्रीमेंट विशाल के नाम पर हुआ था। बिजली बिल और अन्य तकनीकी तथ्यों की जांच के बाद पुलिस को आरोपियों की संलिप्तता के ठोस सबूत नहीं मिले। शिलॉन्ग की ईस्ट खासी हिल्स के एसपी विवेक सिएम ने बताया कि शुरूआती परिस्थितियों और मिली जानकारियों के आधार पर गिरफ्तारी की गई थी। बाद में जांच और वेरिफिकेशन में उनकी भूमिका साबित नहीं हो सकी। इसी कारण दोनों को दोषमुक्त कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी और राज कुशवाह सहित अन्य आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

शिलॉन्ग में खाई में मिला था राजा का शव

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की 11 मई को सोनम के साथ शादी हुई थी। 20 मई को राजा और सोनम हनीमून के लिए इंदौर से मेघालय रवाना हुए थे। 22 मई को दोनों सोहरा की यात्रा पर निकले थे। उन्होंने एक एक्टिवा भी किराए पर ली थी। 24 जून को राजा-सोनम से परिवार का संपर्क टूट गया था। 27 मई से दोनों की सर्चिंग शुरू की गई। 29 मई को तेज बारिश के कारण सर्चिंग रोकनी पड़ी थी। इसके बाद 30 मई को दोबारा सर्चिंग शुरू की गई। 2 जून को खाई में राजा का शव मिला। 3 जून को राजा की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला कि उसकी हत्या पेड़ काटने वाले हथियार से की गई थी। इसके बाद पुलिस सोनम की तलाश में जुट गई। 9 जून को सोनम यूपी के गाजीपुर स्थित एक ढाबे पर मिली थी। इसके बाद परत-दर-परत मामले में कई खुलासे हुए।

निगमायुक्त ने किया सिरपुर तालाब का निरीक्षण

तालाब के कैचमेंट और ग्रीन बेल्ट में ना हो अतिक्रमण

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल बुधवार को निगम के अधिकारियों के साथ शहर की महत्वपूर्ण रामसर साइट सिरपुर तालाब पहुंचे। आयुक्त ने अधिकारियों से तालाब की वर्तमान स्थिति, संरक्षण के कामों एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने तालाब में फैली जलकुंभी को शीघ्र हटाने, कैचमेंट एरिया को अतिक्रमण मुक्त करने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने अवैध निर्माणों पर सख्त कार्रवाई करने, सिरपुर तालाब के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाने, तालाब में खाद्य सामग्री न डाली जाए इसलिए नागरिक को समझाइश देने के निर्देश दिए। साथ ही तालाब क्षेत्र एवं ग्रीन बेल्ट में किसी भी प्रकार की अवैध कॉलोनी अथवा अतिक्रमण को रोकने के लिए सूचना बोर्ड लगाए जाने के निर्देश भी दिए। आयुक्त ने सिरपुर तालाब परिसर में स्थित इंटरप्रिटेशन सेंटर एवं 20 एमएलडी क्षमता के एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) का भी निरीक्षण किया। एसटीपी प्लांट में स्थापित स्काडा सिस्टम, लैब सहित संपूर्ण प्लांट की कार्यप्रणाली को भी देखा। उन्होंने एसटीपी परिसर एवं आसपास व्यापक पौधारोपण करने तथा प्लांट से प्राप्त ट्रीटेड वाटर का उपयोग ड्रिप सिंचाई के माध्यम से पौधों में करने के निर्देश दिए। बता दें कि सिरपुर तालाब के समीप निर्मित 20 एमएलडी क्षमता के एसटीपी प्लांट से वर्तमान में शहर के 14 उद्यानों एवं 10 हाइड्रेंट को रि-यूज वाटर की आपूर्ति की जा रही है। एसटीपी प्लांट का शेष कार्य पूर्ण होने के बाद इसे पूर्ण क्षमता के साथ संचालित किया जाएगा।

आवश्यकता
केयर इंटरप्राइजेस
(इलेक्ट्रॉनिक एंड फर्नीचर हाउस)
उज्जैन में प्रोडक्ट बेस्ड माइक्रोफाइनेंस (No cost EMI) में कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है:-
फील्ड स्टाफ:- लड़के/ लड़की,
पद:- 6 योग्यता :- 12वीं पास
सैलरी :- 15000 + इंसेंटिव+ पेट्रोल खर्च + मोबाइल खर्च
नोट- केवल फील्ड करने के इच्छुक व्यक्ति ही आमंत्रित हैं !
दुकान पर काम करने वाले लड़कों की आवश्यकता है -
2 पद : सैलरी 8000/-
स्थान:- 33, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, पंचमपूरा, दो तालाब के पास, उज्जैन
इंटरव्यू में अपना रिज्यूम मय फोटो लाना अनिवार्य है।
इंटरव्यू दिनांक - 8/02/2026 रविवार, समय - 12 से 4 बजे
Mob. 6265895202 , 8224800652 , 9098281324

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

पुरुषों की शक्ति वर्धक दवाईयाँ मिलती है
(25 वर्षों से आपकी सेवा में)
भास्कर आयुर्वेदिक
32, बहादुरगंज, उज्जैन समय- सुबह 11 से 3 बजे तक शाम 6 से 9 बजे तक मो. 98263-71718

महिला कारीगर की आवश्यकता है
हैंडमेड ज्वैलरी बनाने हेतु शीघ्र 4 महिला कारीगर की आवश्यकता है।
समय :- 2 से 7 बजे तक (3 से 4 घंटे रोज)
वेतन:- कार्य करने पर निर्भर (10 हजार+)
ऐसी महिला कारीगर की आवश्यकता है जो एंब्रॉयडरी, सिलाई, बुनाई जैसे काम में कार्यरत हो।
कॉल 7424877834
संपर्क सुबह 10 से शाम 6 तक केवल

कैलाश ॐ शिव शंकर यात्रा प्राइवेट लिमिटेड
7/1 परदेशीपुरा, मैन रोड, इंदौर
9302065100 - 9827072550 - 9589614200
एक धाम जगन्नाथपुरी, गंगासागर, कोलकाता यात्रा विवरण
यात्रा सुविधाएं
• दो समय भोजन, एक समय चाय नाश्ता
• टूर गाइड सुविधा
• आवास हेतु (Non AC) 4 बेड वाले रूम की सुविधा
• टेम्पो ट्रेवलर अथवा बस द्वारा भ्रमण
• आने जाने की स्लीपर ट्रेन टिकट
यात्रा प्रस्थान - 11, 25 मार्च 8,17,29 अप्रैल 2026
• प्रथम दिवस : इंदौर रेलवे स्टेशन से प्रस्थान पुरी हेतु दोपहर 3 बजे
• दूसरा दिन : पुरी आगमन, रात्रि विश्राम पुरी
• तीसरा दिन : समुद्र स्नान, जगन्नाथ मंदिर दर्शन सिंह द्वार एवं कोणार्क सूर्य मंदिर, भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर रात्रि विश्राम ट्रेन अथवा स्लीपर बस में
• चौथा दिन: कलकत्ता आगमन गंगासागर में सागर स्नान, कपिल मुनि मंदिर दर्शन रात्रि गंगासागर
• पांचवा दिन :कालीमाता मंदिर, विक्टोरिया मेमोरियल, हावड़ा ब्रिज
• छठा दिन :कलकत्ता से वापसी ट्रेन
इस यात्रा के अंत में जो यात्री नेपाल काठमांड बनारस यात्रा करना चाहेंगे उनके लिए 6000 रु प्रति सवारी अतिरिक्त
यात्रा शुल्क 15,500 प्रति सवारी
3 सी यात्रा (एसी होटल एवं गाडी सहित) किराया 22,500 रु प्रति सवारी

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटनें मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य , भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

आवश्यकता है
(1)अमूल आइसक्रीम में सेल्समैन एवं डिलेवरी मैन की
कार्य समय: दोपहर 12 से शाम 6
(2) पेपर काउंटर संभालने वाले की जिसको एकाउंट का ज्ञान हो
कार्य समय: सुबह 4 से सुबह 8 (4 घंटे)
बागड़िया न्यूज़ एजेंसी
121 सेंट्रल कोतवाली के सामने उज्जैन
9425332161

स्थान परिवर्तन
नया स्थान : शॉप नं. 14 जगजीवन राम नगर, सोनी बिल्डिंग मटेरियल के पास, सोनी पेंट्स, एम.आई.जी. रोड, इंदौर
नवकार फार्मेसी मेडिकल शॉप
क्लिनिक : श्री गोपाल हड्डी रोग दवाखाना (हाड़ वैद्य) उज्जैन वाले
डॉ. एच.के. सिरोलिया
जोड़ एवं फ्रेक्चर हड्डी रोग विशेषज्ञ
मिलने का समय प्रति मंगलवार और शुक्रवार समय : दोप. 1 से शाम 5 बजे तक
Mob. 7000813235, 9669110800

खुश खबर खुश खबर खुश खबर
उज्जैन व्यापार मेला
आइये और पाइये वर्ष 2026 की सबसे बेहतरीन डील
आर.टी.ओ. टैक्स पर 50% की छूट
इसके अलावा और भी अन्य लाभ प्राप्त करने के लिए आज ही अपनी मारुती सुजुकी कार मॉडल तय कर बुक करे, मेले का लाभ वाहन उपलब्ध होने पर ही दिया जायेगा, तो आज ही अपना वाहन बुक करे और मेले का लाभ प्राप्त करे।
युग कार्स (मारुति शो-रूम)
नागझिरी देवास रोड, उज्जैन
मोबाइल: 7389901262, 9755510100, 9752530200
मारुति ऑउटलेट उज्जैन तहसील
नागदा : नागदा बाईपास जावरा रोड 9009140508
तराना : तोतला मार्ग 9589090827
बड़नगर : रुनिजा रोड 9993566820
महिदपुर : घोंसला रोड, नारायण सिंह सोलंकी 9109107176
खाचरौद : पटेल नगर बड़नगर रोड 9993566910
घट्टिया : जगोटी रोड के पास, आगर रोड 8959600100
इंगोरिया : उज्जैन - नागदा रोड, इंगोरिया 9340294804

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
नि:शुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

उज्जैन में पहली बार मालवा का नया स्वाद
नया व्यंजन
दाल टिक्कड़
कोयले की आंच पर सीके हुए
पार्सल सुविधा उपलब्ध
होटल सांई दरबार
A PURE VEGETARIAN RESTAURANT
22, बख्तार मार्ग, होटल सांई पैलेस के पास, फ्रीगंज, उज्जैन
फोन नं. 0734-4061888 मो. 9009866000

मुद्रक/प्रकाशक सुरेन्द्र मेहता द्वारा अवन्तिका प्रकाशन के लिए अवन्तिका ऑफसेट, 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग, उज्जैन से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : सुरेन्द्र मेहता। फोन - उज्जैन : 0734-4041777, 9827771777, इन्दौर : 0731-4085777, 9827772777 e-mail : awantikapress@yahoo.com